राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

जागरण मोर्चा

www.jagranmorchadaily.com लखनऊ, बरेली, मुरादाबाद में प्रसारित

जन जन की आवाज़

लखनऊ | वर्ष : 05 | अंक : 135 | शनिवार, 27 जून 2026 | ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष त्रयोदशी विक्रम संवत 2083 | पृष्ठ : 12 | मूल्य : 05 रूपया

संक्षिप्त समाचार

राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया शुरू

नई दिल्ली। शिक्षा मंत्रालय ने राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार 2026 के लिए ऑनलाइन आवेदन और नामांकन आमंत्रित किए हैं। ये आवेदन अब राष्ट्रीय पुरस्कार पोर्टल के माध्यम से अगले महीने की 10 तारीख तक किए जा सकते हैं। राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार हर वर्ष उन शिक्षकों को दिया जाता है जिन्होंने स्कूल शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य, नवाचार और समर्पण का परिचय दिया है। इसका उद्देश्य शिक्षकों के योगदान को सम्मानित और प्रोत्साहित करना है।

बांग्लादेश के लोगों के लिए शुरू होगी टूरिस्ट वीजा सेवा

ढाका। बांग्लादेश में नियुक्त भारत के नए उच्चायुक्त दिनेश त्रिवेदी ने गुरुवार को को कार्यभार संभालने के बाद बांग्लादेशी नागरिकों के लिए यात्रा वीजा सेवा फिर से शुरू करने की घोषणा की। वीजा के लिए आवेदन 28 जून से जमा किए जा सकेंगे। उन्होंने कहा कि सभी पांच केंद्रों ढाका, राजशाही, चटगांव, सिलहट और खुलना से वीजा जारी किए जाएंगे और भविष्य में इस प्रक्रिया का और विस्तार किया जाएगा।

बाढ़ में लापता चार लोगों की तलाश जारी

ईटनागर। अरुणाचल प्रदेश के केयी पैन्योर जिले में अचानक आई भयानक बाढ़ में लापता चार लोगों की तलाश जारी है। अधिकारियों ने बताया कि रेस्क्यू टीमों का गुरुवार को लगातार दूसरे दिन भी तलाशी अभियान अभियान जारी रहा। इसी बीच, पड़ोसी राज्य अरुणाचल प्रदेश में भारी बारिश और अचानक आई बाढ़ के बाद असम सरकार ने हाईअलर्ट जारी किया है। अधिकारियों के अनुसार, मंगलवार से लगातार हो रही बारिश के कारण केयी पैन्योर जिले के यजाली सर्कल क्षेत्र में अचानक बाढ़ आ गई, जिससे पूसा के पास नीपको प्रोजेक्ट कॉलोनी इसकी चपेट में आई। अचानक बाढ़ के कारण लगभग 20 घर और रिहायशी इकाइयां क्षतिग्रस्त हो गई।

अमृतसर में अफगानी समेत सात लोग गिरफ्तार

चंडीगढ़। पंजाब पुलिस ने एक केंद्रीय एजेंसी के साथ संयुक्त अभियान में अमृतसर जिले में सीमा पार से संचालित अवैध हथियार, नशीले पदार्थ और हवाला नेटवर्क का भंडाफोड़ किया है। इस मामले में एक अफगान नागरिक और एक नाबालिग सहित सात लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने आरोपियों के पास से दो सब-मशीन गन सहित 10 अत्याधुनिक हथियार, पांच किलोग्राम से अधिक हेरोइन और 30.38 लाख रुपए की हवाला राशि बरामद की है।

शुभांशु शुक्ला की पुस्तक 'द सेकंड ऑर्बिट' विमोचित

नई दिल्ली। वायु सेना प्रमुख मार्शल अमर प्रीत सिंह ने गुरुवार को नई दिल्ली में ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला की आत्मकथा 'द सेकंड ऑर्बिट - बिलीफ ऑफ अ मैन... ड्रीम्स ऑफ 1.4 बिलियन हार्ट्स' का विमोचन किया। यह पुस्तक लड़ाकू पायलट से अंतरिक्ष यात्री बनने तक ग्रुप कैप्टन शुक्ला के सफर और एक्सिओम-4 मिशन के तहत अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर उनके ऐतिहासिक मिशन का वर्णन करती है।

अयोध्या राम मंदिर दान विवाद में खुलासा: 8 गिरफ्तार, ट्रस्ट में हलचल तेज

- विशेष जांच दल की रिपोर्ट के बाद कार्रवाई तेज
- 79.85 लाख रुपये नकद बरामद
- वित्तीय अनियमितताओं की परतें खुलीं

अयोध्या/नई दिल्ली

अयोध्या के भव्य राम मंदिर से जुड़े कथित दान घोटाले ने पूरे देश में हलचल मचा दी है। श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट से जुड़े दान प्रबंधन में वित्तीय अनियमितताओं के आरोप सामने आने के बाद जांच एजेंसियों ने बड़ी कार्रवाई की है। विशेष जांच दल की रिपोर्ट के आधार पर पुलिस ने आठ आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है और उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। इस कार्रवाई के बाद मंदिर में आने वाले दान की पारदर्शिता और प्रबंधन व्यवस्था पर गंभीर सवाल उठ गए हैं। सूत्रों के अनुसार, विशेष जांच दल ने अपनी रिपोर्ट में दान संग्रह, गिनती और रिकॉर्ड रखने की प्रक्रिया में गंभीर अनियमितताओं की ओर इशारा किया था। इसके बाद पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू की और कार्रवाई को आगे बढ़ाया। गिरफ्तार सभी आरोपियों को विशेष अदालत में पेश किया गया, जहां से उन्हें 29 जून तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। अधिकारियों का कहना है कि दान से जुड़ी सभी वित्तीय गतिविधियों की बारीकी से जांच की जा रही है। पिछले कुछ समय से मंदिर में दान प्रबंधन और उसकी निगरानी को लेकर सवाल उठते रहे हैं। हालांकि ट्रस्ट ने हमेशा इन आरोपों को खारिज करते हुए कहा है कि सभी दान बैंकिंग व्यवस्था और ऑडिट प्रक्रिया के तहत सुरक्षित हैं। विशेष जांच दल अब डिजिटल रिकॉर्ड, बैंक लेन-देन और सीसीटीवी फुटेज की जांच कर रहा है। अधिकारियों का कहना है कि आने वाले दिनों में और गिरफ्तारियां हो सकती हैं। जांच एजेंसियों को संदेह है कि यह मामला केवल कुछ लोगों तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें एक संगठित वित्तीय गड़बड़ी का भी संकेत मिल सकता है। राम मंदिर जैसे धार्मिक और आस्था से जुड़े संस्थान में सामने आया यह दान घोटाला न केवल वित्तीय व्यवस्था पर सवाल खड़ा करता है, बल्कि पारदर्शिता और जवाबदेही की जरूरत को भी उजागर करता है। फिलहाल पूरा देश विशेष जांच दल की आगे की कार्रवाई और अदालत के निर्णय का इंतजार कर रहा है, जो इस मामले की असली सच्चाई सामने लाएगा।

दान व्यवस्था और पारदर्शिता पर सवाल

जांच में यह भी देखा जा रहा है कि मंदिर में आने वाले दान की गिनती, रिकॉर्ड और जमा प्रक्रिया कितनी पारदर्शी थी। इसके साथ ही वीआईपी दर्शन और अन्य सेवाओं से जुड़े लेन-देन की भी जांच हो रही है। विशेषज्ञों का मानना है कि इतनी बड़ी धार्मिक संस्था में वित्तीय पारदर्शिता बेहद जरूरी है, क्योंकि यहां देश-विदेश से भारी मात्रा में दान आता है।

सरकार और प्रशासन की सख्त निगरानी

उत्तर प्रदेश सरकार ने इस मामले को गंभीर मानते हुए विशेष जांच दल को स्वतंत्र रूप से जांच जारी रखने के निर्देश दिए हैं। सरकार ने कहा है कि यदि किसी स्तर पर अनियमितता साबित होती है तो सख्त कार्रवाई की जाएगी। ट्रस्ट प्रबंधन ने भी कहा है कि वह जांच में पूरा सहयोग कर रहा है और सभी रिकॉर्ड उपलब्ध कराए जा रहे हैं।

79.85 लाख रुपये की नकदी बरामद

जांच के दौरान पुलिस को आरोपियों से जुड़े ठिकानों से लगभग 79.85 लाख रुपये नकद मिले हैं। यह बरामदगी मामले को और गंभीर बना रही है। जांच एजेंसियों का मानना है कि यह राशि मंदिर में आए दान से जुड़ी हो सकती है, हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि अभी नहीं हुई है। अब बैंक रिकॉर्ड, दान रसीदें और डिजिटल लेन-देन की जांच की जा रही है।

ट्रस्ट और कर्मचारियों की भूमिका पर संदेह

जांच अब केवल गिरफ्तार लोगों तक सीमित नहीं है। ट्रस्ट से जुड़े कुछ कर्मचारियों और प्रबंधन से जुड़े लोगों की भूमिका भी संदेह के घेरे में है। सूत्रों के अनुसार, कुछ लोगों के वित्तीय लेन-देन में अचानक बढ़ोतरी देखी गई है, जिससे अनियमितता की आशंका और गहरी हो गई है। जांच दल यह भी पता लगा रहा है कि क्या यह लापरवाही थी या जानबूझकर की गई गड़बड़ी।

लखनऊ अग्निकांड के बाद देशभर में एक समान फायर सेफ्टी कानून की मांग

नई दिल्ली

लखनऊ के अलीगंज स्थित कोचिंग सेंटर में आग लगने से 15 छात्रों की मौत के बाद देशभर में फायर सेफ्टी व्यवस्था पर गंभीर सवाल उठने लगे हैं। इसी बीच सुप्रीम कोर्ट में एक जनहित याचिका दायर कर केंद्र और राज्य सरकारों से पूरे देश के लिए एक समान राष्ट्रीय न्यूनतम फायर और जीवन-सुरक्षा नियम लागू करने की मांग की गई है। याचिका में कहा गया है कि अलग-अलग राज्यों में अलग-अलग कानून और उनके कमजोर क्रियान्वयन के कारण सार्वजनिक स्थानों पर लोगों की सुरक्षा लगातार खतरे में बनी हुई है। याचिका अधिवक्ता नरेंद्र कुमार गोस्वामी की ओर से दाखिल की गई है। इसमें सुप्रीम कोर्ट से अनुरोध किया गया है कि केंद्र और राज्य सरकारों को निर्देश दिया जाए कि सभी उच्च जोखिम वाली सार्वजनिक इमारतों के लिए न्यूनतम फायर और जीवन-सुरक्षा मानक अनिवार्य रूप से लागू किए जाएं। याचिकाकर्ता का कहना है कि वर्तमान व्यवस्था में राज्यों के अलग-अलग कानून होने के कारण सुरक्षा मानकों में व्यापक असमानता है, जिससे दुर्घटनाओं की आशंका बढ़ जाती है। याचिका में कहा गया है कि पूरे देश में एक समान फायर सेफ्टी व्यवस्था लागू की जाए, जिसमें स्कूल, अस्पताल, कोचिंग सेंटर, होटल, गेस्ट हाउस, मॉल, मनोरंजन स्थल, व्यावसायिक भवन और अन्य सार्वजनिक परिसरों को शामिल किया जाए।

इसके साथ ही नियमित सुरक्षा ऑडिट, फायर सिस्टम की समय-समय पर जांच, आपातकालीन निकासी योजना, कर्मचारियों का प्रशिक्षण और सुरक्षा मानकों का अनिवार्य पालन सुनिश्चित करने की मांग की गई है। इसमें उपहार सिनेमा अग्निकांड, कोलकाता का एएमआरआई अस्पताल अग्निकांड, सूरत का तक्षशिला कोचिंग सेंटर हादसा, दिल्ली का अनाज मंडी अग्निकांड, राजकोट का टीआरपी गेम जोन हादसा, दिल्ली के मालवीय नगर गेस्ट हाउस में आग तथा लखनऊ अलीगंज कोचिंग सेंटर अग्निकांड जैसी घटनाओं का हवाला दिया गया है।

नियमों के उल्लंघन पर तय हो जवाबदेही

याचिका में यह भी कहा गया है कि केवल नियम बनाना पर्याप्त नहीं होगा। यदि किसी संस्थान में सुरक्षा मानकों का पालन नहीं किया जाता है तो भवन मालिकों, संचालकों और संबंधित अधिकारियों की कानूनी जवाबदेही तय की जानी चाहिए। नियमित निरीक्षण और प्रभावी निगरानी व्यवस्था के बिना फायर सेफ्टी कानून प्रभावी नहीं हो सकते।

बंगाल और पूर्वोत्तर में आतंकी साजिश का पर्दाफाश

नई दिल्ली। देश की सुरक्षा में सेंध लगाने की एक और घिनौनी आतंकी साजिश का राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआइए) ने पर्दाफाश कर दिया है। प्रतिबंधित बांग्लादेशी आतंकी संगठन 'जमात-उल-मुजाहिदीन बांग्लादेश' (जेएमबी) के एक खतरनाक धड़े 'इमाम महमूदुर काफिला' (आइएमके) द्वारा रची गई इस साजिश के मद्देनजर एनआइए ने गुवाहाटी की विशेष अदालत में 11 आरोपितों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की है। यह सिर्फ एक कानूनी कार्रवाई नहीं, बल्कि देश की अखंडता को बचाने के लिए सुरक्षा एजेंसियों की एक बड़ी कामयाबी है। युवाओं के 'ब्रेनवॉश' और देशविरोधी प्रोपेगैंडा का खतरनाक जाल एनआइए की जांच में सामने आया है कि इस साजिश का मुख्य मकसद भारतीय धरती पर नफरत के बीज बोना था। जेएमबी के वरिष्ठ सदस्य इमाम महमूद हबीबुल्ला ने भारत में इस प्रतिबंधित संगठन के खतरनाक एजेंडे को फैलाने के लिए ही आइएमके नाम का यह नया गुट तैयार किया था।

कोलकाता को बड़ा आर्थिक और शहरी हब बनाना जरूरी: संजीव सान्याल

कोलकाता

पूर्वी भारत में तेजी से विकास करने वाले शहरों का नेटवर्क बनाने और 'विकसित भारत' का लक्ष्य हासिल करने के लिए कोलकाता को एक बड़े शहरी और आर्थिक केंद्र के तौर पर फिर से विकसित करना आवश्यक है। यह बयान शुक्रवार को प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार समिति (ईएसी) के सदस्य संजीव सान्याल ने दिया। कोलकाता में पत्रकारों से बात करते हुए सान्याल ने कहा कि 'विकसित भारत' के विजन को साकार करने के लिए पूर्वी भारत और बंगाल का विकसित होना जरूरी है,और इसमें कोलकाता इस क्षेत्र का सबसे बड़ा शहरी केंद्र बना रहेगा। उन्होंने ने कहा कि हमें पटना, गुवाहाटी, रांची और भुवनेश्वर की जरूरत है, उन्हें भी तेजी से आगे बढ़ना होगा, लेकिन सच तो यह है कि कोलकाता अभी भी सबसे बड़ा हब है, इसलिए शहरी हब के इस नेटवर्क को तेजी से बढ़ाने के लिए कोलकाता को फिर से सक्रिय करना बहुत जरूरी है। सान्याल ने कोलकाता के शहरी इकोसिस्टम में निवेश करने की जरूरत पर जोर दिया और कहा कि शहर की विकास की रफ्तार को फिर से पटरी पर लाने के लिए कई कदम उठाने होंगेहों गे। इनमें रीडेवलपमेंट की पहल और उन औद्योगिक नीतियों में बदलाव शामिल हैं जो शायद कारोबार और निवेश के लिए काफी मददगार नहीं हैं। उन्होंने ने कहा कि बंगाल का व्यापार और उद्यमिता का लंबा इतिहास रहा है और कारोबार राज्य की संस्कृति में गहराई से रचा-बसा है। उनके अनुसार, इनोवेशन, जोखिम उठाने और उद्यमिता की उस भावना को फिर से जगाने की जरूरत है जिसके लिए बंगाली लोग ऐतिहासिक रूप से जाने जाते थे।

'विकसित भारत के लिए विकसित बंगाल की जरूरत'

सान्याल ने कहा कि विकसित भारत के लिए विकसित पूर्वी भारत और विकसित बंगाल की जरूरत है, और इसमें विकसित कोलकाता की अहम भूमिका है। उन्होंने ने पूर्वी भारत में तेजी से बढ़ रहे शहरी केंद्रों का नेटवर्क बनाने की जरूरत पर जोर दिया। उन्होंने ने कहा कि पटना, गुवाहाटी, रांची और भुवनेश्वर जैसे शहरों को भी ग्रोथ सेंटर के तौर पर उभरने की जरूरत है, लेकिन कोलकाता इस इलाके का सबसे बड़ा हब बना हुआ है और पूर्वी भारत में तेजी से आर्थिक विकास के लिए इसका फिर से आगे बढ़ना बहुत जरूरी है।

बिना सहमति फोटो-वीडियो शेयर करना अब गंभीर अपराध

- कर्नाटक सरकार के नए निर्देश
- दोषियों को सात साल तक की जेल
- निजी तस्वीरें या वीडियो साझा करने पर तुरंत होगी एफआईआर

बेंगलुरु

बिना अनुमति निजी फोटो या वीडियो साझा करने पर तत्काल एफआईआर दर्ज करने के निर्देश।

सरकार ने स्पष्ट किया कि फोटो खींचने की सहमति का मतलब उसे सार्वजनिक करना नहीं है।

गंभीर मामलों में सात साल तक की जेल और भारी जुर्माने का प्रावधान।

साइबर अपराध, ब्लैकमेल और सेक्सटॉर्शन के बढ़ते मामलों को देखते हुए कर्नाटक सरकार ने निजी तस्वीरों और वीडियो की सुरक्षा को लेकर सख्त कदम उठाया है। राज्य सरकार ने निर्देश जारी किए हैं कि किसी भी व्यक्ति की निजी या अंतरंग तस्वीरें एवं वीडियो उसकी स्पष्ट सहमति के बिना साझा किए जाने पर पुलिस तत्काल एफआईआर दर्ज करेगी। सरकार ने पुलिस अधिकारियों को चेतावनी दी है कि शिकायत दर्ज करने में लापरवाही या देरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। पुलिस महानिदेशक (डीजी एवं आईजीपी) ने राज्य के सभी पुलिस आयुक्तों और जिला पुलिस अधीक्षकों को नए दिशा-निर्देश लागू करने के आदेश दिए हैं। निदेर्शों के अनुसार, ऐसे मामलों में पीड़ित की शिकायत मिलते ही तुरंत कानूनी कार्रवाई शुरू की जाएगी। नियम पुरुषों और महिलाओं दोनों पर समान रूप से लागू होंगे। भारतीय न्याय संहिता , 2023 की धारा 77 के तहत किसी महिला की निजी तस्वीरें उसकी अनुमति के बिना साझा करना दंडनीय अपराध है। पहली बार अपराध करने पर एक से तीन वर्ष तक की जेल, जबकि दोबारा अपराध करने पर तीन से सात वर्ष तक की सजा और जुर्माने का प्रावधान है। इसके अलावा सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम की धारा 66(ए) के तहत किसी की निजी तस्वीरें बिना अनुमति लेने या प्रसारित करने पर तीन वर्ष तक की जेल या दो लाख रुपये तक का जुर्माना लगाया जा सकता है।

निजता के अधिकार पर सरकार का जोर

राज्य सरकार ने कहा है कि किसी व्यक्ति की निजता संविधान के अनुच्छेद-21 के तहत मौलिक अधिकार है। गृह मंत्री ने स्पष्ट किया कि यदि किसी व्यक्ति ने फोटो या वीडियो रिकॉर्ड करने की अनुमति दी है, तो इसका अर्थ यह नहीं है कि उसे सोशल मीडिया या अन्य माध्यमों पर साझा करने की भी अनुमति मिल गई है। बिना सहमति ऐसा करना संज्ञेय अपराध माना जाएगा।

डिजिटल अरेस्ट नेटवर्क पर सीबीआई की बड़ी कार्रवाई

80 ठिकानों पर छापेमारी, दो गिरफ्तार

नई दिल्ली

केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने 'ऑपरेशन चक्र-6' के तहत देशव्यापी कार्रवाई करते हुए 16 राज्यों में 80 से अधिक ठिकानों पर एक साथ छापेमारी की। यह अभियान 'डिजिटल अरेस्ट' नेटवर्क को संचालित करने वाले साइबर अपराधियों के खिलाफ चलाया गया, जिनके खिलाफ 200 से अधिक मामले दर्ज हैं। इस कार्रवाई के दौरान चेन्नई और कोलकाता से दो मुख्य संदिग्धों को गिरफ्तार किया गया है। सीबीआई ने इस बड़े ऑपरेशन के लिए 60 विशेष टीमें गठित की थीं, जिन्होंने पंजाब, गुजरात, दिल्ली, महाराष्ट्र, हरियाणा, तमिलनाडु, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, राजस्थान, असम, पश्चिम बंगाल, मणिपुर, कर्नाटक और ओडिशा में दबिश दी। इस दौरान भारी मात्रा में डिजिटल उपकरण, मोबाइल फोन और बैंक लेनदेन के रिकॉर्ड जब्त किए गए।

भारत आएंगी जापान की प्रधानमंत्री, शिखर वार्ता पर दुनिया की नजर

नई दिल्ली

भारत और जापान के रणनीतिक संबंधों को नई मजबूती देने के उद्देश्य से जापान की प्रधानमंत्री सनाए ताकइची 1 से 3 जुलाई तक भारत के आधिकारिक दौरे पर आएंगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निमंत्रण पर होने वाले इस दौरे में दोनों नेता 16वें भारत-जापान वार्षिक शिखर सम्मेलन की संयुक्त अध्यक्षता करेंगे। मौजूदा वैश्विक भू-राजनीतिक परिस्थितियों और हिंद-प्रशांत क्षेत्र में बदलते रणनीतिक समीकरणों के बीच इस बैठक को अत्यंत महत्वपूर्ण माना जा रहा है। विदेश मंत्रालय के अनुसार, दोनों देशों के नेता द्विपक्षीय संबंधों की व्यापक समीक्षा करेंगे। बैठक में हिंद-प्रशांत क्षेत्र में सहयोग, आर्थिक सुरक्षा, रक्षा साझेदारी, व्यापार एवं निवेश, उच्च प्रौद्योगिकी, सेमीकंडक्टर, स्वच्छ ऊर्जा, आपूर्ति श्रृंखला, बुनियादी ढांचा विकास तथा क्षेत्रीय और वैश्विक सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर चर्चा होने की संभावना है। विशेषज्ञों का मानना है कि अमेरिका की बदलती हिंद-प्रशांत नीति और क्षेत्रीय सुरक्षा चुनौतियों के बीच भारत और जापान के बीच यह शिखर वार्ता नई रणनीतिक दिशा तय कर सकती है। दोनों देश पहले से ही मुक्त, समावेशी और नियम-आधारित हिंद-प्रशांत क्षेत्र के पक्षधर रहे हैं।

दो दशकों में मजबूत हुए संबंध

भारत और जापान के बीच वर्ष 2000 में वैश्विक साझेदारी की शुरूआत हुई थी। वर्ष 2006 में इसे रणनीतिक एवं वैश्विक साझेदारी का दर्जा मिला और वर्ष 2014 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तथा तत्कालीन जापानी प्रधानमंत्री शिंजो आबे ने इसे विशेष रणनीतिक एवं वैश्विक साझेदारी में बदल दिया। तब से दोनों देशों के बीच रक्षा, व्यापार, निवेश, बुनियादी ढांचा और प्रौद्योगिकी सहित कई क्षेत्रों में सहयोग लगातार बढ़ा है।

अमेजन के सीईओ ने प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात के बाद की बड़ी घोषणा

पांच साल में 48 अरब डॉलर का निवेश करेगी अमेजन

नई दिल्ली

अमेजन के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) एंडी जेसी ने गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। इस उच्च स्तरीय बैठक के दौरान एंडी जेसी ने भारत में वर्ष 2030 तक 48 अरब डॉलर (लगभग 4 लाख करोड़ से अधिक) के एक ऐतिहासिक निवेश की घोषणा की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस रिकॉर्ड निवेश का स्वागत करते हुए कहा कि इससे भारतीय युवाओं के लिए नए अवसर पैदा होंगे और यह भारत के प्रति दुनिया भर में बढ़ती निवेश रुचि को दर्शाता है।

कंपनी के अनुसार, यह विशाल निवेश मुख्य रूप से ई-कॉमर्स, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, क्लाउड इंफ्रास्ट्रक्चर और लॉजिस्टिक्स नेटवर्क के विस्तार पर केंद्रित होगा। इस निवेश में अतिरिक्त 13 अरब डॉलर विशेष रूप से एआई और क्लाउड इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए आवंटित किए गए हैं। इसके साथ ही, वर्ष 2026 से 2030 के दौरान भारत में एआई और क्लाउड पर अमेजन का कुल निवेश 21 अरब डॉलर से अधिक हो जाएगा।

खास बिंदु

- **रोजगार का सृजन:** वर्ष 2030 तक कंपनी भारत में कुल 38 लाख लोगों को रोजगार देने में सहयोग करेगी।
- **छोटे कारोबारियों को डिजिटल मदद:** देश के करीब 1.5 करोड़ छोटे कारोबारियों तक एआई तकनीक का लाभ पहुंचाया जाएगा।
- **शिक्षा में योगदान:** देश के 40 लाख सरकारी स्कूलों में छात्रों को एआई शिक्षा उपलब्ध कराई जाएगी।

मुंबई-हैदराबाद में बढ़ेंगे डेटा सेंटर, छोटे शहरों में पहुंचेगी बेहद तेज एवं भरोसेमंद डिलीवरी

अमेजन अपनी क्लाउड सेवाओं के तहत मुंबई और हैदराबाद में स्थित अपने डेटा सेंटरों की क्षमता को बड़े पैमाने पर बढ़ाएगा। इससे भारतीय स्टार्टअप्स, निजी कंपनियों और सरकारी संस्थानों को आधुनिक एआई चिप्स, क्लाउड सेवाएं और एडवांस डेवलपर टूल्स आसानी से मिल सकेंगे। इसके साथ ही, कंपनी ने इस साल भारत में 20 से अधिक नए फुलफिलमेंट सेंटर और 100 से ज्यादा नए लास्ट-माइल डिलीवरी स्टेशन शुरू करने का निर्णय लिया है। इसका मुख्य उद्देश्य देश के टियर-3 और टियर-4 (छोटे शहरों और कस्बों) में ग्राहकों तक बेहद तेज और भरोसेमंद डिलीवरी पहुंचाना है।

समुद्री सुरक्षा को और अधिक मजबूत करने की दिशा में एक और कदम

तटरक्षक बल के लिए बन रहा है चौथा एनजीओपीवी

नई दिल्ली

भारतीय तटरक्षक बल के लिए एक और 'नेक्स्ट जेनरेशन ऑफ शोर पेट्रोल वेसल' का निर्माण शुरू किया गया है। यह भारतीय तटरक्षक बल (आईसीजी) के लिए बनाए जा रहे छह नेक्स्ट जेनरेशन ऑफशोर पेट्रोल वेसल (एनजीओपीवी) में से चौथा पोत है। इस से भारत की समुद्री सुरक्षा को और अधिक मजबूत बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण मदद मिलेगी। गुरुवार को इस अत्याधुनिक पोत की कील-लेइंग यानी जहाज की आधारशिला स्थापना समारोह का आयोजन किया गया।

यह पोत मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड (एमडीएल) द्वारा पूरी तरह स्वदेशी तकनीक और आधुनिक प्रणालियों के साथ निर्मित किया जा रहा है। समारोह में भारतीय तटरक्षक बल और मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड के वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया। रक्षा मंत्रालय के मुताबिक यह परियोजना भारत सरकार के आत्मनिर्भर भारत अभियान को मजबूती देगी। विशेषज्ञों का कहना है कि यह परियोजना आत्मनिर्भर भारत अभियान के साथ-साथ देश की समुद्री सुरक्षा क्षमताओं को नई ऊंचाइयों तक ले जाने वाली मानी जा रही है। गौरतलब है कि समुद्री जहाज निर्माण की प्रक्रिया में कील-लेइंग समारोह को एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर माना जाता है।

विश्वविद्यालय में 8 को होगी बीएससी एग्रीकल्चर की काउंसिलिंग

बरेली। महात्मा ज्योतिबा फुले रोहिलखंड विश्वविद्यालय में बी.एससी. (कृषि) प्रथम वर्ष प्रवेश के लिए काउंसलिंग 8 जुलाई को होगी। कृषि विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संकाय के अधिष्ठाता प्रो. उपेन्द्र कुमार ने बताया कि मेरिट सूची 1 जुलाई को विश्वविद्यालय की आधिकारिक वेबसाइट पर जारी होगी। मेरिट सूची में चयनित अभ्यर्थियों को 2 जुलाई को काउंसलिंग पत्र ईमेल के माध्यम से भेजा जाएगा। अभ्यर्थियों को काउंसलिंग के समय अपने सभी मूल शैक्षिक प्रमाण-पत्र, अंकपत्र, प्रमाण-पत्र (यदि लागू हो), उनकी स्वप्रमाणित छायाप्रतियां व प्रवेश के लिए प्रथम वर्ष का निर्धारित शुल्क 40 हजार रुपये साथ उपस्थित होना होगा।

कानून-व्यवस्था का मजबूत स्तंभ बने आईपीएस राजकुमार अग्रवाल

जागरण मोर्चा कार्यालय

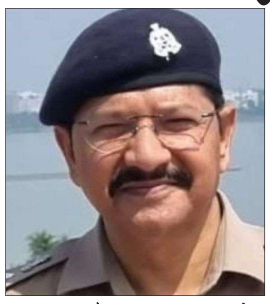

- बरेली में दंगों की आग से लेकर ड्रग माफिया पर निर्णायक कार्रवाई तक रहा प्रभावी नेतृत्व

बरेली। यूपी पुलिस के अनुशासित, सख्त और परिणामोन्मुखी अधिकारियों में शामिल आईपीएस राजकुमार अग्रवाल ने अपने लंबे सेवा काल में ईमानदार और प्रभावी पुलिसिंग की अलग पहचान बनाई है। पीपीएस अधिकारी के रूप में करियर की शुरुआत करने वाले राजकुमार अग्रवाल ने कार्यकुशलता, नेतृत्व क्षमता और कानून-व्यवस्था पर मजबूत पकड़ के दम पर आईपीएस कैडर तक का सफर तय किया। प्रदेश के जिन-जिन जिलों में उन्होंने जिम्मेदारी संभाली, वहां अपराध नियंत्रण और जनता का भरोसा उनकी सबसे बड़ी उपलब्धि रहा। बरेली से उनका विशेष जुड़ाव रहा है। वर्ष 2012 में वे यहां सीओ सिटी प्रथम और सीओ सिटी द्वितीय के रूप में तैनात रहे। उस समय शहर सांप्रदायिक तनाव और दंगों जैसी संवेदनशील परिस्थितियों से गुजर रहा था। बानखाना, कोहाड़ापीर, गुद्दड़बाग और जगतपुर जैसे इलाकों में हालात सबसे चुनौतीपूर्ण थे। राजकुमार अग्रवाल ने मोर्चे पर रहते हुए शांत स्वभाव, संवाद कौशल और त्वरित निर्णयों के जरिए स्थिति पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित किया। दोनों समुदायों के बीच संवाद कायम कर शांति बहाल कराने में उनकी भूमिका को वरिष्ठ अधिकारियों ने भी सराहा। वर्ष 2021 से 2023 तक बरेली में एसपी देहात के रूप में तैनाती के दौरान उन्होंने ग्रामीण इलाकों में सक्रिय नशा तस्करों और संगठित अपराध सिंडिकेट के खिलाफ सघन अभियान चलाया। फतेहगंज पूर्वी, फतेहगंज पश्चिमी, फरीदपुर और मीरगंज सहित कई थाना क्षेत्रों में एनडीपीएस एक्ट के तहत लगातार कार्रवाई की गई। उनके नेतृत्व में करीब 100 करोड़ रुपये मूल्य की अवैध चल-अचल संपत्तियों को जब्त और कुर्क कराया गया, जिससे माफियाओं की आर्थिक ताकत कमजोर हुई। राजकुमार अग्रवाल की कार्यशैली केवल अपराधियों पर सख्ती तक सीमित नहीं रही। जनता से सीधा संवाद, संवेदनशील मामलों का शांतिपूर्ण समाधान और टीम के साथ मिलकर काम करना उनकी पहचान रहा। हर चुनौतीपूर्ण मौके पर उन्होंने प्रभावी नेतृत्व कर प्रशासन और आमजन—दोनों का विश्वास जीता। 1999 बैच के पीपीएस अधिकारी रहे राजकुमार अग्रवाल मूल रूप से हमीरपुर जिले के राठ कस्बे के निवासी हैं। प्रारंभिक शिक्षा नैनीताल और लखनऊ में हुई। इलाहाबाद विश्वविद्यालय से स्नातक-स्नातकोत्तर करने के बाद वर्ष 2003 में झांसी से सेवा की शुरुआत की। इसके बाद जालौन, बरेली, लखनऊ, प्रतापगढ़, कानपुर नगर, हापुड़ सहित कई जनपदों में महत्वपूर्ण दायित्व निभाते हुए उन्होंने हर स्थान पर अपनी कार्यकुशलता की मजबूत छाप छोड़ी।

सार संक्षेप

एग्रीमेंट के बाद भी न मकान मिला न जमीन, छह लाख की ठगी से पीड़ित ने दर्ज कराई रिपोर्ट

बरेली। जमीन पर मकान बनाकर देने का एग्रीमेंट करने के बावजूद न तो मकान का निर्माण कराया गया और न ही जमीन उपलब्ध कराई गई। इस तरह छह लाख रुपये की ठगी किए जाने का आरोप लगाते हुए एक व्यक्ति ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। गंदा नाला निवासी राजेंद्र सिंह ने बताया कि पड़ोसी के माध्यम से उसकी मुलाकात केएस चौहान से हुई थी। आरोपी ने श्याम कॉलोनी नई बस्ती क्षेत्र में 50 वर्ग गज में मकान बनाकर बेचने का प्रस्ताव दिया। 3 अक्टूबर 2025 को दोनों के बीच 24.80 लाख रुपये में मकान देने का लिखित एग्रीमेंट किया गया। एग्रीमेंट व्यांस कंस्ट्रक्शन प्रॉपर्टी के नाम से किया गया था। राजेंद्र सिंह के अनुसार मकान निर्माण शुरू कराने के नाम पर आरोपी ने अलग-अलग किस्तों में ऑनलाइन और नकद माध्यम से कुल छह लाख रुपये ले लिए। आरोप है कि एग्रीमेंट में तय तीन माह की अवधि बीत जाने के बाद भी न तो निर्माण कार्य शुरू हुआ और न ही जमीन दिखाई गई। जब पीड़ित ने संपर्क करना चाहा तो आरोपी टालमटोल करने लगा और बाद में फोन उठाना भी बंद कर दिया। खुद को ठगा महसूस करने पर पीड़ित ने पुलिस से शिकायत की। पुलिस का कहना है कि मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

रिटायर्ड फौजी का शव मिलने से इलाके में हड़कंप

मृतक रामचंद्र।

बरेली। थाना बारादरी क्षेत्र की आजाद नगर कॉलोनी में उस समय हड़कंप मच गया, जब 50 वर्षीय फौज से सेवानिवृत्त रामचंद्र का शव बरामद हुआ। शव मिलने की सूचना से परिवार में कोहराम मच गया और मोहल्ले में शोक का माहौल बन गया। परिजनों के अनुसार रामचंद्र शनिवार की शाम अचानक घर से निकल गए थे और देर रात तक वापस नहीं लौटे। बताया गया कि कुछ समय से उनकी मानसिक स्थिति ठीक नहीं चल रही थी और उनका इलाज भी चल रहा था। परिजनों ने काफी तलाश की, लेकिन उनका कोई सुराग नहीं लग सका। शुक्रवार सुबह पुलिस को सूचना मिलने पर रामचंद्र का शव बरामद हुआ। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए बरेली पोस्टमार्टम हाउस भेज दिया और मामले की जांच शुरू कर दी। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का पता चल सकेगा। मृतक रामचंद्र भारतीय सेना से सेवानिवृत्त थे। उनके निधन से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। वह अपने पीछे पत्नी मुन्नी देवी, तीन बेटियां और एक बेटा छोड़ गए हैं। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

रिश्ते के मौसा पर 9 वर्षीय बच्ची से हैवानियत का आरोप, आरोपी फरार, पुलिस नें दर्ज किया मामला

बरेली। थाना फतेहगंज पूर्वी क्षेत्र मे साइकिल पर बैठाकर बाजार ले गए रिश्ते के मौसा ने नौ साल की बच्ची से दुष्कर्म किया। खून से लथपथ हालत में वह बच्ची को घर के दरवाजे पर छोड़कर भाग गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने बच्ची को फरीदपुर के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया है। बच्ची को जिला अस्पताल रेफर किया गया है। आरोपी की उम्र 50 वर्ष बताई जा रही है। पुलिस के मुताबिक गुरुवार को फतेहगंज पूर्वी के एक गांव की बच्ची अपने घर में थी। बच्ची ने अपने घर के सामने रह रहे मौसा को साइकिल से बाजार जाते देख लिया। इसके बाद वह साइकिल पर बैठने की जिद करने लगी। आरोप है कि वह उसे साइकिल पर बैठा कर ले गया। गांव के बाहर सुनसान इलाके मे जाकर उसने बच्ची के साथ दुष्कर्म किया। बच्ची चीख पुकार करने लगी तो गांव के लोग मौके पर पहुंचे। इसके बाद वह बच्ची को साइकिल पर बैठाकर मौके से भाग निकला। उसने बच्ची को खून से लथपथ हालत में घर के दरवाजे पर बैठा दिया और वह फरार हो गया। बच्ची की हालत देखकर परिजनों ने पुलिस को सूचना दी। इंस्पेक्टर राजकुमार पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और आरोपी को गिरफ्तार करने के लिए दबिश दी लेकिन वह फरार हो गया। पुलिस ने बच्ची को फरीदपुर के सरकारी अस्पताल भेजा। जहां से उसे बरेली के जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। बच्ची के परिजनों ने गांव के शाहिद के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया।

आजादी के लिए भगा आजीवन कारावास का दोषी, पुलिस की गोली से हुआ घायल

25 हजार का इनाम था घोषित, अवैध तमंचे के साथ किया गिरफ्तार

जागरण मोर्चा कार्यालय

बरेली। इज्जतनगर थाना पुलिस ने केंद्रीय कारागार से फरार चल रहे 25 हजार रुपये के इनामी और आजीवन कारावास की सजा काट रहे दोषी बंदी को शुक्रवार देर रात पुलिस मुठभेड़ के दौरान गिरफ्तार कर लिया। मुठभेड़ में आरोपी के पैर में गोली लगी, जिसके बाद उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। आरोपी के कब्जे से एक अवैध .315 बोर तमंचा, एक खोखा और एक जिंदा कारतूस बरामद हुआ।

पुलिस के अनुसार, अमरोहा के डिडौली थाना क्षेत्र के नन्हेड़ा राजपूत निवासी 23 वर्षीय दिनेश पॉक्सो और दुष्कर्म के मामले में आजीवन कारावास की सजा काट रहा था। उसे 19 अप्रैल 2026 को केंद्रीय कारागार बरेली स्थानांतरित किया गया था। 22 जून को जेल परिसर में कृषि कार्य के दौरान वह पानी पीने का बहाना बनाकर फरार हो गया था। उसकी गिरफ्तारी पर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने 25 हजार रुपये का इनाम घोषित किया था। गुरुवार देर रात इज्जतनगर पुलिस को सूचना मिली कि एक संदिग्ध युवक नैनीताल हाईवे के पास रेलवे के खंडहर मकान में छिपा हुआ है।

पुलिस टीम ने घेराबंदी की तो आरोपी ने पुलिस पर जान से मारने की नीयत से फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में उसके पैर में गोली लगी, जिसके बाद उसे दबोच लिया गया। पूछताछ में उसने जेल से फरार होने और परिचित के घर छिपे रहने की बात कबूल की। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ पुलिस पर फायरिंग और आर्म्स एक्ट समेत विभिन्न धाराओं में नया मुकदमा दर्ज कर उसे न्यायालय में पेश करने की कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस टीम में प्रभारी निरीक्षक सुरेश चन्द्र गौतम, उ०नि० धर्मेन्द्र विश्नोई उ0नि0 सुनील कुमार, उ0नि0 विकास यादव, उ0नि0 लाखन सिंह, हे0का0 प्रीतम सिंह, हे0का0 धनीश सक्सैना, हे0का0 शोभित यादव, का0 सौरभ कुमार, का0 मनीष मलिक, का0 रहमान थाना इज्जतनगर बरेली मौजूद रहें।

शरबत वितरण करते पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष पति नसीम अहमद। -जागरण मोर्चा

मोहर्रम पर पूर्व चेयरमैन पति नसीम अहमद ने लगाया शर्बत सेवा शिविर

जागरण मोर्चा कार्यालय

बहेड़ी। मोहर्रम के अवसर पर शुक्रवार को नगर में पूर्व चेयरमैन पति नसीम अहमद की ओर से शर्बत वितरण शिविर लगाया गया। इस दौरान राहगीरों, अकीदतमंदों और नगरवासियों को शीतल शर्बत पिलाकर उनकी सेवा की गई। शिविर में बड़ी संख्या में लोगों ने पहुंचकर शर्बत ग्रहण किया।

नसीम अहमद ने कहा कि मोहर्रम त्याग, सब्र और इंसानियत का संदेश देता है। ऐसे अवसर पर लोगों की सेवा करना और प्यासे राहगीरों को शर्बत पिलाना पुण्य का कार्य है। उन्होंने सभी से आपसी भाईचारा, प्रेम और सौहार्द बनाए रखने की अपील की। शर्बत वितरण के दौरान स्थानीय लोगों और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने भी सहयोग किया। दिनभर राहगीरों को शर्बत पिलाया गया। लोगों ने इस सेवा कार्य की सराहना करते हुए इसे सामाजिक सौहार्द और मानव सेवा की मिसाल बताया।

अब घर बैठे जमा होगा संपत्ति कर

बरेली। डिजिटल इंडिया और स्मार्ट गवर्नेंस की दिशा में कदम बढ़ाते हुए नगर निगम ने अपने संपत्ति कर विभाग का कायाकल्प किया है। कर को सरल, पारदर्शी बनाने और कैशलेस सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए विभाग का डिजिटलीकरण किया गया है। निगम ने निजी बैंक के साथ मिलकर बृहस्पतिवार को इसकी शुरुआत की है। अब घर बैठे ही लोग अपने मोबाइल और कंप्यूटर से कर जमा करने सहित संपत्ति से जुड़ी अन्य सेवाओं का लाभ उठा सकते हैं। नगर निगम ने प्रॉपर्टी टैक्स मैनेजमेंट सिस्टम की शुरुआत की है। इसके जरिये नागरिक विभिन्न यूपीआई एप, नेट बैंकिंग, क्रेडिट और डेबिट कार्ड जैसे ऑनलाइन विकल्पों से संपत्ति कर जमा कर पा रहे हैं। बड़े भुगतान और संस्थानों की सुविधा के लिए एनईएफटी और आरटीजीएस की सुविधा भी दी गई है। इसकी खासियत यह है कि भुगतान होते ही टैक्स की राशि तुरंत संबंधित बिल में अपडेट हो जाती है।

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
जागरण मोर्चा
बरेली सिटी से 'जागरण मोर्चा' को चाहिए ऊर्जावान पत्रकार!
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक 'जागरण मोर्चा' बरेली शहर, तहसील एवं ग्रामीण क्षेत्रों में समाचार संकलन के लिए निष्पक्ष, साहसी और ऊर्जावान संवाददाताओं (पत्रकारों) की आवश्यकता है।
संपर्क सूत्र: 7579849555, 9627739857
मिलने का समय: दोपहर 12 से शाम 06 बजे तक
कार्यालय का पता: सी-86, चन्दपुरी, प्रेम नगर (बी-बाजार के सामने), बरेली, उत्तर प्रदेश।

बिजली आपूर्ति बहाली को लेकर भड़की हिंसा

महानगर उपकेंद्र पर तैनात एसएसओ पर हमला, चार अज्ञात पर केस दर्ज

जागरण मोर्चा कार्यालय

बरेली। शहर में लगातार बिजली कटौती से नाराज लोगों का गुस्सा बुधवार देर रात हिंसा में बदल गया। बरेली के महानगर विद्युत उपकेंद्र पर ड्यूटी कर रहे एसएसओ उमेश कुमार पर चार अज्ञात युवकों ने जान से मारने की धमकी देते हुए हमला कर दिया। फंटी और इंटरलॉक ईंट से हमला किए जाने की कोशिश में एसएसओ घायल हो गए। पीड़ित की शिकायत पर इज्जतनगर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पीड़ित एसएसओ उमेश कुमार ने बताया कि बुधवार रात करीब डेढ़ बजे दो युवक उपकेंद्र पर पहुंचे और बिजली सप्लाई तत्काल शुरू न करने पर जान से मारने की धमकी दी। इसके बाद दोनों युवक चले गए, लेकिन करीब आधे घंटे बाद वे दो अन्य साथियों के साथ वापस लौटे और चारों ने मिलकर मारपीट शुरू कर दी। आरोप है कि हमलावरों ने फंटी व डंडे से एसएसओ पर हमला किया और सड़क पर लगने वाली इंटरलॉक ईंट उठाकर मारने का प्रयास भी किया। अचानक हुए हमले से उपकेंद्र परिसर में अफरा-तफरी मच गई। घायल एसएसओ ने तत्काल डायल 112 पर कॉल कर पुलिस को सूचना दी और साथ ही अपने उच्च अधिकारियों को भी पूरे घटनाक्रम से अवगत कराया। सूचना मिलते ही पुलिस सक्रिय हुई और घटनास्थल पर पहुंचकर जांच शुरू की। बताया जा रहा है कि परवाना नगर, महानगर और मुंशी नगर समेत आसपास के इलाकों में तीन दिन से बार-बार बिजली आपूर्ति बाधित होने से स्थानीय लोग काफी समय से परेशान थे। इसी नाराजगी के चलते हमलावरों ने आपा खो दिया और उपकेंद्र पर पहुंचकर हिंसक घटना को अंजाम दिया। इज्जतनगर पुलिस ने एसएसओ की तहरीर पर चार अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है और आरोपियों की पहचान के प्रयास किए जा रहे हैं। साथ ही विद्युत कर्मचारियों की सुरक्षा को लेकर भी आवश्यक कदम उठाने की बात कही जा रही है।

रोटरी क्लब ऑफ बरेली साउथ ने दिव्यांगजनों को बांटी ट्राईसाइकिलें

कैंट विधायक संजीव अग्रवाल रहे मुख्य अतिथि

जागरण मोर्चा कार्यालय

बरेली। रोटरी क्लब ऑफ बरेली साउथ की ओर से गुरुवार को रोटरी भवन, बरेली में दिव्यांगजनों के लिए ट्राईसाइकिल वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि संजीव अग्रवाल रहे। उनके करकमलों से पाँच जरूरतमंद दिव्यांगजनों को ट्राईसाइकिलें वितरित की गईं। इस अवसर पर विधायक संजीव अग्रवाल ने कहा कि दिव्यांगजन समाज का अभिन्न अंग हैं और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के लिए इस प्रकार के सेवा कार्य अत्यंत आवश्यक हैं। उन्होंने रोटरी क्लब द्वारा किए जा रहे सामाजिक कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे प्रयास जरूरतमंदों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाते हैं। क्लब अध्यक्ष संजीव खंडेलवाल ने अतिथियों का स्वागत करते हुए क्लब की सेवा गतिविधियों की जानकारी दी और भविष्य में भी इसी तरह के कार्यक्रम जारी रखने की बात कही। कार्यक्रम में क्लब सचिव संजय गर्ग, कोषाध्यक्ष सुजीत जायसवाल, कम्युनिटी सर्विस डायरेक्टर राजीव बूबना सहित कई रोटरी सदस्य मौजूद रहे। ट्राईसाइकिल पाने वाले लाभार्थियों में सुरेंद्र कुमार, पंकज शर्मा, कृष्णा यादव, प्रथम पटेल और नितिन गुप्ता शामिल रहे। लाभार्थियों ने सहायता के लिए रोटरी क्लब का आभार जताया। कार्यक्रम का संचालन संदीप मेहरा ने किया।

आक्रोश तीन महीने नहीं मिला है कर्मचारियों को वेतन

वेतन वृद्धि की मांग को लेकर जिला अस्पताल के सफाई कर्मचारियों की हड़ताल

जागरण मोर्चा कार्यालय

बरेली। महराणा प्रताप जिला संयुक्त चिकित्सालय, बरेली में ठेके पर कार्यरत महिला एवं पुरुष सफाई कर्मचारियों ने वेतन न मिलने और वेतन वृद्धि की मांग को लेकर शुक्रवार को हड़ताल कर दी। सभी कर्मचारी अस्पताल के मुख्य गेट पर एकत्र होकर धरने पर बैठ गए और स्पष्ट कहा कि जब तक बकाया वेतन का भुगतान नहीं होगा तथा वेतन वृद्धि पर ठोस निर्णय नहीं लिया जाएगा, तब तक वे काम पर वापस नहीं लौटेंगे।

धरने पर मौजूद कर्मचारियों ने बताया कि वे पिछले कई वर्षों से अस्पताल में पूरी ईमानदारी और निष्ठा के साथ सफाई का कार्य कर रहे हैं। इसके बावजूद उन्हें मात्र 7,500 रुपये प्रतिमाह वेतन मिलता है और पिछले लगभग तीन वर्षों से इसमें कोई बढ़ोतरी नहीं हुई है। इतना ही नहीं, कर्मचारियों का आरोप है कि उन्हें पिछले तीन महीने से वेतन भी नहीं मिला, जिससे आर्थिक संकट गहरा गया है। महिला और पुरुष कर्मचारियों ने मीडिया को बताया कि अधिकांश कर्मचारी शादीशुदा हैं। किसी के घर में बुजुर्ग माता-पिता का इलाज चल रहा है तो कोई किराए के मकान में रह रहा है, जहां मकान मालिक लगातार किराया मांगकर मकान खाली करने की चेतावनी दे रहा है। एक कर्मचारी ने बताया कि स्कूल खुलने के बाद बच्चों की फीस, प्रवेश और किताबों का खर्च भी नहीं उठा पा रहे हैं। तीन महीने से वेतन न मिलने के कारण कई परिवारों के सामने खाने-पीने की समस्या भी खड़ी हो गई है।

धरने के दौरान अस्पताल के अधिकारियों ने कर्मचारियों से वार्ता कर उन्हें आश्वासन दिया कि बकाया वेतन का भुगतान कराया जाएगा तथा वेतन वृद्धि के संबंध में भी सकारात्मक प्रयास किए जाएंगे। हालांकि कर्मचारी आश्वासन से संतुष्ट नहीं हुए और उनका कहना है कि जब तक उनकी मांगों पर अमल नहीं होता, तब तक हड़ताल जारी रहेगी।

चेकिंग के डर से बंद हो गए शहर के तमाम कैफे

बरेली। लखनऊ अग्निकांड के बाद हो रही सख्ती के चलते कोचिंग सेंटरों में चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। जांच और कार्रवाई के डर से बेसमेंट में चल रहे कई कैफे बंद कर दिए। दूसरे दिन भी इन कैफों में ताले लटके मिले। इन कैफे में मानकों का पालन नहीं किया जा रहा। बीडीए, फायर विभाग समेत अन्य टीमों ने राजेद्रनगर में कोचिंग सेंटरों को चेक किया। इसकी सूचना इलाके में चल रहे तमाम कैफे पर भी पहुंच गई जिसके बाद कैफे संचालकों ने वहां बैठे लडके-लड़कियों को बाहर निकाल दिया और कैफे में ताला लगा दिया। राजेंद्रनगर में 20-22 कैफे चल रहे हैं। इनमें से आधे बेसमेंट में है। इनमें आने-जाने के लिए संकरा रास्ता है। मानकों का पालन नहीं किया जाता। यहां दिन भर युवाओं का तांता लगा रहता है। पकड़े जाने के डर से बुधवार के साथ गुरुवार को भी कई कैफे बंद रहे। वहीं डोहरा रोड के एक कैफे में लड़के लड़कियों को अंदर भेजकर बाहर से शटर गिरा दिया गया। ज्यादातर कैफों में बैठने के लिए छोटे-छोटे केबिन हैं। यहां एक घंटे का 300 रुपया तक लिया जाता है।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश के तेजी से बढ़ते अखबार जागरण मोर्चा को मुरादाबाद मंडल और जिला रामपुर में रिपोर्टरों और एजेंसी के लिए लोगों की आवश्यकता है। इसके अतिरिक्त विज्ञापन एंव अखबार के लिए संपर्क करें।

मोबाइल नंबर–
7906815587, 9758444242

सैजनी नदी पुल पर सप्ताह भर बाद दौड़ेगे वाहन

14 जून से किया गया है पुल को बंद, 45 लाख रुपये से हो रहा है मरम्मत कार्य

जागरण मोर्चा, कार्यालय

रामपुर। केमरी-बिलासपुर मार्ग स्थित सैंजनी नदी के पुल पर सप्ताह भर बाद वाहन दौड़ना शुरू होंगे। इससे पहले ही पुल से होकर गुजरने वाले वाहनों के लिए रूट डायवर्ट किया गया है। यह डायवर्जन तीन-चार दिन और रहेगा।

मालूम हो कि केमरी से बिलासपुर की ओर जाने वाले मार्ग स्थित सैंजनी नदी का पुल करीब 50 साल पुराना है। अगर इस पुल की समय रहते पुल की मरम्मत नहीं कराई जाती तो कभी कोई बड़ा हादसा हो सकता है। इसी के चलते प्रदेश सरकार को पुल की मरम्मत का प्रस्ताव भेजा गया था। जिसे मंजूर करते हुए शासन ने 45 लाख रुपये की धनराशि स्वीकृति कर जारी दी। टेंडर प्रक्रिया होने के बाद विभाग ने कार्यदायी संस्था को मरम्मत कार्य सौंप दिया। सहायक अभियंता हर्षित जैन ने बताया कि केमरी-बिलासपुर मार्ग स्थित सैंजनी नदी पुल पर मरम्मत कार्य शुरू 14 जून से शुरू कराया गया है। इसमें पुल के नीचे लगे बेयरिंगों की ग्रीसिंग कराई गई है इसके बाद 40 मीटर की सड़क पर मेस्टिक कार्य कराया गया है। जोकि पूरा हो गया है जल्द ही पुल पर वाहनों की आवाजाही शुरू हो जाएगी।

केमरी- बिलासपुर मार्ग स्थित सैजनी नदी पर निर्माणाधीन कार्य। -जागरण मोर्चा

केमरी-बिलासपुर के लिए है पुल

सैंजनी नदी का यह करीब 45 मीटर लंबा पुल बिलासपुर –मिलक मुख्य मार्ग पर पड़ता है।इस मार्ग पर पड़ने वाले केमरी कस्बे से तकरीबन एक किमी.दूर बिलासपुर रोड के इस पुल से प्रत्येक दिन हजारो दुपहिया, हल्के भारी वाहनों गुजरते हैं।केमरी बिलासपुर मार्ग क्षेत्र के लोगों के लिए यह भी यह एक प्रमुख कनेक्टिविटी है।

एक नजर

नाबालिग को भगाने और चोरी के मामले में केस दर्ज

पटवाई। थाना क्षेत्र के एक गांव में किशोरी को बहला–फुसलाकर भगाने के मामले में पुलिस ने एक आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है।पीड़ित पिता द्वारा पुलिस को दी गई तहरीर के अनुसार, उनके ही गांव का युवक रवि उनकी नाबालिग बेटी को अपने साथ भगा ले गया है। पीड़ित का आरोप है कि वह अपने साथ घर में रखे चांदी के आभूषण (हसली व खडुवे) और रुपए 30,000 नकद भी चोरी कर ले गया है।पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

गरीब लोगों को आरक्षण देना जरूरी: जसवंत पटेल

रामपुर। सिविल लाइंस निकट विकास भवन स्थित पार्टी कार्यालय पर जिला अध्यक्ष चौधरी घनवीर सिह संधू की अध्यक्षता में आरक्षण के जनक छत्रपति शाहू महाराज की जयंती मनाई।सर्व प्रथम बैठक में छत्रपति शाहू महाराज के चित्र पर पार्टी पदाधिकारियों ने माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित करके उनको श्रद्धांजलि अर्पित की।जिला अध्यक्ष चौधरी घनवीर सिह संधू ने पार्टी पदाधिकारियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि कुर्मी कुल मे जन्मे छत्र पति शाहू महाराज ने सर्व प्रथम अपनी कोल्हापुर रियासत में गरीव शोषित वंचित समाज के लोगों को आरक्षण देने की व्यवस्था कराई।अनेक सामाजिक बुराईयों को करने के कार्य किए और डा. भीम राव अम्बेडकर को शिक्षा ग्रहण करने में मदद की।बैठक में जिला महासचिव जसवंत पटेल ने कहा कि शाहू महाराज ने कमजोर और ताकतवर घोडो को एक साथ रखकर उदाहरण दिया कि कैसे ताकतवर कमजोर का हक मार लेता है।बैठक में जिला अध्यक्ष ने विधानसभा बिलासपुर के ग्राम पुरैनिया जदीद के ग्राम प्रधान मोहन लाल गंगवार रिटायर्ड कैप्टन को पार्टी की पटिका पहनाकर और छत्र पति शाहू महाराज की फोटो भेंटकर पार्टी की सदस्यता ग्रहण कराई गई।

सार संक्षेप

विद्युत कर्मियों से मारपीट करने के मामले में दो महिलाओं समेत 5 पर केस दर्ज

शाहबाद। थाना क्षेत्र के करैथी गांव में बिजली विभाग के कर्मियों से मारपीट करने के मामले में पुलिस ने दो महिलाओं समेत 5 लोगों के विरुद्ध संबंधित धाराओं में केस दर्ज किया है।लाइनमैन तस्लीम पुत्र शौकत अली ने कोतवाली में प्रार्थना पत्र देकर ग्राम करैथी के पांच लोगों के खिलाफ मारपीट, गाली गलौच और सरकारी काम कार्य में बाधा डालने का आरोप लगाते हुए रिपोर्ट दर्ज कराई है।लाइनमैन के अनुसार जब वह अपने अन्य साथी मुकेश कुमार और रवि कुमार के साथ बिजली बिल जमा कराने व बकाया पट संयोजन कराने का कार्य कर रहे थे, तभी गांव के ही विकास, सुमित, अमन, सुरभि और और सुरमिली ने उसके साथ गाली गलौज करते हुए मारपीट शुरू कर दी।आरोप यह भी है कि सभी ने उसका मोबाइल छीनकर तोड़ दिया और सरकारी कार्य में बाधा भी पहुंचाई।तस्लीम द्वारा यह आरोप भी लगाया गया है कि गांव के ही अमन पुत्र खेमपाल द्वारा उसके सिर पर सरिया से भी वार किया गया जिससे उसे गुम चोटें भी आई हैं।पुलिस ने तस्लीम की तहरीर के आधार पर विकास,सुमित,अमन, सुरभि और सुरमिली के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर अपनी आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

संचारी रोग नियंत्रण अभियान 1 जुलाई से होगा शुरू

रामपुर। मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. दीपा सिंह ने बताया कि विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान का संचालन 1 जुलाई से 31 जुलाई तक, दस्तक अभियान का संचालन 11 जुलाई से 31 जुलाई तक किया जाएगा।उन्होंने कहा कि अभियान के दौरान नाले–नालियों की नियमित सफाई कराई जाएगी, लार्वारोधी रसायनों का छिड़काव किया जाएगा।लोगों को उथले हैंडपंपों का पानी न पीने के प्रति जागरूक किया जाएगा।उन्होंने बताया कि विद्यालयों में छात्र–छात्राओं को संचारी रोगों की रोकथाम एवं बचाव के उपायों की जानकारी दी जाएगी तथा सूकर पालकों का भी संवेदीकरण किया जाएगा।दस्तक अभियान के अंतर्गत आशा एवं आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों द्वारा घर–घर भ्रमण कर संचारी रोगों के प्रति जनजागरूकता बढ़ाई जाएगी तथा संभावित रोगियों की पहचान कर आवश्यक स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई जाएंगी।मुख्य चिकित्साधिकारी ने सभी संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देशित किया कि अभियान से जुड़ी समस्त गतिविधियां निर्धारित समयावधि में पूर्ण करते हुए आपसी समन्वय के साथ अभियान को सफल बनाया जाए।

महापुरुषों के नामों को मिले उचित स्थान : शंखधार

मिलक। अंतरराष्ट्रीय हिन्दू परिषद के जिलाध्यक्ष आदेश शंखधार ने मिलक विधायक राजबाला सिंह को पत्र भेजकर विधानसभा क्षेत्र में लगे द्वारों पर भगवान का नाम, महापुरुषों का नाम और प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री के नामों को उचित स्थान दिलाए जाने की मांग की गई है।आदेश शंखधार ने बताया कि क्षेत्रीय विधायक राजबाला सिंह द्वारा मिलक विधानसभा क्षेत्र में अनेकों स्थानों पर भगवान एवं महापुरुषों के नाम पर स्मृति द्वार तथा देश के प्रधानमंत्री एवं उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री के नाम पर स्वागत द्वार लगवाए गए हैं उनमें भगवान का नाम, महापुरुषों का नाम और देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र दामोदर दास मोदी का नाम और उत्तर प्रदेश सरकार के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का नाम अत्यंत ही छोटे आकार में लिखवाया गया है जबकि सभी द्वारों में विधायक का नाम (सभी से) बड़े आकार में लिखवाया गया है जो कि किसी भी दशा में उचित नहीं है।ऐसे में यह प्रतीत हो रहा है कि विधायक ने सिर्फ़ और सिर्फ़ अपने का नाम का प्रचार करने के उद्देश्य से ही भगवान का नाम, महापुरुषों का नाम और प्रधानमंत्री का नाम एवं उत्तर प्रदेश सरकार के मुख्यमंत्री का नाम छोटा लिखवाया है।उन सभी में तत्काल प्रभाव से बदलाव करने की आवश्यकता है।ऐसा न होने की दशा में हम अपने भगवान, महापुरुषों और भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र दामोदर दास मोदी एवं उत्तर प्रदेश सरकार के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नाम से लगे हुए द्वारों पर मानक के अनुरूप फ्लैक्स बनाकर उनको लगवाने का कार्य करेंगे।

लोगों की सुनी समस्याएं

रामपुर। राज्य आयुक्त दिव्यांगजन के निर्देशन में दिव्यांगजनों की शिकायतों एवं समस्याओं की सुनवाई की।कार्यक्रम में जनपद के विभिन्न विभागों के अधिकारी भी उपस्थित रहे।प्राप्त शिकायतों का यथासंभव मौके पर ही समाधान किया।जिसमें मौके पर दिव्यांग अध्यक्ष मोहम्मद उस्मान, सौरभ कुमार शाहनवाज और बिट्टू भी मौके पर मौजूद रहे।

ग्रामीण की समस्या सुनती महिला अधिकारी।

कोर्ट मैरिज के बाद मुकरा पति

पटवाई। थाना पटवाई क्षेत्र के एक गांव में कोर्ट मैरिज के बाद विवाहिता को अपनाने से इंकार करने उसके साथ मारपीट कर गर्भपात कराने और अश्लील हरकतें करने का एक मामला सामने आया है।पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने पति और सास–ससुर समेत कई ससुरालियों के खिलाफ गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। थाना पटवाई क्षेत्र के ग्राम मथुरा पुर कला निवासी एक महिला ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि करीब 4–5 माह पहले उसने गाजियाबाद के आर्य समाज मंदिर में राजकुमार नाम के युवक से कोर्ट मैरिज की थी, जो रजिस्टर्ड भी है।राज कुमार ने उससे वादा किया था कि वह अभी कोर्ट मैरिज कर रहे हैं और बाद में घर जाकर पारंपरिक तरीके से शादी कर लेंगे।इसके बाद आरोपी लगातार पीड़िता के साथ शारीरिक संबंध बनाता रहा।लेकिन जब पीड़िता ने घर ले जाने और सामाजिक रूप से शादी करने का दबाव बनाया, तो राज कुमार और उसके परिजनों ने साफ इंकार कर दिया।आरोप है कि परिजनों ने राजकुमार को कहीं बाहर छिपा दिया है।पीड़िता का आरोप है कि वह करीब 4 माह की गर्भवती थी। जब वह 16 अप्रैल 2026 को इस संबंध में बात करने राजकुमार के घर पहुंची, तो वहां मौजूद ससुर धर्मपाल, सास श्यामकली, ननद रेखा व आरती और जेठ अजय, विजय व सतपाल ने उसे गंदी–गंदी गालियां देना शुरू कर दिया।विरोध करने पर सभी आरोपियों ने उसे लात–घूंसों से बेरहमी से पीटा।इस मारपीट के कारण पीड़िता के पेट में पल रहा चार माह का बच्चा गर्भ में ही खत्म हो गया।पीड़िता ने यह भी आरोप लगाया कि उसके जेठ सतपाल और अजय ने उसके साथ छेड़छाड़ व अश्लील हरकतें कीं।तहरीर के अनुसार आरोपियों ने पीड़िता को धमकी दी कि अगर उसने राज कुमार का पीछा नहीं छोड़ा, तो उसे जान से मार दिया जाएगा।आरोपियों ने पुलिस और ऊंचे राजनीतिक रसूख की धौंस देते हुए पीड़िता को भगा दिया।जिसके बाद पीड़िता ने न्याय के लिए पहले महिला थाना रामपुर में शिकायती पत्र दिया था।मामले की गंभीरता को देखते हुए घटनास्थल से संबंधित थाना पटवाई में आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है।

विदेश भेजने के नाम पर 50 हजार रुपये ठगे

टांडा। थाना टांडा क्षेत्र के ग्राम झुरकझुण्डी निवासी वकासद वासिद पुत्र रजा हुसैन ने पुलिस अधीक्षक को दिए गए आवेदन में आरोप लगाया है कि गांव के आसिफ, आरिफ पुत्र यूसुफ और यूसुफ पुत्र मोहम्मद नवी ने उन्हें सऊदी अरब भेजने के नाम पर 50 हजार रुपये ठग लिये। 3 जून 2023 को 20 हजार 5 जून 2023 को 10 हजार और बाद में 20 हजार रुपये कुल 50 हजार रुपये आरोपी के खाते में ट्रांसफर कर दिये गये थे, लेकिन आरोपी न तो पैसे वापस कर रहे हैं।और न ही विदेश भेज रहे हैं।21 जून 2026 को जब पीड़ित अपने पैसे मांगने आरोपीयों की दुकान पर गया तो वे नाराज हो गए,गाली–गलौज करते हुए मारपीट करने लगे।बाद में तीनों आरोपी डंडे और छूरे लेकर उसके के घर पहुंचे और उसे जान से मारने की धमकी देते हुए बुरी तरह पीटा।आरोपियों ने कहा कि हमने बहुत से लोगों के पैसे ऐंठ लिए हैं, आज तक कुछ नहीं बिगड़ा।घटना के समय आसपास के लोगों के आने पर आरोपी भाग निकले और आगे भी जान से मारने की धमकी देते रहे।पीड़ित ने थाने में रिपोर्ट लिखाने की कोशिश की लेकिन कोई कार्रवाई न होने पर पुलिस अधीक्षक को आवेदन दिया।कोतवाली पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरूकर दी है।

तुरैहा समाज करेगा मेधावी बच्चों का सम्मान: कमल

- जिला सहकारी बैंक के सभागार में होगा कार्यक्रम का आयोजन

जागरण मोर्चा कार्यालय

रामपुर। शुक्रवार को चौकी हजियानी स्थित तुरैहा मछुआ समाज के जिला कार्यालय पर जिलाध्यक्ष कमल कुमार तुरैहा की अध्यक्षता में रविवार को होने वाले समाज के मेधावी छात्र-छात्राओं के सम्मान समारोह की तैयारी के लिए जिले के पदाधिकारियों के संग बैठक का आयोजन किया।

बैठक को सम्बोधित करते हुए तुरैहा मछुआ समाज के जिलाध्यक्ष कमल कुमार तुरैहा ने कहां कि समाज के बच्चों व युवाओं को शिक्षा के प्रति प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से सभी गणमान्य साथियों व संगठन के पदाधिकारियों की आम सहमति से 28 जून को प्रातः 11 बजे से जिला सहकारी बैंक सभागार, सिविल लाइन्स में आयोजित होगा। जिसमें समाज के परिवार के सभी बच्चे जिन्होने हाईस्कूल व इंटरमीडिएट की परीक्षा उत्तीर्ण की है उन सभी को कार्यक्रम आयोजित कर सम्मानित किया जाएगा।इसके साथ-साथ जिन बच्चों की किसी भी विभाग में नौकरी प्राप्त की है उन सभी को मुख्यालय में तुरैहा मछुआ समाज के तत्वाधान में आयोजित मेधावी छात्र-छात्रा सम्मान समारोह कार्यक्रम के तहत मुख्य अतिथियों की उपस्थिति में सम्मानित किया जाएगा। मुख्य अतिथि के रूप में सुधीर तोमर अपर जनपद न्यायाधीश नैनीताल उत्तराखंड व विशिष्ट अतिथि डॉ. सीपी सिंह चेयरमैन जिज्ञासा हॉस्पिटल मुरादाबाद एवं नायब तहसीलदार बिलासपुर अंकुर अंतल तथा नायब तहसीलदार अमित कुमार होगे। बैठक का संचालन करते हुए तुरैहा मछुआ समाज के वरिष्ठ उपाध्यक्ष व सभासद विनोद कश्यप एडवोकेट ने कहां की जबतक समाज के लोग समाज के कार्यक्रम में घरों से बाहर नही निकलेगे तब तक उन्हे कोई तवज्जो नही देगा। एक मजबूत समाज ही अपने हक व मांगों को पूरा करा सकता है, इसलिए सभी स्वजातीय भाई-बहन और वरिष्ठ साथी रविवार को होने वाले मेधावी छात्र-छात्राओं के सम्मान समारोह में समाज के बच्चों को अपना आर्शीवाद प्रदान करने के लिए अपनी गरिमय उपस्थिति प्रदान करें।

बैठक में जिला मंत्री रामसिंह तुरैहा एडवोकेट, कामरेड मेवी राम, जिला वरिष्ठ उपाध्यक्ष व सभासद विनोद कश्यप, अरविन्द कुमार, ग्राम प्रधान अजय कुमार, अनिल कुमार, राम किशोर तुरैहा, पप्पू सिंह, मुरारी लाल तुरैहा, विक्रम सिंह तुरैहा, सुखपाल तुरैहा, हरि शंकर भोट, शिवम कश्यप एडवोकेट, राजेश तुरैहा, अर्जुन कुमार, रमेश लाल, चन्द्रपाल, राम सरन तुरैहा, नरेंद्र कुमार तुरैहा, पूरन लाल कश्यप, प्रीतम तुरैहा, राजीव कुमार तुरैहा, रामसरन, रवि तुरैहा, कृष्ण अवतार पंडित जी, रिंकू, नवल किशोर, शिवकुमार, बाल किशोर आदि उपस्थित रहे।

बैठक को संबोधित करते जिलाध्यक्ष।

शंकराचार्य महाराज को राधा कृष्ण की प्रतिमा भेंट करते चौधरी मनोज कुमार।

गौ रक्षा सेवा समिति ने किया शंकराचार्य का स्वागत

जागरण मोर्चा कार्यालय

शाहबाद। गौ रक्षा सेवा समिति के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने जगतगुरू शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद महाराज के बिलारी आगमन पर उनका जोरदार स्वागत किया। समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी मनोज कुमार के नेतृत्व में पहुंचे सदस्यों ने महाराज का आशीर्वाद लिया। इस अवसर पर गौ रक्षा सेवा समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी मनोज कुमार ने जगतगुरु शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद महाराज को प्रतीक चिह्न के रूप में राधा-कृष्ण की प्रतिमा भेंट की। युवा जिलाध्यक्ष सुंदर लाल, शांति प्रसाद, पप्पू चौधरी आदि रहे।

डॉक्टरों के गैरहाजिर होने पर सीएमएस ने संभाली ओपीडी की कमान, परामर्श

- अस्पताल में केवल तीन चिकित्सकों ने रोगियों को टटोली नब्ज

जागरण मोर्चा, कार्यालय

रामपुर। शुक्रवार को जिला अस्पताल में चिकित्सकों के गैरहाजिर होने पर रोगियों की समस्या को देखते हुए मुख्य चिकित्सा अधीक्षक ने ओपीडी की कमान संभाली। उन्होंने कक्ष में बैठकर मरीजों को परीक्षण किया और साथ ही दवाइयां भी लिखी। जरूरतमंदों को दवाएं भी मुहैया कराई। उन्होंने कई मरीजों के लिए सीटी स्कैन, अल्ट्रासाउंड और एक्स-रे भी लिखकर दिए। मालूम हो कि सीएमएस बाल रोग विशेषज्ञ भी हैं।

गजेटेड अवकाश होने के कारण जिला अस्पताल में शुक्रवार को कई डॉक्टर गैरहाजिर रहे। सुबह 8 से 10:30 बजे तक केवल डॉ.डीके वर्मा, डॉ.दशरथ सिंह व एक अन्य चिकित्सक ने मरीजों को देखा। ज्वालानगर से आई सावित्री देवी बीमार बेटे का पर्चा लेकर सीएमएस के पास पहुंची। उन्होंने बताया कि उनके बेटे को तत्काल दवा की आवश्यकता है। इस पर सीएमएस ने तुरंत ही सावित्री की बात सुनी दवाइंया लिखी। मुख्य चिकित्सा अधीक्षक ने बताया कि गजेटेड अवकाश होने के कारण सीमित संख्या में चिकित्सकों के अनुरोध पर ओपीडी सेवाएं प्रदान की। उन्होंने डॉ. डीके वर्मा, डॉ.दशरथ सिंह और एक अन्य चिकित्सक का धन्यवाद किया।

जिला अस्पताल में रोगी की ओपीडी करते सीएमएस। -जागरण मोर्चा

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना में अंगूठा- चेहरे से होगी हाजिरी

- प्रदेश सरकार द्वारा प्रति जोड़े पर खर्च हो रहे 1 लाख रुपये

जागरण मोर्चा, कार्यालय

रामपुर। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना पूरी तरह डिजिटल और पारदर्शी हो गई है। योजना का संचालन वेब पोर्टल के जरिए ऑनलाइन किया जा रहा है। जिससे किसी भी तरह की अनियमितता पर अंकुश लगेगा। वित्तीय वर्ष से विभाग ने बायोमेट्रिक और फेस अटेंडेंस सिस्टम शुरू किया है। इसमें फिंगरप्रिंट और चेहरे की पहचान दोनों विकल्प उपलब्ध हैं, जो कार्यक्रम की पारदर्शिता करेंगे। जिला समाज कल्याण अधिकारी सूरज कुमारी ने बताया कि योजना के तहत पात्र जोड़ों वर-वधू को विवाह समारोह में शामिल होने से पहले अनिवार्य रूप से बायोमेट्रिक या फेस अटेंडेंस कराना होगा। बिना उपस्थिति के कोई लाभार्थी स्थल से जा नहीं सकेगा।

यह प्रक्रिया बायोमेट्रिक डिवाइस, लैपटॉप या एंड्रॉइड मोबाइल से संचालित होगी। प्रदेश सरकार द्वारा 1,00,000 रुपये मिल रहे हैं। जिसमें 60,000 रुपये सीधे वधू के बैंक के खाते में भेजे जाते है जबकि 25,000 रुपये वैवाहिक उपहार सामग्री 15,000 आयोजन व्यवस्था पर खर्च होते हैं। उपहार सामग्री में कपड़े, डिनर सेट, प्रेशर कुकर, ट्राली बैग के साथ-साथ चांदी की पायल बिछिया देना अनिवार्य है। लेकिन इस बार मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह कार्यक्रम में चांदी की पायल बिछिया नहीं मिलेगी। इसलिए वधू के खाते में 4,000 रुपये नगद धनराशि डिजिटल माध्यम से ट्रांसफर की जाएगी।

3800 आवेदनों को सत्यापन के लिए भेजा

9 जुलाई को होगा कार्यक्रम : विभाग के आकंड़ों के अनुसार अब तक 3800 आवेदनों को सत्यापन के लिए विकास खंड, नगर पालिका भेजा गया है जिनका वहीं से सत्यापन होना है।इसके बाद सामूहिक विवाह कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा।9 जुलाई को कार्यक्रम का आयोजन होगा।लेकिन अभी स्थल तय नहीं किया गया है।

आयोजन गोष्ठी में नशे के बताए गए दुष्परिणाम, दी जानकारी

नशा निरोधक दिवस में गूंजा नशा मुक्ति का संकल्प

जागरण मोर्चा, कार्यालय

रामपुर। अंतर्राष्ट्रीय नशा निरोधक दिवस पर आयोजित गोष्ठी में नशा करेगा नाश' रखा गया, जिसके माध्यम से समाज को व्यसन मुक्त बनाने का पुरजोर संदेश दिया गया। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. दीपा सिंह के दिशा निर्देशन में जिला अस्पताल में अंतर्राष्ट्रीय नशा निरोधक दिवस के उपलक्ष्य में गोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें मानसिक रोग विशेषज्ञ डॉ.अजमी नाज ने उपमुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ.संतोष कुमार, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ.बीसी सक्सेना को पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया।

गोष्ठी में जिला सलाहकार डॉ. शहजाद हसन खान ने नशे के हानिकारक प्रभाव एवं इसके बचाव के बारे में विस्तार से जानकारी दी। हॉस्पिटल मैनेजर अनुभव भारद्वाज द्वारा युवाओं में बढ़ते नशे के प्रभाव के बारे में अपने विचार रखें।

डॉ. अजमी ने नशे के उपचार के बारे में विस्तार से बताया। उपमुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. संतोष कुमार द्वारा स्वास्थ्य विभाग द्वारा नशा उन्मूलन के लिए चलाए जा रहे कार्यक्रम के बारे में विस्तार से जानकारी दी। मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. बी सी सक्सेना द्वारा नशे के प्रभाव उपचार एवं समाधान तथा जिला चिकित्सालय में उपलब्ध कराई जा रही है सुविधाओं के बारे में बताया। अंत में सभी को नशा उन्मूलन के लिए शपथ मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. बी सी सक्सेना द्वारा दिलाई गई। इस अवसर पर तंबाकू नियंत्रण प्रकोष्ठ एवं मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम के सभी सदस्य एवं जिला चिकित्सालय कार्यरत पैरामेडिकल स्टाफ एवं चिकित्सा अधिकारी उपस्थित रहे।

जिला अस्पताल में आयोजित गोष्ठी में शामिल चिकित्सक, इंटर्न की छात्राएं।

विशाखा प्रथम, चित्रांशी को मिला दूसरा स्थान

नीलावेणी कृष्णा नर्सिंग विद्यालय, डॉ. पीएसएम विद्यालय, जिला चिकित्सालय में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं विभिन्न फार्मेसी के इंटर्न छात्रों के साथ पोस्टर प्रतियोगिता, निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें प्रथम स्थान पर विशाखा सैनी, द्वितीय स्थान पर चित्रांशी सक्सेना, तृतीय स्थान पर जेनी कुमारी रही। जिनको पप्पू के चिकित्सा अधिकारी डॉ. संतोष कुमार, जिला सलाहकार डॉ. शहजाद हसन खान, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. बीसी सक्सेना द्वारा पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।

उत्पीड़न से तंग आकर युवती ने खाया जहर

जागरण मोर्चा कार्यालय

पटवाई। थाना क्षेत्र के एक गांव में पिछले नौ महीने से एक मनचले की हरकतों से परेशान होकर एक युवती ने आत्मघाती कदम उठा लिया। मानसिक तनाव से टूट चुकी युवती ने 22 जून की रात घर में रखी जहरीली दवाई खा ली। हालत बिगड़ने पर परिजनों ने उसे अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उपचार के बाद उसे छुट्टी दे दी गई है। पीड़िता की बड़ी बहन की तहरीर पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

थाने में दी गई शिकायत के अनुसार एक निवासी आरोपी रोहित कुमार पिछले नौ महीने से युवती के साथ छेड़छाड़ और अभद्र व्यवहार कर रहा था। पूर्व में इस मामले को लेकर गांव में एक पंचायत भी हुई थी, जिसमें मामला शांत करा दिया गया था। लेकिन कुछ समय बाद आरोपी ने फिर से परेशान करना शुरू कर दिया।शिकायत में आरोपी द्वारा की गई बदसलूकी की घटनाओं का भी जिक्र शामिल किया गया है जिसमें 14 जून को युवती जब बस से अपने बीमार पिता को देखने हल्द्वानी अस्पताल जा रही थी, तब आरोपी भी उसी बस में सवार हो गया। उसने बस के भीतर ही युवती के साथ दुर्व्यवहार किया और अश्लील फब्तियां कसीं।19 जून को आरोपी ने रात के समय युवती को फोन करके घर के बाहर आने का दबाव बनाया।इसके बाद 22 जून को युवती जब मदारपुर मढ़ी मंदिर में प्रसाद चढ़ाने गई थी, तब आरोपी ने सरे–राह उसके साथ बदसलूकी की।लगातार मिल रहे इस मानसिक टॉर्चर से तंग आकर युवती ने 22 जून की रात आत्मघाती कदम उठा लिया।अस्पताल में होश में आने पर युवती ने परिजनों को आप बीती सुनाई। उसने बताया कि रोहित कुमार की आए दिन की छेड़छाड़ और फोन पर प्रताड़ना से तंग आकर उसे यह कदम उठाने को मजबूर होना पड़ा।मामले की जानकारी होने पर युवती की बड़ी बहन ने थाना पटवाई में आरोपी रोहित के खिलाफ तहरीर देकर न्याय की गुहार लगाई। उधर थाना पुलिस ने आरोपी के खिलाफ संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है और आगे की कानूनी कार्रवाई में जुट गई है।

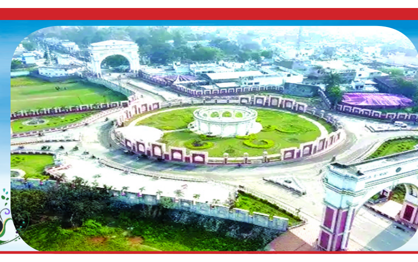

हजरत इमाम हुसैन की याद में निकले जुलूस

- सुरक्षा के लिहाज से पुलिस बल रहा तैनात

जागरण मोर्चा कार्यालय

रामपुर। शुक्रवार को 10 मोहर्रम हजरत इमाम हुसैन की याद में अलग-अलग तीन जुलूस निकले। जोकि सीआरपीएफ गेट होते हुए कर्बला पहुंचे। जुलूस में पुलिस फोर्स के साथ मजिस्ट्रेट रहे। पहला जुलूस सुबह सात बजे शिया समुदाय के मनसूर हुसैन की देख रेख में जरी का जुलूस निकला, जोकि इमामबाड़ा किला से शुरू होकर इमामबाड़ा किला में जाकर समाप्त हुआ। दूसरा जुलूस हैदर अली हमजा मियां मुतवली शिया ओकाफ की देख रेख में जरी का जुलूस सुबह 8:30 बजे इमामा बाड़ा कोठी खासबाग से शुरू होकर फोटो चुंगी होता हुआ सीआरपीएफ गेट नंबर एक से होता हुआ कर्बला पहुंचा। इमामबाड़ा गुलजारे रफत ज्वालानगर से जरी का जुलूस निकला। जिसमे पूर्व सांसद बेगम नूरबानों व अन्य लोग शामिल रहे।

मोहर्रम में अलम मुबारक का जुलूस दोपहर 12:30 बजे इमामबाड़ा अकबर अली गांव सुहावा से शुरु होकर इमामबाड़ा जाकिर हुसैन पहुंचा। इमामबाड़ा खासबाग में अजादारों ने छुरियों से मातम किया। उसके बाद सीना जनी और नौहाखवानी की। जुलूस में भारी पुलिस बल के साथ मजिस्ट्रेट तैनात रहे। मोहर्रम के मौके पर पूरे शहर के चौराहों और गलियों में छबीले लगाकर शबरत बांटा गया। यह सिलसिला सुबह से देर शाम तक चलता रहा। उधर हर साल की तरह इस साल भी 10 मोहर्रम के मौके पर अंगुरी बाग खतीब-ए- आजम और मजार हाफिज शाह में जलसा जिक्र-ए शहादत का आयोजन किया गया। हाफिज साहब की मजार कार्यवाहक काजी शहर सैयद अनस मियां ने हजरत इमाम हुसैन और उनके खानदान के बारे में रौशनी डालते हुए कि उन्होंने जुल्म के आगे सिर नहीं झुकाया।

इस्लाम के परचम को बुलंद किया। आखिर में काजी शहर सैयद खुशनूद मियां ने दुआ कराई। जबकि खखतीब-ए- आजम ने जलसे को संबोधित करते हुए इमाम जामा मस्जिद मौलवी फैजान, मौलवी एहते श्याम उल्ला, नासिर खां, रेहान खां ने हजरत इमाम हुसैन के शहीदे कर्बला का वाक्या बयान किया। हजरत इमाम हुसैन के बारे में बताया। यहां पर डॉक्टर शायर उल्ला खां, फैज शम्सी, मुफ्ती मकसूद, मोहिद्दीन, नवेद खां आदि लोग मौजूद रहे।

हाफिज साहब की मजार पर जलसे को संबोधित करते अनस मियां।

मोहर्रम में अलम का जुलूस ले जाते अजादार। -जागरण मोर्चा

जुलूस में सीनाजनी करते अजादार। -जागरण मोर्चा

टांडा में अधिकारियों ने किया निरीक्षण

रामपुर। डीएम अजय कुमार द्विवेदी और पुलिस अधीक्षक सोमेंद्र मीणा द्वारा थाना टांडा क्षेत्र अंतर्गत दढ़ियाल स्थित जुलूस मार्गों व करबला स्थलों का निरीक्षण कर ड्यूटी एवं व्यवस्थाओं का लिया जायजा। मोहर्रम पर्व के दृष्टिगत जिलाधिकारी, एवं पुलिस अधीक्षक, रामपुर द्वारा थाना टांडा क्षेत्रान्तर्गत दढ़ियाल क्षेत्र के जुलूस मार्गों व करबला स्थलों का निरीक्षण किया।निरीक्षण के दौरान जुलूस में सुरक्षा व्यवस्था, पुलिस ड्यूटी, बैरिकेडिंग, यातायात व्यवस्था, आपातकालीन सेवाओं सहित अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं का गहनता से जायजा लिया।उपस्थित पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि मोहर्रम पर्व के जुलूस एवं अन्य धार्मिक आयोजनों को शांतिपूर्ण, सुरक्षित एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में सम्पन्न कराया जाए। इस अवसर पर क्षेत्राधिकारी टाण्डा तथा अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

टांडा में निरीक्षण करते डीएम और एसपी।

सार संक्षेप

मोहर्रम के जुलूस में शामिल लोग और तैनात पुलिस बल। -जागरण मोर्चा

या हुसैन की सदाओं से गूंज उठीं फिजा

सैदनगर। 10 मोहरम को ताजियों का जुलुस शांतिपूर्वक निकाला गया। ऊंचाई अधिक होने के कारण कुछ ताजियों को पुलिस ने रास्तों में ही रोक दिया था। मानक के अनुसार ऊंचाई रखने के बाद ही ताजिए कर्बला के मैदान पहुंचे। अजीमनगर थाना क्षेत्र में शुक्रवार को ताजियों का जुलूस निकाला गया। 10 मोहरम को हजरत इमाम हुसैन की याद में मोहर्रम मनाए जाते हैं। शुक्रवार को सुबह से ही इमामबाड़ों पर आने-जाने वालों की काफी भीड़ रही। जुम्मे की नमाज के बाद ताजियों का जुलूस निकाला गया। सीगनखेड़ा और बहादुरगंज गांव के ताजियों की ऊंचाई अधिक होने के कारण पुलिस ने ताजियों को रास्ते में ही रुकवा दिया। करीब 2 घंटे तक ताजिए रास्ते में रख रहे। ऊंचाई मानक के मुताबिक होने के बाद ही ताजिए कर्बला के मैदान पहुंचे। ताजियों के जुलूस के दौरान या हुसैन या हुसैन की सदाओ से फिजा गूंज उठी। कर्बला के मैदान में शाम तक ताजिए पहुंचने का सिलसिला जारी रहा। गर्मी अधिक होने के कारण लोगों को काफी परेशानी पड़ी। देर शाम को छोटे ताजिए कर्बला के मैदान में सुपुर्द ए खाक कर दिए गए। जबकि बड़े ताजिए वापस इमामबाड़ों में लाकर रख दिए गए। जुलूस के दौरान लोगों ने जगह-जगह ठंडा पानी पिलाया। शांतिपूर्वक ताजियों का जुलूस निपट जाने के बाद पुलिस ने राहत की सांस ली।

टांडा में मोहर्रम का जुलूस निकालते लोग। -जागरण मोर्चा

मोहर्रम पर निकाला गया ताज़िये का जुलूस

टांडा। शुक्रवार को मोहर्रम के अवसर पर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच ताजियों का जुलूस निकाला गया। जुलूस नगर के मोहल्ला टन्डोला से शुरू होकर मोहल्ला मोती नगर झंडा चोक स्थित कर्बला पर जाकर समाप्त हुआ। जहां इस मौके पर मेले का भी आयोजन किया गया।मोहर्रम के अवसर पर नगर के मोहल्ला टंडोला और ग्राम बादली, सेढ़ू का मंझरा, पीपली नायक सहित कई गांवों के ताजियों के जुलूस सुरक्षा व्यवस्था के बीच नगर के मोहल्ला मोती नगर स्थित कर्बला पहुंचे। जुलूस में लोग या हुसैन या हुसैन के नारे लगा रहे थे।ताजियों के जुलूस में सुरक्षा व्यवस्था के मद्देनजर पुलिस का बंदोबस्त रहा।इस अवसर पर मोहल्ला मोती नगर स्थित कर्बला के मैदान में मेले का आयोजन किया गया। जहां बच्चों ने चाट-पकौड़ी खाने के साथ ही खिलौनों की खरीदारी की।इस अवसर पर ताजिएदार मास्टर मुशर्रफ अली, जफर हुसैन, मोहम्मद रईस आदि मौजूद रहे।

एसपी ने पटवाई थाने को किया चेक

पटवाई। पुलिस अधीक्षक सोमेन्द्र मीना द्वारा थाना पटवाई का निरीक्षण किया।निरीक्षण के दौरान थाना परिसर, कार्यालय अभिलेख, मालखाना, हवालात, मिशन शक्ति केन्द्र की व्यवस्थाओं का अवलोकन किया गया तथा अभिलेखों के समुचित संधारण, अभिलेखों में अंकित की जाने वाली प्रविष्टियों को अद्यतन रखने, साफ-सफाई आदि के संबंध में संबंधित को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।इसके अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक द्वारा पुलिस कर्मियों को सतर्कता एवं अनुशासन के साथ कार्य करने तथा आमजन के साथ विनम्र व्यवहार बनाए रखने के निर्देश भी दिए गए।

या हुसैन की सदाओं से गूंजा उठा शाहबाद, निकाला जुलूस

शाहबाद में निकलता ताज़िए का जुलूस। -जागरण मोर्चा

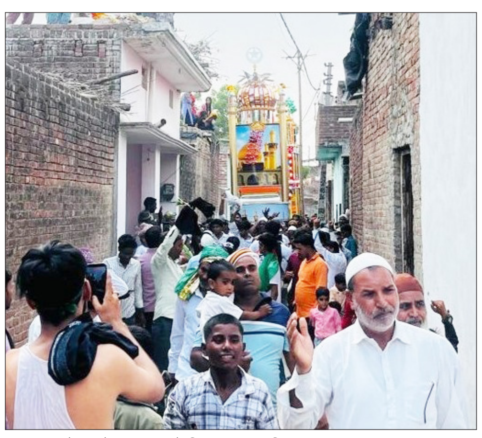

शाहबाद के जगेसर गांव में निकलता ताज़िए का जुलूस।

शाहबाद में ताज़िए का जुलूस में झूमते अकीदतमंद।

जागरण मोर्चा कार्यालय

शाहबाद। इमाम हुसैन और कर्बला के शहीदों की याद में शुक्रवार को शहर में मोहर्रम का जुलूस शांतिपूर्ण माहौल में निकाला गया। अकीदतमंदों ने दस मोहर्रम के दिन गम मनाते हुए हजरत इमाम हुसैन की शहादत को याद किया। ताजियों का जुलूस नगर के विभिन्न मोहल्लों से निकालकर मैन मार्केट में पहुंचा। जहां से सभी ताज़िए बजरंग चौक होते हुए सम्पन्न स्थल तक पहुंचे। पूरे जुलूस के दौरान या हुसैन की सदाएं गूंजती रही। नगर के मोहल्ला फर्राशान, मोहल्ला तकिया समेत कई अन्य मोहल्लों से पारंपरिक रूप से ताज़िए जुलूस की शक्ल में रवाना हुए। प्रशासन की मुस्तैदी के चलते पूरा आयोजन शांति और सौहार्द के साथ संपन्न हुआ। मोहर्रम पर हिम्मतपुर गांव में भी ग्रामीणों ने शरबत का वितरण किया। जुलूस के दौरान सुरक्षा और शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए स्थानीय प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद रहा। एसडीएम आशुतोष कुमार, सीओ देवकीनंदन और कोतवाल प्रदीप कुमार, निरीक्षक जयप्रकाश सिंह, एसएसआई रामचंद्र सिंह, उपनिरीक्षक अतिशय जैन और एसआई रमेश चंद्र मोर्चा संभाले रहे। पुलिस कर्मी तेज धूप में भी ताजियों के जुलूस के गुजरने वाले रास्तों की छतों पर डटे रहे।

एडिशनल एसपी ने जगेसर गांव में लिया जायज़ा

थाना क्षेत्र के जगेसर गांव में समय से पहले ही ताजियों का जुलूस संपन्न स्थल पर पहुंचकर सम्पन्न हुआ। जगेसर गांव में दोनों ताज़िए परंपरागत रास्ते से होकर कर्बला तक पहुंचें। गांव में ताजियों का जुलूस सकुशल संपन्न होने के बाद प्रशासन ने चैन की सांस ली। इस दौरान एएसपी अनुराग सिंह भी मौके पर पहुंचे।

बाजारों में जाकर पढ़ाया कानून का पाठ

रामपुर। मिशन शक्ति फेस - 5 अभियान के द्वितीय चरण अंतर्गत महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं सशक्तिकरण को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए शुक्रवार को जनपद स्तरीय महिला सुरक्षा दल एवं जनपद रामपुर के समस्त थानो से महिला सुरक्षा दल द्वारा व्यापक जागरूकता अभियान चलाया।जिसमें महिला सुरक्षा एवं आत्मरक्षा से जुड़े आवश्यक उपाय, कानूनी अधिकार, नारी सम्मान से संबंधित प्रावधान एवं हेल्पलाइन सेवाओं 1090 महिला शक्ति हेल्पलाइन, 181महिला हेल्पलाइन, 112 आपातकालीन सेवा, 1098 चाइल्ड हेल्पलाइन की कार्यप्रणाली एवं उपयोगिता तथा घरेलू हिंसा, छेड़छाड़, ऑनलाइन उत्पीड़न तथा इनके विरुद्ध त्वरित कार्रवाई की प्रक्रिया आदि के बारें में बताया।मिशन शक्ति टीम द्वारा महिलाओं, बालिकाओ को पंपलेट, कॉमिक्स एवं जागरूकता सामग्री वितरित की।ताकि वे अपने अधिकारों एवं सुरक्षा उपायों को आसानी से समझ सकें और आवश्यकता पड़ने पर उनका प्रभावी उपयोग कर सकें।

या हुसैन या हुसैन की सदाओं को किया बुलंद

जागरण मोर्चा कार्यालय

सैफनी। हजरत इमाम हुसैन और उनके साथियों की शहादत की याद में नगर में मोहर्रम का जुलूस परंपरागत तरीके से शांतिपूर्ण माहौल में निकाला गया। इस दौरान पुलिस प्रशासन तैनात रहा।

नगर में स्थित बड़ी मस्जिद पर नगर के सभी ताजिया एकत्रित हुए जुलूस के रूप में दोपहर दो बजे ताजियों का जुलूस निकाला गया। जुलूस में नगर के छोटे बड़े एक दर्जन से अधिक ताजिये शामिल थे। जुलूस परंपरागत रास्तों से जयप्रदा चौक, डेरा मोहल्ला, खेड़ा मोहल्ला, थाना चौक छितौनी मार्ग से होते हुए अकबरपुर रोड स्थित कर्बला पहुंचकर शांतिपूर्वक संपन्न हुआ। जुलूस के दौरान या अली या हुसैन की सदाएं गूंजती रहीं। जुलूस के रास्तों पर लोगों ने जगह-जगह तबर्रुक, सबील व ठंडा पानी पिलाकर लोगों की प्यास बुझाई।

वहीं बड़ी संख्या में अकीदतमंद कर्बला पहुंचे। यहां माथे से कर्बला का पानी लगाया गया और मेढ़ बांधकर मन्नतें मांगी गई। कर्बला पर मेला भी लगा हुआ था। मेले में महिलाएं और बच्चों ने खरीदारी भी की। हजरत इमाम हुसैन को याद करते हुए कर्बला का पानी अकीदत के साथ चेहरे पर लगाया।

सैफनी में जुलूस निकालते अजादार। -जागरण मोर्चा

अदब और एहतराम के साथ निकाला जुलूस

जागरण मोर्चा कार्यालय

दढ़ियाल। दस मोहर्रम को इमामबाड़े से इमाम हुसैन की याद में ताजिये का जुलूस पूरी अकीदत और एहतराम के साथ निकाला गया। ताजिये के जुलूस में शामिल ताजिये दार नंगे पैर सिर पर हरा रुमाल जुबा पर या हुसैन या हुसैन की सदाएं और नारे तकबीर अल्लाहू अकबर नबी का दामन नहीं छोड़ेंगे आदि इस्लामी नारो से फिजा गूंज उठी। ताजिए के जुलूस पर लंगर और सबील तकसीम किया गया। ताजिये के जुलूस में पुलिस बल साथ चल रहा था।

शुक्रवार को सुबह 11 बजे नगर के इमाम बाडे से ताजिए का जुलूस निकाला गया। जुलूस नगर के मोहल्ला तकिया, बाजार, होली चौक, पुलिस चौकी, ढाई से होते हुए मोहल्ला बाहर वाला में पहुंचा। मोहल्ला बाहर वाला से ताजिये का जुलूस जुम्मे की नमाज के बाद चालू हुआ। ताजिये के जुलूस में कई हजारों अकीदतमंद शामिल हुए।अदब और एहतराम के साथ जुलूस कर्बला की और लेकर रवाना हुए। ताजिये दार नंगे पैर, सिर पर हरा रुमाल, जुबा पर या हुसैन या हुसैन, बच्चा बच्चा है कुर्बान हमारे नबी की शान, नबी का दामन नहीं छोड़ेंगे आदि नारे लगाते हुए चल रहे थे। ताजिये का जुलूस में लंगर और शीरनी तकसीम की गई।

समाचार लिखे जाने तक नगर सहित क्षेत्र के ताजिए कर्बला में नहीं पहुंचे थे। सुरक्षा के लिहाज से चौकी प्रभारी बृजेश कुमार पुलिस फोर्स के साथ मुस्तैद रहे। इस दौरान ताजिये के देखने वालों की भीड़ लगी रही। ताजिये के जुलूस में अध्यक्ष इस्लाम हुसैन, पूर्व अध्यक्ष शमसुद्दीन, हबीब अंसारी, अकबर अली, कबीर अंसारी, विधायक प्रतिनिधि इकराम अंसारी, अब्दुल बारी, जाकिर हुसैन, शाकिर अली, जब्बार अली, अकरम अली, मोहम्मद शकील नूरी, सखाबत अली, नवेद अली, जावेद अली, शामिल रहे।

दढ़ियाल में ताजिये को कर्बला लेकर जाते अकीदतमंद। -जागरण मोर्चा

जुलूस में गूंजी लब्बैक या हुसैन की सदाएं

जागरण मोर्चा कार्यालय

मिलक/रामपुर। इस्लाम के आखिरी पैगंबर हजरत मोहम्मद सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम के नवासे हजरत इमाम हुसैन की शहादत की याद में मोहर्रम की 10 तारीख को यौम-ए-आशूरा पर नगर व ग्रामीण क्षेत्रों से ताजियों के जुलूस निकाले गए।

नगर के नसीराबाद, रौरा खुर्द, रौरा कलां, सराय एवं ग्रामीण क्षेत्र के नया गांब, ज़ालिफ़ नगला, इस्लाम नगर, क्योंरार, धनेली पूर्वी, निस्वी, भैसोडी, बेहटा, सिर्रा, धर्मपुरा, नवदिया, बरा गजेजा आदि से दोपहर दो बजे अलग अलग शुरू हुए ताजियों के जुलूस नगर में मैन रोड पर स्थित दरगाह हजरत नन्हें शाह बाबा पर एकत्र हुए। वहां से जुलूस की शक्ल में आगे बढ़ते हुए नवादिया चौराहे तक जाकर संपन्न हुआ। इस दौरान 'लब्बैक या हुसैन' की सदाओं से पूरा माहौल गूंज उठा। इस दौरान विभिन्न सामाजिक एवं धार्मिक संगठनों में सबीले लगाकर शरबत और लंगर तकसीम किए इसके अलावा क्षेत्र के खाता नगरिया, लोहा, दुगनपुर, मेहंदीपुर, क्रमचा, आदि में भी ताजियों के जुलूस निकाले गए। इस अवसर पर हाजी मुस्तकीम, हाजी सईदुल रहमान, सलीम जावेद, पूर्व सभासद इकरार हुसैन, असगर अली मंसूरी, बहादुर अंसारी, मोहम्मद असलम, शाकिर कुरैशी, जुल्फिकार अल्वी, आरिफ अल्वी, हनीफ पेंटर सुरक्षा की दृष्टि से उप जिलाधिकारी अनुराग सिंह, पुलिस क्षेत्राधिकारी राजवीर सिंह परिहार, कोतवाल मनीराम सिंह सहित भारी पुलिस बल तैनात रहा। पुलिस प्रशासन ने पूरे जुलूस मार्ग पर निगरानी रखी।

मिलक में निकले जुलूस में शामिल लोग। -जागरण मोर्चा

मोहर्रम

नवेद मियां के बुलावे रामपुर आए हैं रोमानिया, चिली, उजबेकिस्तान, एस्टोनिया और आयरलैंड के राजदूत

पांच देशों के राजनयिकों ने इमामबाड़ा खासबाग में देखा छुर्रियों का मातम

जागरण मोर्चा कार्यालय

रामपुर। दशकों से नौ मोहर्रम की रात को इमामबाड़ा खासबाग में मजलिस के बाद छुरियों और जंजीरों के मातम के गवाह इस बार दुनिया के पांच देशों के राजदूत भी बने। राजनयिक मातम के दौरान खून से लहूलुहान शरीर देखकर हैरान रह गए।

पूर्व मंत्री नवाब काजिम अली खां उर्फ नवेद मियां के बुलावे पर रोमानिया, चिली, उजबेकिस्तान, एस्टोनिया और आयरलैंड के राजदूत कल रामपुर आए थे। सभी राजदूत देर रात्रि इमामबाड़ा खासबाग पहुंचकर अजादारी के साक्षी भी बने।नवेद मियां ने रोमानिया की राजदूत सना लतीफ, चिली गणराज्य के राजदूत जुआन रोलैंडो अंगुलो मोंसाल्वे, उज्बेकिस्तान के राजदूत सरदोर रुस्तम्बायेव, एस्टोनिया की राजदूत सुश्री मार्जे लूप, आयरलैंड के राजदूत केविन केली, स्विट्ज़रलैंड में भारत की पूर्व राजदूत मोनिका मोहता और पूर्व राजनयिक मधुप मोहता को मुसलमानों के लिए पवित्र माह मोहर्रम का इतिहास बताया। नवेद मियां ने राजनयिकों को बताया कि इमाम हुसैन (रह.) ने दुनिया को सिखाया कि जुल्म और नाइंसाफी का सामना करते हुए भी न्याय के लिए खड़े रहना चाहिए। वो अत्याचार के खिलाफ आवाज बुलंद करते थे। उनकी जिंदगी मुसलमानों को साहसी, ईमानदार और आस्था में दृढ़ रहने के लिए प्रेरित करती है।पहली बार छुरियों और जंजीरों का मातम देख रहे राजनयिक अपने मोबाइल में इस मंजर का वीडियो बनाते नजर आए। उन्होंने इसे अपने जीवन का महत्वपूर्ण व यादगार घटनाक्रम करार दिया।

इस मौके पर पूर्व मंत्री नवेद मियां, पूर्व सांसद बेगम नूरबानो, मुतवल्ली औकाफ नवाबजादा हैदर अली खां उर्फ हमजा मियां, बेगम यासीन अली खां उर्फ शाहबानो, पूर्व मंत्री के पीआरओ काशिफ खां, सुहेल मियां, शबाब हुसैन भी मौजूद रहे।

इमामबाड़ा खासबाग में छुरियों का मातम देखते रोमानिया, चिली, उजबेकिस्तान, एस्टोनिया और आयरलैंड के राजदूत। साथ में पूर्व मंत्री नवेद मियां और हमजा मियां।

एसपी ने थाना सैफनी का किया निरीक्षण

रामपुर। पुलिस अधीक्षक सोमेन्द्र मीना द्वारा थाना सैफनी का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान थाना परिसर, कार्यालय अभिलेख, मालखाना, हवालात, मिशन शक्ति केन्द्र की व्यवस्थाओं का अवलोकन किया।अभिलेखों के समुचित संधारण, अभिलेखों में अंकित की जाने वाली प्रविष्टियों को अद्यतन रखने, साफ-सफाई आदि के संबंध में संबंधित को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। इसके अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक महोदय द्वारा पुलिस कर्मियों को सतर्कता एवं अनुशासन के साथ कार्य करने तथा आमजन के साथ विनम्र व्यवहार बनाए रखने के निर्देश भी दिए गए।

जागरण मोर्चा
www.jagranmorcha.com

लखनऊ, शनिवार, 27 जून 2026

या हुसैन की सदाओं के बीच निकला मोहर्रम का जुलूस

अकीदतमंदों ने दी शहीद-ए-कर्बला को श्रद्धांजलि, फीता काटकर हुआ जुलूस का शुभारंभ, ताजिए के साथ बड़ी संख्या में शामिल हुए अकीदतमंद

मोहर्रम के जुलूस का फीता काटकर शुभारंभ करते शहर काजी व अन्य।

मोहर्रम के जुलूस में करतब दिखता युवक। -जागरण मोर्चा

मोहर्रम के जुलूस में दुआ करतें मुस्लिम समाज के लोग।

जागरण मोर्चा, कार्यालय

चन्दौसी। कर्बला के मैदान में शहीद हुए हजरत इमाम हुसैन और उनके 72 साथियों की याद में मोहर्रम के अवसर पर नगर में अकीदत और श्रद्धा के साथ जुलूस निकाला गया। जुलूस का शुभारंभ शहर काजी मरगूब नौशाहे बाबा गुलाम साबिर एवं शाह आलम मंसूरी द्वारा फीता काटकर किया गया। इसके बाद या हुसैन की सदाओं और नौहाख्वानी के बीच ताजिए के साथ जुलूस अपने निर्धारित मार्गों संभल गेट चूने वाली गली से होकर घंटाघर, मुरादाबाद गेट, एफआर रोड, पंजाबियान, सीकरी गेट, नख्शा होता हुआ बड़ी मस्जिद चौराहे पर से होकर गुजरा। जुलूस में सैकड़ों की संख्या में अकीदतमंद शामिल हुए। ताजियों के साथ युवाओं ने पारंपरिक करतब भी प्रस्तुत किए, जिन्हें देखने के लिए मार्ग पर लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी। जगह-जगह लोगों ने जुलूस का स्वागत करते हुए शर्बत और पानी की सबीलें लगाईं तथा अकीदतमंदों की सेवा की।मोहर्रम का यह जुलूस कर्बला की उस ऐतिहासिक कुर्बानी की याद दिलाता है, जिसमें हजरत इमाम हुसैन ने इंसानियत, सत्य और न्याय की रक्षा के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया था। वक्ताओं ने कहा कि इमाम हुसैन का संदेश आज भी इंसानियत, भाईचारे और अत्याचार के खिलाफ डटकर खड़े होने की प्रेरणा देता है।

जुलूस शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हुआ। सुरक्षा व्यवस्था के मद्देनजर पुलिस प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद रहा और प्रमुख चौराहों व संवेदनशील स्थानों पर पुलिस बल तैनात रहा। जुलूस के समापन पर अकीदतमंदों ने शहीद-ए-कर्बला को खिराज-ए-अकीदत पेश करते हुए देश में अमन, चैन और खुशहाली की दुआ मांगी। इस मौके पर हाजी कलीम अनवर, शहर काजी मरगूब, शाह आलम मंसूरी, हाफिज फहीम, काजी शाहिद, काजी मुजीब, काजी हबीब, राहिब ,फारूक सैफी, फाजिल, काजी इफ्तिखार आदि मौजूद रहे।

मोहर्रम पर शिया समुदाय ने निकाला ताजियों का जुलूस

जागरण मोर्चा, कार्यालय

संभल। मोहर्रम के अवसर पर शुक्रवार को शहर में शिया समुदाय द्वारा पारंपरिक अकीदत के साथ ताजियों व अलम का जुलूस निकाला गया। हज़रत इमाम हुसैन और उनके साथियों की शहादत की याद में निकले इस जुलूस में बड़ी संख्या में अकीदतमंद शामिल हुए। पूरे मार्ग पर या हुसैन की सदाएं गूंजती रहीं और शोक व्यक्त करते हुए समुदाय के लोगों ने पारंपरिक रूप से छूरी का मातम किया। इस्लामी कैलेंडर के अनुसार मोहर्रम का महीना गम और कुर्बानी की याद का महीना माना जाता है। आशूरा के दिन हज़रत मोहम्मद साहब के नवासे हज़रत इमाम हुसैन की करबला में हुई शहादत को याद करते हुए शिया समुदाय विशेष आयोजन करता है। इमाम हुसैन ने अन्याय और अत्याचार के विरुद्ध ईमान व इंसाफ की रक्षा के लिए अपने परिवार और साथियों के साथ सर्वोच्च बलिदान दिया था। शुक्रवार को शहर के बड़े इमामबाड़े से ताजियों और अलम के साथ जुलूस प्रारंभ हुआ। निर्धारित मार्ग से होते हुए जुलूस कजियारा और मोहल्ला कोट पहुंचा, जहां करबला में धार्मिक परंपराओं के अनुसार ताजियों को सुपुर्द-ए-खाक (दफन) किया गया। इसके साथ ही मोहर्रम का जुलूस शांतिपूर्वक संपन्न हुआ। जुलूस के दौरान पुलिस और प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद रहा। संवेदनशील स्थानों पर सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए थे। पुलिस बल पूरे मार्ग पर तैनात रहा और अधिकारियों ने लगातार निगरानी करते हुए आयोजन को शांतिपूर्ण और सकुशल संपन्न कराया।

ताजियों का जुलूस निकालते मुस्लिम समाज के लोग।

लखनऊ अग्निकांड के बाद गुन्नौर में प्रशासन हुआ सतर्क

जागरण मोर्चा, कार्यालय

संभल। लखनऊ में हुए दर्दनाक लाइब्रेरी अग्निकांड के बाद जनपद सम्भल का प्रशासन भी पूरी तरह सतर्क हो गया है। इसी क्रम में एसडीएम गुन्नौर विकास चन्द्र, क्षेत्राधिकारी गुन्नौर अंकित मिश्रा तथा अग्निशमन विभाग की संयुक्त टीम ने क्षेत्र में संचालित लाइब्रेरी और होटल का औचक निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान अग्नि सुरक्षा मानकों की अनदेखी और भवन संबंधी कई गंभीर अनियमितताएं सामने आने पर प्रशासन ने तत्काल कार्रवाई की।

संयुक्त टीम ने उमेश लाइब्रेरी, केरियर लाइब्रेरी, बृजेश लाइब्रेरी और सिंघल होटल का निरीक्षण किया। इस दौरान सभी प्रतिष्ठानों में अग्निशमन यंत्र, भवन की स्वीकृति, प्रवेश एवं निकास मार्ग सहित सुरक्षा मानकों की बारीकी से जांच की गई। उप जिलाधिकारी ने सभी लाइब्रेरी संचालकों को पर्याप्त संख्या में अग्निशमन यंत्र लगाने और अग्नि सुरक्षा के सभी मानकों का कड़ाई से पालन करने के निर्देश दिए। जांच में पाया गया कि सिंघल होटल को छोड़कर अन्य प्रतिष्ठानों का भवन मानचित्र स्वीकृत नहीं था तथा आवासीय भवनों का व्यावसायिक उपयोग किया जा रहा था। इस पर प्रशासन ने संबंधित संचालकों को उत्तर प्रदेश विनियमन अधिनियम (आरबीओ एक्ट) की धारा-10 के तहत नोटिस जारी करते हुए आवश्यक ले-आउट स्वीकृत कराने और प्रवेश व निकास के लिए अलग-अलग मार्ग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान उमेश लाइब्रेरी में अग्निशमन यंत्र नहीं मिले। साथ ही भवन का मानचित्र स्वीकृत न होने और आवासीय भवन का व्यावसायिक उपयोग किए जाने की पुष्टि होने पर प्रशासन ने तत्काल प्रभाव से लाइब्रेरी को बंद करा दिया। निरीक्षण के दौरान क्षेत्राधिकारी गुन्नौर अंकित मिश्रा, अग्निशमन विभाग के अधिकारी एवं अन्य संबंधित विभागों के कर्मचारी मौजूद रहे।

गुन्नौर में लाइब्रेरी देखते एसडीएम व सीओ।

20 हजार रुपये लेन-देन के आरोप में राजस्व निरीक्षक निलंबित

- लेखपाल की भूमिका भी जांच के दायरे में, बंजर भूमि प्रकरण में बड़ी कार्रवाई

जागरण मोर्चा, कार्यालय

सम्भल। जनपद सम्भल में बंजर भूमि से जुड़े एक मामले में अनियमितता और कथित धन लेन-देन के आरोपों पर जिलाधिकारी अंकित खण्डेलवाल ने सख्त रुख अपनाते हुए राजस्व निरीक्षक अमरनाथ शर्मा को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। साथ ही प्रकरण में विभागीय कार्रवाई शुरू करने के निर्देश दिए गए हैं, जबकि संबंधित लेखपाल की भूमिका की भी जांच कराई जा रही है।

मामला तहसील गुन्नौर के ग्राम सैंडोरा स्थित गाटा संख्या 1016 की बंजर भूमि से जुड़ा है। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया था कि गांव निवासी देवेंद्र सिंह ने बंजर भूमि की मेढ़ काटकर सरकारी भूमि को अपने खेत में मिला लिया है। इस संबंध में 2 फरवरी को शिकायत दर्ज कर भूमि को अवैध कब्जे से मुक्त कराने की मांग की गई थी।

इसके बाद शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि 3 फरवरी 2026 को राजस्व निरीक्षक अमरनाथ शर्मा और लेखपाल अनुज कुमार ने कार्रवाई के नाम पर 20 हजार रुपये लिए, लेकिन भूमि को कब्जामुक्त नहीं कराया। रुपये के लेन-देन से संबंधित एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हुआ, जिसके बाद मामला चर्चा का विषय बन गया।

प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए जिलाधिकारी अंकित खण्डेलवाल ने एसडीएम गुन्नौर को निष्पक्ष एवं विस्तृत जांच के निर्देश दिए। जांच के दौरान रुपये के लेन-देन से जुड़े तथ्यों का उल्लेख पाया गया, जिसे उत्तर प्रदेश सरकारी कर्मचारी आचरण नियमावली, 1956 के प्रावधानों का गंभीर उल्लंघन माना गया।

जांच रिपोर्ट के आधार पर एसडीएम गुन्नौर ने लेखपाल अनुज कुमार से स्पष्टीकरण मांगा, जबकि राजस्व निरीक्षक अमरनाथ शर्मा के निलंबन की संस्तुति की। इस पर जिलाधिकारी ने तत्काल संज्ञान लेते हुए अमरनाथ शर्मा को निलंबित कर विभागीय कार्रवाई प्रारंभ करने के आदेश जारी कर दिए। साथ ही लेखपाल की भूमिका की भी विस्तृत जांच कराने के निर्देश दिए गए हैं। जिलाधिकारी ने स्पष्ट कहा कि सरकारी कार्यों में भ्रष्टाचार, अनियमितता अथवा कर्तव्यों के प्रति लापरवाही किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। दोषी पाए जाने वाले अधिकारियों एवं कर्मचारियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

वैश्य एकता समिति की बैठक मे शामिल -जागरण मोर्चा

मोहित बंसल नगर संयोजक मनोनीत

चन्दौसी। वैश्य एकता समिति प्रांत सम्भल संगठन की बैठक का आयोजन अस्थाई कार्यालय आवास विकास पर हुई। बैठक में संगठन विस्तर को लेकर नए पदाधिकारियों को मनोनीत किया गया। जिसमें सर्वसम्मति से एवं अध्यक्ष लवित वार्ष्णेय की संस्तुति पर संगठन मंत्री पद पर सुमित वार्ष्णेय एवं नगर संयोजक पद पर मोहित बंसल को मनोनीत किया गया मीटिंग में संगठन के आगामी कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार की गई एवं 70 वर्ष से अधिक बुजर्गो के लिए आयुष्मान कार्ड के बनवाने के लिए कैंप लगाए जाने की घोषणा की गई। बैठक का संचालन आकाश कुमार ने किया। इस दौरान दीपेश कुमार, डा. दिशांत गुप्ता वरनवाल, सुमित वार्ष्णेय, प्रखर गर्ग, विकास वार्ष्णेय, मयंक वार्ष्णेय, प्रथम वार्ष्णेय, अनमोल वार्ष्णेय आदि सदस्य मौजूद रहे।

बारिश में ठप हुई टाउन-1 की बिजली, दो घंटे तक उपभोक्ता रहे परेशान

- जेई ने मौके पर पहुंचकर कर्मचारियों संग संभाला मोर्चा, फॉल्ट ठीक कर बहाल कराई आपूर्ति

जागरण मोर्चा, कार्यालय

बहजोई। बारिश के दौरान बहजोई नगर के टाउन-1 क्षेत्र में शुक्रवार दोपहर करीब 1:30 बजे अचानक बिजली आपूर्ति बाधित हो गई। फॉल्ट आने से क्षेत्र के लोगों को लगभग तीन घंटे तक बिजली संकट का सामना करना पड़ा। बिजली गुल होने से घरों और दुकानों में दैनिक कार्य प्रभावित रहे, जिससे उपभोक्ताओं को काफी परेशानी उठानी पड़ी।

सूचना मिलते ही जेई रोहित वरुण तत्काल अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे और स्वयं मौके पर खड़े रहकर कर्मचारियों के साथ फॉल्ट की तलाश एवं मरम्मत कार्य की निगरानी की। लगातार बारिश के बावजूद विद्युत कर्मियों ने कड़ी मेहनत करते हुए तकनीकी खराबी को दूर किया।

काफी प्रयास के बाद फॉल्ट को ठीक कर क्षेत्र की बिजली आपूर्ति पुनः सुचारु कर दी गई। बिजली बहाल होने पर स्थानीय लोगों ने राहत की सांस ली। विभाग के अधिकारियों ने बताया कि बारिश के मौसम में उपभोक्ताओं को बेहतर विद्युत आपूर्ति उपलब्ध कराने के लिए टीमें लगातार सतर्क हैं तथा किसी भी शिकायत पर तत्काल कार्रवाई की जा रही है।

कार्यक्रम — शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद बोले नौ साल बाद भी सड़कों पर भटक रही हैं गायें, चुनाव में गौ रक्षा को बनाएं सबसे बड़ा मुद्दा

‘गौ रक्षा पर वोट मांगने वालों को अब जनता जवाब दे’

जागरण मोर्चा, कार्यालय

सम्भल। ज्योतिषपीठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने गौ रक्षा के मुद्दे को लेकर प्रदेश सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि यदि गौ माता की वास्तविक रक्षा नहीं हो पा रही है, तो जनता को आने वाले चुनाव में इस मुद्दे पर मतदान करना चाहिए। उन्होंने लोगों से अपील की कि वह जाति, धर्म और अन्य राजनीतिक नारों से ऊपर उठकर गौ संरक्षण को चुनाव का सबसे बड़ा मुद्दा बनाएं।

सम्भल में आयोजित कार्यक्रम के दौरान शंकराचार्य ने कहा कि वे प्रदेशभर में भ्रमण कर लोगों को गौ रक्षा के प्रति जागरूक कर रहे हैं। उनका दावा था कि विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों में बड़ी संख्या में लोगों ने संकल्प लिया है कि वे उसी सरकार को वोट देंगे जो गौ माता की सुरक्षा और संरक्षण की ठोस गारंटी दे। आवारा गौवंश के सवाल पर उन्होंने सरकार की कार्यशैली पर भी गंभीर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि सरकार के नौ वर्ष पूरे होने के बावजूद आज भी हजारों गौवंश सड़कों पर बेसहारा घूम रहे हैं। गायें कूड़े के ढेरों में भोजन तलाशने को मजबूर हैं, जिससे गौ संरक्षण के दावों की वास्तविकता सामने आ जाती है।शंकराचार्य ने कहा कि गौ माता भारतीय संस्कृति और आस्था का केंद्र हैं। यदि सरकारें गौ रक्षा का दावा करती हैं तो उसे केवल घोषणाओं तक सीमित नहीं रखना चाहिए, बल्कि धरातल पर प्रभावी और स्थायी व्यवस्था सुनिश्चित करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि गौ संरक्षण केवल धार्मिक नहीं, बल्कि सामाजिक और राष्ट्रीय जिम्मेदारी का विषय है। शंकराचार्य के इस बयान के बाद प्रदेश की राजनीति में गौ रक्षा का मुद्दा एक बार फिर चर्चा का केंद्र बन सकता है। अब इस पर सरकार और विभिन्न राजनीतिक दलों की प्रतिक्रिया पर सभी की निगाहें टिकी हैं।

संभल में लोगों से वार्ता करते शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती। -जागरण मोर्चा

जेबीएफ कराएगी मुस्कान प्रतिभा पुरस्कार परीक्षा

गजरौला। जुबिलेंट भरतिया फाउंडेशन (जेबीएफ) सरकारी स्कूल में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं को प्रोत्साहित और सहयोग करने के उद्देश्य से मुस्कान प्रतिभा पुरस्कार परीक्षा का आयोजन करने जा रही है।शुक्रवार को जेबीएफ में सीएसआर से जुड़े विशाल गौरव ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि ब्लाक में किसी भी मान्यता प्राप्त सरकारी स्कूल में कक्षा छह के छात्र जिनके परिवार की आय तीन लाख रुपये वार्षिक से कम हो इस परीक्षा में शामिल होने के लिए आवेदन कर सकते हैं। मेरिट सूची के आधार पर छात्रवृत्ति के लिए चयन किया जाएगा। इनमें पचास फीसदी छात्राएं रहेंगी। वहीं जुबिलेंट में निदेशक जनसंपर्क सुनील दीक्षित ने बताया कि जुबिलेंट चिकित्सा, पर्यावरण, महिला सशक्तिकरण एवं शिक्षा आदि के क्षेत्र में तमाम कार्य कर रही है।

सार संक्षेप

‘कथा मनुष्य को धर्म, के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देती है’

चन्दौसी। नगर के सीता रोड स्थित गीता सत्संग भवन में आयोजित सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा चल रही थी। जिसका शुक्रवार सातवें दिन श्रद्धा और भक्ति के साथ समापन हुआ। समापन पर हवन-पूजन के बाद भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। समापन अवसर पर कथावाचक शिवशंकर भारद्वाज ने कहा कि श्रीमद्भागवत कथा मनुष्य को धर्म, भक्ति और सदाचार के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देती है। उन्होंने श्रद्धालुओं से भगवान का स्मरण करने, अच्छे संस्कार अपनाने तथा समाज में प्रेम और भाईचारे की भावना बनाए रखने का आह्वान किया। इस दौरान विनय अग्रवाल, लवकुश गोगी, अनिल गोयल, विनोद गोयल, बिंटू शर्मा, रानी, हिमानी, मयंक अग्रवाल, अनीता शर्मा सहित अन्य श्रद्धालु मौजूद रहे।

श्रीमद्भागवत कथा सुनाते कथा व्यास शिवशंकर भारद्वाज।

बाबू राममोहन राष्ट्र एवम समाज को समर्पित रहे

चन्दौसी। श्री राममोहन सेवा आश्रम के तत्वावधान में राम गली सीता रोड स्थित राधाकुंज भवन में नगर के प्रथम स्नातक, स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, इतिहासकार, साहित्यकार, पत्रकार एवं आर्य समाज के अनुयायी सहित्यभूषण बाबू राममोहन बीकाम की 110 वी जयंती पर विचार गोष्ठी आयोजित की गई।कार्यक्रम का शुभारंभ उनके चित्र पर पुष्प अर्पित करके किया गया। सेठ हरिशंकर अग्रवाल ने कहा बाबू राममोहन खादी प्रेमी थे उन्होंने हमेशा खादी कपड़ों के साथ जूते एवं बेल्ट भी कपड़े की ही पहने, उन्होंने स्वतंत्रता आंदोलन 1930 में भाग लिया। डा. टीएस पाल ने कहा बाबू राममोहन विभिन्न उपलब्धियां के साथ राष्ट्र एवम समाज को समर्पित रहे। उनकी शिक्षा एवं सेवा कार्य के लिए हम आज भी उन्हें याद कर रहे हैं। ऐसे महापुरुषों के आदर्शों पर युवाओं को चलने की आवश्यकता है। डा.तुमुल विजय शास्त्री ने अपने पिता बाबू राममोहन बीकाम के विषय मे बताया बाबूजी का जन्म 26 जून 1915 को नगर के महाजन मोहल्ला स्थित नीम के तले लक्ष्मण दास के घर में हुआ ।वह राष्ट्र एवं शिक्षा के प्रति हमेशा जागरूक एवं एवं लगनशील रहे। जब नगर में स्नातक तक पढ़ाई की सुविधा नहीं थी, तब उन्होंने कानपुर विश्वविद्यालय से 1941 में बीकाम की परीक्षा पास की। गोष्ठी की अध्यक्षता साहित्याकार रमेश अधीर ने एवं संचालन डा जयशंकर दुवे ने किया। इस दौरान महेश चंद्र शर्मा,विश्व विजय,अशोक मिश्रा,महेश चंद्र गुप्ता,कृष्णा औतार गुप्ता,वाई के शर्मा, नरेश भारती, सुनील कुमार गुप्ता,केके लुम्बा,राधा अग्रवाल,सत्यभान सिंह,खुशबू अग्रवाल,कृष्ण गोपाल गुप्ता,पवन अरोरा आदि ने अपने विचार रखे।

जयंती पर विचार गोष्ठी में बोलते वक्ता।

सड़क हादसे में तीन घायल, एक रेफर

चन्दौसी। गांव आदमपुर शिव मंदिर के पास बाइक व ई-रिक्शा की टक्कर हो गई। हादसे में बाइक सवार महिला सहित तीन घायल हो गए। जिन्हें उपचार के लिए सीएचसी लाया गया। जहां एक युवक की हालत गंभीर होने पर हायर सेंटर रेफर कर दिया। बहजोई थाना क्षेत्र के गांव मचखेड़ा निवासी यशपाल पुत्र धर्मपाल शुक्रवार को अपने छोटे भाई सुरेंद्र पाल के साथ अपनी पत्नी शारदा को मायके थाना कुढ़फतेहगढ़ क्षेत्र के गांव खुशहालपुर गए थे। कुछ देर रुकने के बाद वह अपनी पत्नी व भाई के साथ बाइक सवार होकर वापस अपने घर लौट रहे थे। जब बाइक सवार आदमपुर शिव मंदिर के पास पहुंचे तो सामने से आ रहे ई-रिक्शा से बाइक की भिड़ंत हो गई। हादसे में बाइक सवार तीनों लोग घायल हो गए। जिन्हें पुलिस ने उपचार के लिए सीएचसी में भर्ती कराया गया। जहां यशपाल की हालत गंभीर होने पर चिकित्सक ने हायर सेंटर रेफर कर दिया। घटना की सूचना पर परिजन भी सीएचसी पहुंच गए।

पुलिस अपने गाड़ी से घायलों को उपचार को सीएचसी लेकर पहुंची।

बहजोई में हुआ शंकराचार्य सरस्वती का भव्य स्वागत

बहजोई। सुमंगलम रिजॉर्ट में ज्योतिषपीठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती महाराज का धर्मप्रेमियों द्वारा भव्य स्वागत किया गया। उनके आगमन पर श्रद्धालुओं ने पुष्पवर्षा, वैदिक मंत्रोच्चार तथा हर-हर शंकर, जय-जय शंकर के जयघोष के साथ उनका अभिनंदन किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं गणमान्य लोग मौजूद रहे ।अपने आशीर्वचन में शंकराचार्य महाराज ने गौ माता की दयनीय स्थिति पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि “गौ माता केवल एक पशु नहीं, बल्कि सनातन संस्कृति की आत्मा है। आज सड़कों पर दुर्घटनाओं का शिकार होती गौ माता और गौशालाओं की बदहाल स्थिति अत्यंत चिंताजनक है। इसके लिए प्रदेश सरकार और केंद्र सरकार दोनों समान रूप से जिम्मेदार हैं। उकार्यक्रम के दौरान श्रद्धालुओं ने गौ संरक्षण और सनातन संस्कृति के संरक्षण का संकल्प लिया। अंत में गौ माता की जय और धर्म की जय हो के उद्घोष के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। कार्यक्रम का संचालन कृष्ण मुरारी शंखधार ने किया। इस अवसर पर असगर अली अंसारी, लाल बहादुर यादव, विमलेश कुमारी, सुनीता यादव, शोभित कुमार काका, संजीव यादव, उमेश दिवाकर, उमेश यादव, लोकेश यादव, सोनू, सुभाष पाल, पप्पू शर्मा, सद्दाम कुरेशी, प्रतीक नानू, शिवम यादव, लव यादव, रवि शंकर, मुकेश यादव, राजवीर यादव, मनोज शर्मा, संजीव, श्रुति, दिनेश शर्मा, सुमन पाठक, कमल शर्मा, चेतन गुप्ता, मनीष यादव, नेत्रपाल यादव, शीतल यादव, धर्मवीर सिंह यादव, अभय प्रताप यादव, सूरज प्रताप यादव, विवेक मिश्रा, मुकेश गौड़, सचिन शर्मा, योगराज यादव, श्याम दीक्षित, राजकुमार शंखधार, जितेंद्र मिश्रा, दीपक मिश्रा, कृपाल सिंह फौजी, दिग्विजय, राजभान यादव, सुरेंद्र सिंह, इंद्रजीत यादव, विद्याराम यादव, राजेंद्र यादव, रवि शर्मा, रजनीश शर्मा, शिवनारायण सहित बड़ी संख्या में धर्मप्रेमी एवं क्षेत्रवासी उपस्थित रहे।

चिलचिलाती धूप से सब बेहाल

चन्दौसी। गर्मी में मौसम एक बार फिर से तल्ख होना शुरू हो गया है। आसमान पूरी तरह साफ होने की वजह से धूप के तेवर तीखे हो गए हैं। ऐसे में तापमान एक बार फिर से 42.2 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया है। दिन भर तेज धूप के कारण दोपहर में सड़कों पर काफी कम भीड़ नजर आई ।शुक्रवार को तेज धूप और गर्म हवाओं ने लोगों की परेशानी और बढ़ा दी। दोपहर के समय स्थिति और भी खराब हो गई, जब तेज धूप के साथ गर्म हवाएं चलने लगीं। लू के कारण लोग राहत पाने के लिए इधर-उधर छांव की तलाश करते नजर आए। कोई पेड़ के नीचे बैठकर धूप से बचता दिखा, तो कोई सिर पर अंगोछा डालकर जाते दिखा। युवती और महिलाओं ने भी उमस और गर्मी से बचने के लिए सिर पर दुपट्टा और कपड़ा ओढ़ रखा था। लेकिन कुछ देर बाद फिर से धूप निकल आई और फिर से तेज धूप के चलते लोगों को गर्मी की मार झेलने पर मजबूर कर दिया। अधिकतम तापमान बढ़कर 42.2 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया, जिससे गर्मी का असर और तीव्र हो गया है। वहीं न्यूनतम तापमान भी 30 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जिससे दिन और रात दोनों समय गर्मी का असर महसूस किया जा रहा है। सुबह आर्द्रता 60 प्रतिशत और शाम को घटकर 44 प्रतिशत पर दर्ज की गई। सुबह और शाम के समय नमी के कारण उमस की स्थिति बनी रही, जबकि दोपहर में तीखी धूप ने लोगों को बेहाल किया।

चिलचिलाती धूप में चुन्नी ओढ़कर निकलतीं छात्राएं।

अकीदत और एहतराम के साथ शांतिपूर्ण संपन्न हुए ताजिया जुलूस, ड्रोन से रही निगरानी

अकीदतमंदों द्वारा मजलिस के इनेकाद के बाद क्षेत्र में रिवायती ताजिया जुलूस पूरी अकीदत के साथ निकाले गए

नगर में निकलते ताजिए। -जागरण मोर्चा

गांव कालाखेड़ा निकले गए ताजिए। -जागरण मोर्चा

जुलूस में हुनर दिखाते युवा। -जागरण मोर्चा

जुलूस की सुरक्षा के मध्य नजर तैनात पुलिसबल। -जागरण मोर्चा

जागरण मोर्चा कार्यालय

हसनपुर। कोतवाली क्षेत्र में मोहर्रम-उल-हरम का पाक महीना अपनी ऐतिहासिक और रिवायती शान-ओ-शौकत के साथ पुरअमन तरीके से संपन्न हुआ। अकीदतमंदों द्वारा मजलिस के इनेकाद के बाद क्षेत्र में रिवायती ताजिया जुलूस पूरी अकीदत के साथ निकाले गए। जुम्मे की सुबह से ही कोतवाली क्षेत्र के काला खेड़ा और पिपलोती खुर्द में ताजिया जुलूस का आगाज हुआ। इसके बाद दोपहर करीब 4 बजे नगर के मोहल्ला काला शहीद से भी बेहद खूबसूरत ताजिए बरामद हुए।जुलूस के दौरान अकीदतमंदों ने पुरसुकून माहौल में मातम और नौहाख्वानी कर शोहदा-ए-कर्बला को खिराज-ए-अकीदत पेश किया। जुलूस की अगुवाई कर रहे सूफी कैसर और हाफिज नूर मोहम्मद ने कहा कि कर्बला का पैगाम इंसानियत और भाईचारे का है, जिसे कायम रखना हम सबकी जिम्मेदारी है।

पिपलोती खुर्द से सत्तार ने बताया कि हर वर्ष की तरह इस बार भी सभी ने मिलकर आपसी सौहार्द के साथ जुलूस निकाला। मुकामी इंतजामिया और पुलिस प्रशासन सुरक्षा को लेकर मुस्तैद रहा।प्रभारी निरीक्षक राजेश कुमार तिवारी भारी पुलिस बल के साथ खुद सरजमीन पर डटे रहे।

उन्होंने बताया कि अमन-ओ-अमान कायम रखने के लिए पूरे जुलूस मार्ग पर ड्रोन कैमरों की मदद से पैनी नजर रखी गई, जिससे त्योहार मुकम्मल भाईचारे के साथ इख्तिताम को पहुँचा।

चौकीदार संभाल रहे कमान! सोशल मीडिया पर फोटो वायरल

हसनपुर। सैद नंगली थाना क्षेत्र की उझारी चौकी इन दिनों अपनी अजीबो-गरीब कार्यप्रणाली को लेकर चर्चाओं में है। सोशल मीडिया पर एक फोटो तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें थाने की कस्बा उझारी चौकी के भीतर पुलिसकर्मी नदारद दिख रहे हैं और उनकी जगह खाकी वर्दी पहने ग्रामीण चौकीदार पुलिस की भूमिका में घूमते नजर आ रहे हैं। इस वायरल तस्वीर ने स्थानीय पुलिस की गंभीरता और सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। क्षेत्र में चर्चा है कि जिन चौकीदारों का काम गांवों की सूचनाएं देना है, उन्हें चौकी की मुख्य कमान सौंप दी गई है। जनता का आरोप है कि पुलिसकर्मी अपनी

चौकीदार पुलिस की वर्दी में।

ड्यूटियों के प्रति लापरवाह बने हुए हैं और फरियादियों को इंसाफ के बजाय चौकी में केवल चौकीदार ही तैनात मिलते हैं। इस मामले में उच्चाधिकारियों से संज्ञान लेने और लापरवाह पुलिसकर्मियों पर सख्त कार्रवाई की मांग उठ रही है।

टीएमयू में गूंजा नशा मुक्त भारत का संदेश

जागरण मोर्चा कार्यालय

मुरादाबाद। तीर्थंकर महावीर यूनिवर्सिटी,मुरादाबाद के सभागार में नशा मुक्त भारत सप्ताह के अंतर्गत मादक द्रव्यों के दुरुपयोग और अवैध तस्करी के खिलाफ अंतर्राष्ट्रीय दिवस के अवसर पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। नशा मुक्त भारत अभियान : विकसित भारत की पहचान थीम पर आयोजित इस कार्यक्रम में समाज कल्याण विभाग, मद्यनिषेध विभाग और तीर्थंकर महावीर यूनिवर्सिटी की संयुक्त भागीदारी रही। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों के स्वागत एवम् दीप प्रज्ज्वलन के संग हुआ। मद्यनिषेध विभाग की ओर से कार्यक्रम समन्वयक श्री मनोज कुमार ने स्टुडेंट्स, शिक्षकों एवम् एनसीसी कैडेट्स को नशे के दुष्परिणामों से अवगत कराते हुए कहा,नशे के खिलाफ लड़ाई केवल सरकारी प्रयासों से नहीं बल्कि समाज की सामूहिक भागीदारी से ही सफल हो सकती है।

कार्यक्रम में जादूगर मिस्टर इंडिया अजय दिवाकर ने अपने प्रेरणादायी और संदेशपरक मैजिक शो के माध्यम से नशे से दूर रहने और स्वस्थ जीवन शैली अपनाने का संदेश दिया। इसके अलावा अपर जिलाधिकारी (नगर) श्री अंकुर श्रीवास्तव ने कहा, नशा केवल व्यक्ति को ही नहीं बल्कि पूरे परिवार और समाज को प्रभावित करता है, इसलिए युवाओं को इसके प्रति जागरूक रहना चाहिए। जिला आबकारी अधिकारी श्री रविन्द्र प्रताप सिंह ने नशा मुक्त भारत अभियान के उद्देश्यों एवम् सरकार की ओर से संचालित विभिन्न जनजागरूकता कार्यक्रमों की विस्तार से जानकारी दी। जिला समाज कल्याण अधिकारी प्रज्ञा बाजपेयी ने समाज में नशा उन्मूलन के लिए विभिन्न विभागों और संस्थाओं के समन्वित प्रयासों की आवश्यकता पर बल दिया। प्रोग्राम में टीएमयू के स्टुडेंट्स वेलफेयर डीन प्रो.एमपी सिंह की भी उल्लेखनीय उपस्थिति रही। नशा मुक्ति अभियान में उल्लेखनीय योगदान देने वाली महिलाओं नीतू सक्सेना, विनीता पांडेय और आयुषी त्यागी को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के समापन पर सभी अतिथियों एवं विशिष्ट प्रतिभागियों को स्मृति चिन्ह के रूप में गीता भेंट की गई। अंत में सभी लोगों ने नशामुक्त समाज और विकसित भारत के निर्माण में अपना सक्रिय योगदान देने का संकल्प लिया।

अकीदत और एहतराम के साथ ताज़ियों के जुलूस निकाले

जागरण मोर्चा, कार्यलय

मुरादाबाद। दस मोहर्रम (यौमे आशूरा) के अवसर पर मुरादाबाद शहर में गम, अकीदत और एहतराम के साथ ताज़ियों के जुलूस निकाले गए। शहर के विभिन्न मोहल्लों में बड़ी संख्या में अज़ादारों ने शहीदाने-कर्बला, हजरत इमाम हुसैन अलैहिस्सलाम और उनके 72 जानिसारों की याद में ताज़ियों की ज़ियारत की और ख़िराज-ए-अकीदत पेश किया। कंबल के ताज़िये पर बड़ी संख्या में अकीदतमंदों की भीड़ उमड़ी। परंपरा के अनुसार लोगों ने ताज़िये को सलाम किया। इस दौरान पूर्व सांसद डॉ. एस.टी. हसन, कुंदरकी के विधायक नासिर कुरैशी, जिलाधिकारी राजेंद्र पैसिया, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सतपाल अंतिल, पुलिस अधीक्षक नगर कुमार रणविजय सिंह तथा ताज़िया कमेटी के पदाधिकारियों ने भी

ताज़िये को हाथ लगाकर अपनी अकीदत का इज़हार किया। इसके बाद मोहर्रम का जुलूस अपने निर्धारित मार्गों से रवाना हुआ। वहीं किसरौल मोहल्ले में स्थापित चांदी के ताज़िये की ज़ियारत के लिए भी बड़ी संख्या में अकीदतमंद पहुंचे। महिलाओं और बच्चों सहित लोगों ने ताज़िये की ज़ियारत कर मुल्क में अमन, चैन और खुशहाली की दुआ की। इसके अलावा झब्बू नाला क्षेत्र में पारंपरिक सरसों के ताज़िये भी तैयार किए गए, जिन्हें देखने और ज़ियारत करने के लिए लोगों की भीड़ उमड़ी। शहर के विभिन्न हिस्सों में ताज़ियों के जुलूस शांतिपूर्ण ढंग से निकाले गए। मोहर्रम के मद्देनज़र पूरे शहर में सुरक्षा के कड़े इंतज़ाम किए गए थे। जिला प्रशासन और पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी लगातार जुलूस मार्गों का निरीक्षण करते रहे।

संवेदनशील स्थानों पर अतिरिक्त पुलिस बल तैनात रहा, जिससे सभी कार्यक्रम शांतिपूर्ण और सकुशल संपन्न हुए। यौमे आशूरा पर अज़ादारों ने नौहाख्वानी, मातम और दुआ के जरिए कर्बला के शहीदों को ख़िराज-ए-अकीदत पेश किया तथा इंसानियत, सब्र, कुर्बानी और भाईचारे के पैगाम को याद किया।

शिव मंदिर में मूर्तियों की प्राण प्रतिष्ठा

हसनपुर। नगर के रहरा रोड स्थित शिव मंदिर में शुक्रवार को विधि-विधान और मंत्रोच्चारण के साथ विभिन्न देवी-देवताओं की मूर्तियों की प्राण प्रतिष्ठा की गई।आचार्य लोकेश भारद्वाज व अन्य आचार्यों ने धार्मिक अनुष्ठान संपन्न कराया। मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा से पूर्व नगर के मुख्य मार्गों पर भव्य शोभा यात्रा निकाली गई, जिसमें खाटू श्याम बाबा, सांवरिया सेठ, मां गंगा, लक्ष्मी नारायण, नवग्रह मंडल और राधा-कृष्ण की प्रतिमाओं को नगर भ्रमण कराया गया। शोभा यात्रा नगर के मुख्य बाजार, इंदिरा चौक, होली चौक और शिवाला मंदिर से होते हुए यात्रा वापिस शिव मंदिर पहुंची। रास्ते में श्रद्धालुओं ने पुष्प वर्षा कर यात्रा का स्वागत किया। इस दौरान भक्त डीजे की धुन पर भजन-कीर्तन करते हुए झूमते नजर आए।दोपहर दो बजे से मंदिर प्रांगण में विशाल भंडारे का आयोजन हुआ, जिसमें सैकड़ों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। इस मौके पर पूर्व पालिका अध्यक्ष हरि सिंह सैनी, मंदिर कमेटी अध्यक्ष जयपाल सिंह, राजेंद्र प्रजापति, अनिल शर्मा, विशाल शर्मा, विपुल अग्रवाल, अश्विनी, मुनीष, अंकित, विनीत, दिनेश वर्मा, रमेश सैनी, कपिल शर्मा, अमित अग्रवाल,वेद प्रकाश अग्रवाल,संजय गर्ग सहित काफी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे।

शोभा यात्रा में सम्मिलित मूर्तियां।

आत्मनिर्भर बन रहा भारत

गजरौला। क्षेत्र के गांव सहसौली निवासी डॉली प्रजापति राधा स्वयं सहायता समूह चलाती हैं। इसके अलावा केनरा बैंक ग्रामीण स्व रोजगार प्रशिक्षण संस्थान अमरोहा से जुड़ी हैं। संस्थान ने उनको यह जिम्मेदारी सौंपी है कि आस पास के गांवों की महिलाओं को स्वरोजगार करने के लिए प्रशिक्षण प्रदान करें। उन्होंने रानी, शशि, संगीता, कविता, शिवानी, बीना, रीता समेत 23 महिलाओं को एकत्र किया। उनको स्वरोजगार के लिए सबसे पहले अगरबत्ती और धूपबत्ती बनाने का प्रशिक्षण दे रही हैं। वह सिखाती हैं कि लकड़ी का बुरादा, जिगट पाउडर (प्राकृतिक गोंद), तारकोल का इस्तेमाल कर अगरबत्ती कैसे बनती है। इसी तरह चंदन पाउडर, गूगल पाउडर, कपूर पाउडर और लोबान के इस्तेमाल से धूपबत्ती बनाने का प्रशिक्षण दे रही हैं। उनका सबसे आकर्षक कार्य हल्दी की रस्म में पहने जाने वाले आर्टीफिशियल आभूषण बनाने का प्रशिक्षण देना है।

परेशानी चंदौसी के संभल गेट पर नो एंट्री में गुजरता ट्रक।

नो एंट्री में भारी वाहनों के प्रवेश से लग रहा जाम

जागरण मोर्चा, कार्यलय

चन्दौसी। नो एंट्री में भारी वाहनों और चार पहिया वाहन बिना रोक टोक आने-जाने से बाजारों में हर दिन जाम लग रहा है। बेतरतीब तरीके से ई-रिक्शा का संचालन भी जाम की समस्या का मुख्य कारण बने हुए हैं। प्रमुख बाजारों में होमगार्ड और यातायात पुलिस नजर तक नहीं आती है। इससे दुकानदारों के साथ ही राहगीरों को समस्या का सामना करना पड़ रहा है।शहर में सुबह आठ बजे से रात आठ बजे तक नोएंट्री लागू है। लेकिन इसका पूरी तरह से पालन नहीं हो पा रहा है। जाम को रोकने में लगे यातायात व होमगार्ड की लापरवाही के कारण नो एंट्री में भी बड़े वाहनों का बाजारों में आवागम बना रहता है।इसी कारण बाजार में जाम की

जाम में फंसे लोग। -जागरण मोर्चा

स्थिति बनी रहती है और लोगों को काफी- काफी देर तक जाम में फंसा रहना पड़ता है। शुक्रवार की दोपहर करीब एक बजे संभल गेट में नो एंट्री में एक ट्रक के आने से जाम लग गया।

वहीं बिसौली गेट, घास मंडी तिराहा, बड़ा बाजार, घंटाघर, मुरादाबाद गेट समेत सीता रोड मनिहार चौक शहर के प्रमुख बाजारों में लोग खरीदारी करने के लिए कारों से पहुंच रहे हैं। साथ ही शहर में ई-रिक्शों की भी भरमार है। चार पहिया वाहनों और ई-रिक्शों के अधिक संख्या में आने से इन बाजारों में दिन भर जाम की स्थिति बनी रही। खास बात ये घास मंडी तिराहा पर होमगार्ड व पुलिस की तैनाती है। परंतु शुक्रवार को होमगार्ड भी नजर नहीं आए। जिससे यहां बड़े वाहन और ई-रिक्शों के बेतरतीब चलने से दिन भर जाम की स्थिति बनी रही।

नाबालिगों के हाथों में ई-रिक्शा का स्टेयरिंग

शहर में ई-रिक्शों की संख्या तीन हजार से अधिक है। नाबालिग भी ई-रिक्शा दौड़ रहे हैं। इन्हें कोई टोकने वाला नहीं है। कई बार तो चालक के अचानक से ई-रिक्शा टर्न होने पर हादसे हो जाते हैं। बाजारों में भी ई-रिक्शा भारी संख्या में नजर आते हैं और चालक जहां तहां रिक्शा रोक देते हैं। इससे ई-रिक्शा भी जाम की वजह बने हैं।

सार संक्षेप

संजीवनी हॉस्पिटल पर लापरवाही का आरोप, ऑपरेशन बिगड़ने पर युवती की हालत गंभीर

हसनपुर। नगर स्थित संजीवनी हॉस्पिटल में चिकित्सकों की बड़ी लापरवाही का मामला सामने आया है।कोतवाली क्षेत्र के गांव लुहारी खादर निवासी बबीता ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उन्होंने अपनी पुत्री जानकी को गर्भाशय में दर्द के कारण 12 जून को नगर में स्थित एक अस्पताल में भर्ती कराया था। आरोप है कि यहां मौजूद चिकित्सकों और स्टाफ ने गलत तरीके से ऑपरेशन कर दिया, जिससे जानकी की हालत बिगड़ गई। गंभीर स्थिति में उसे मेरठ के एक हॉस्पिटल रेफर किया गया, जहां वह जिंदगी और मौत से जूझ रही है।पीड़ित परिवार का आरोप है कि जब वे 25 जून को शिकायत लेकर संजीवनी हॉस्पिटल पहुंचे, तो चिकित्सको और स्टाफ ने उनके साथ अभद्र व्यवहार किया। आरोपियों ने पीड़िता की मां को जान से मारने की धमकी देते हुए धक्का देकर बाहर निकाल दिया। पीड़िता की मां ने पुलिस से आरोपियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

गुंडा एक्ट के तहत भाकियू बीआर अम्बेडकर के राष्ट्रीय अध्यक्ष पर जिला बदर की कार्रवाई

हसनपुर। जिला मजिस्ट्रेट डॉ. नितिन गौड़ ने बड़ी कार्रवाई करते हुए भारतीय किसान यूनियन बी.आर. अम्बेडकर के राष्ट्रीय अध्यक्ष दिग्विजय भाटी को 6 महीने के लिए जिला बदर करने का आदेश जारी किया है। नगर के मोहल्ला होलीवाला निवासी दिग्विजय भाटी के खिलाफ पुलिस अधीक्षक की रिपोर्ट के आधार पर उप्र गुंडा नियंत्रण अधिनियम के तहत यह कार्रवाई की गई है।पुलिस रिपोर्ट के मुताबिक, दिग्विजय भाटी पर अमरोहा, मेरठ और सम्भल के विभिन्न थानों में रंगदारी, मारपीट और जानलेवा हमले सहित कई गंभीर आपराधिक मामले दर्ज हैं।प्रशासन का कहना है कि आरोपी के भय के कारण आम जनता उसके खिलाफ गवाही देने का साहस नहीं जुटा पाती है। वहीं, दिग्विजय भाटी ने खुद को निर्दोष बताते हुए इन मुकदमों को राजनीतिक द्वेष भावना से प्रेरित और फर्जी बताया था, जिसे कोर्ट ने खारिज कर दिया। आदेश के तहत उन्हें दो माह तक अमरोहा की सीमा से बाहर रहना होगा।

गंगा एक्सप्रेस-वे पर डिवाइडर से टकराई तेज रफ्तार कार, चालक गंभीर रूप से घायल

हसनपुर। कोतवाली क्षेत्र के गंगा एक्सप्रेस-वे पर शुक्रवार दोपहर एक भीषण सड़क हादसा हो गया। एक अनियंत्रित कार डिवाइडर से टकरा गई, जिससे कार चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। जानकारी के अनुसार बिहार के मुजफ्फरपुर निवासी कुणाल पुत्र रंजय शुक्रवार दोपहर करीब 11:00 बजे अपनी कार से मेरठ से वापिस अपने घर बिहार के मुजफ्फरपुर लौट रहा था। जैसे ही उसकी कार गंगा एक्सप्रेस-वे पर गंगा तटबंध के अंडरपास के पिपलोती खुर्द गांव पास पहुंची, तो अचानक संतुलन बिगड़ने से वह तेज रफ्तार में डिवाइडर से जा टकराई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार के परखच्चे उड़ गए। हादसे के बाद मौके पर पहुंची गंगा एक्सप्रेस-वे की रेस्क्यू टीम ने तुरंत घायल कुणाल को कार से बाहर निकाला और उपचार के लिए स्याना के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया, जहां उसकी हालत गंभीर बनी हुई है।

भक्तों के भेंट कर जगद्गुरु शंकराचार्य की यात्रा निकली अगले पड़ाव की ओर

मुरादाबाद। 26 जून को परम पूज्य जगद्गुरु शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती महाराज जी ने रात्रि विश्राम के बाद प्रात: कालीन पूजा-पाठ, ध्यान के उपरांत इच्छुक भक्तों को गुरु दीक्षा दी। इसके बाद सभी भक्तों से बारी बारी भेंट कर उन्हें अपना आशीर्वचन दिया। सभी भक्तों और धर्मप्रेमियों से इस 81 दिवसीय गविष्टि यात्रा के महाअभियान के उपरांत 24 जुलाई को लखनऊ में होने वाले प्रदर्शन में बढ़ चढ़कर अपनी भागीदारी सुनिश्चित करने की अपील की। लखनऊ में होने वाले प्रदर्शन में आपकी बड़ी भागीदारी इस यात्रा को एक जन आंदोलन में बदल देगी जो गौमाता को राष्ट्रमाता का दर्जा दिलाये जाने वाले हमारे आपके इस संकल्प को साकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। अंत में राजेश यादव ने शंकराचार्य जी को बिलारी विधानसभा में पधारकर अपना कीमती समय प्रदान करने हेतु उनका धन्यवाद और आभार प्रकट किया। आगे भी गौमाता को राष्ट्रमाता का दर्जा दिलाने हेतु इस महाअभियान में अपनी ओर से हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया। इस दौरान प्रमुख रूप से फतेह सिंह जाटव, नितिन जाटव, राधिका यादव, तुंगीश यादव, चंद्रपाल सिंह दिवाकर, सोनू यादव, अंजलि, नेहा, साहू संजीव सहाय, मुकुट सिंह यादव, डॉ. प्रशान्त भारद्वाज, सोनू चौधरी, वीर सिंह, अतर सिंह यादव, शिव प्रजापति, विजयपाल, अमरपाल, विक्की, अभिषेक जैन, आशु, जे पी यादव, अविनाश यादव, अभय सिंह, बाला देवी, नीरू बाला, कमलेश, सुरभि, अमित शर्मा आदि मौजूद रहे।

सड़क हादसे में घायल युवक को मेरठ ले जाते समय मौत, परिजनों में मचा कोहराम

हसनपुर। आदमपुर थाना क्षेत्र के गांव निवासी एक युवक सड़क हादसे में घायल हो गया।गंभीर हालत में मुरादाबाद से मेरठ ले जाते समय रास्ते में मौत हो गई।जानकारी के अनुसार, मुबारिजपुर निवासी लीलाधर का 23 वर्षीय पुत्र निरंजन बुधवार की शाम करीब 7:30 बजे आदमपुर के गांव मासकपुर से अपने निजी कार्य से बहजोई जा रहा था। जैसे ही वह कैलादेवी थाना क्षेत्र के गांव शकरपुर के पास पहुंचा, तभी सामने से आ रही एक तेज रफ्तार बिना नंबर की टीवीएस राइडर मोटरसाइकिल ने उसकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में निरंजन गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल को उपचार के लिए तुरंत मुरादाबाद ले गए।लेकिन हालत में सुधार न होने पर चिकित्सकों ने घायल को मेरठ रेफर कर दिया, लेकिन मेरठ पहुंचने से पूर्वी घायल ने रास्ते में ही उसने दम तोड़ दिया।शुक्रवार को पीड़ित पिता की तहरीर पर कैलादेवी पुलिस ने आरोपी चालक पुष्पेंद्र व उसके साथियों के खिलाफ मामला दर्ज कर कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। मृतक युवक निरंजन अपनी मां मुनेश के साथ अपनी ननिहाल मासकपुर में लगभग 20 वर्षों से रहता था।जबकि पिता लीलाधर गांव मुबारकपुर में ही अपनी खेती किसानी कर अपनी गुजर बसर करता था मृतक मां-बाप का इकलौता था। पोस्टमार्टम के बाद जैसे ही शव घर पहुंचा तो कोहराम मच गया।

घटिया सामग्री से बन रहा आरसीसी नाला, मानकों की अनदेखी पर उठे सवाल

जागरण मोर्चा कार्यालय

वजीरगंज (बदायूं)। नगर पंचायत क्षेत्र में सीवरेज एवं जल निकासी योजना के तहत हाईवे पर कराए जा रहे आरसीसी नाला निर्माण में भारी अनियमितताओं का मामला सामने आया है। ठेकेदार पर निर्माण कार्य में मानकों की खुलेआम अनदेखी और घटिया सामग्री के इस्तेमाल का आरोप दुकानदारों ने लगाया है। जिससे निर्माण की गुणवत्ता पर सवाल खड़े हो गए हैं। दुकानदारों ने डीएम से मामले की जांच करा के कार्रवाई की मांग की है

जानकारी के अनुसार, मुरादाबाद-फर्रुखाबाद हाईवे पर लगभग 25 लाख रुपये की लागत से हतरा रोड से रामऔतार वार्ष्णेय की दुकान तक नाला निर्माण कार्य कराया जा रहा है। आरोप है कि आरसीसी नाले की दीवारों में चार व पांच सूत की सरिया के बजाय दो सूत की पतली सरिया का प्रयोग किया जा रहा है, जबकि नाले के फर्श में सरिया डाली ही नहीं जा रही। इसके अलावा निर्माण में घटिया स्तर की सामग्री का उपयोग और सीमेंट की मात्रा में भी कमी की शिकायतें सामने आई हैं। नाले की ऊंचाई बढ़ाने के लिए पुरानी ईंटों को लगाया जा रहा है जो मनकों की पोल खोल रही है।

प्रत्यक्षदर्शियों ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि निर्माण में सीमेंट की मात्रा बेहद कम रखी जा रही है, जिससे नाले की मजबूती पर सवाल उठ रहे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि यही स्थिति रही तो यह निर्माण भी जल्द ही खराब हो सकता है। गौरतलब है कि इससे

• शिकायतों के बाद भी ठेकेदार कर रहा मनमानी, दुकानदारों ने डीएम से लगाई गुहार

पहले भी नगर पंचायत द्वारा कराए गए कई निर्माण कार्य घटिया गुणवत्ता के चलते कुछ ही महीनों में क्षतिग्रस्त हो चुके हैं। देवी मंदिर क्षेत्र की सीसी रोड, आंवला मार्ग, बनिया मोहल्ला और कादरचौक मार्ग के नाले समय से पहले ही टूटकर बेकार हो गए थे, जिनकी शिकायतों के बावजूद कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई।

इस संबंध में अधिशासी अधिकारी का कार्य देख रहे वरिष्ठ लिपिक शोएब अहमद ने बताया कि मामले की जांच कराई जाएगी। यदि निर्माण में मानकों की अनदेखी पाई जाती है तो संबंधित ठेकेदार के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

हाइवे किनारे नाला खोदाई में निकली मिट्टी बेचने का आरोप

स्थानीय लोगों का आरोप है कि नाला खुदाई के समय निकली हजारों ट्राली मिट्टी को भी ठेकेदार ने बेच दिया जबकि नाला निर्माण होने के बाद नाले में मिट्टी भरना अति आवश्यक है। अगर मिट्टी नहीं भरी जाती है तो यह नाला जल्द ही पहली बरसात में ही धराशाई हो सकता है लोगों ने इस नाले के निर्माण में हो रही अनदेखी की जांच उच्च स्तरीय टीम बनाकर कराए जाने की मांग की है।

सार संक्षेप

शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद आज पहुंचेंगे बदायूं, प्रेसवार्ता में करेंगे बड़ा ऐलान

बदायूं। मिशन 2027 से पहले यूपी की राजनीति में तमाम तरह की हलचल तेज हो चुकी है। धार्मिक और राजनीतिक हलचल का निशाना मिशन 2027 का चुनाव है। बदायूं की राजनीति में धार्मिक और राजनीतिक हलचल कल होने वाली है। ज्योतिर्मठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती महाराज शनिवार, 27 जून को बदायूं पहुंचेंगे। उनके आगमन को लेकर जिले में धार्मिक और राजनीतिक हलचल तेज हो गई है। सूत्रों के मुताबिक कल प्रेस वार्ता में शंकराचार्य कोई बड़ा ऐलान और घोषणा करने वाले हैं। बदायूं जनपद के लिए निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती महाराज सुबह 10 :00 बजे बदायूं शहर स्थित क्लब रीवेरा होटल, नौशेरा में पत्रकारों से प्रेस वार्ता करेंगे। उनके दौरे और प्रेस वार्ता को लेकर विभिन्न धार्मिक संगठनों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और राजनीतिक हलकों में खासा उत्साह देखा जा रहा है। शंकराचार्य के आगमन की सूचना के बाद जिले के राजनीतिक गलियारों में भी तरह-तरह की चर्चाओं का दौर शुरू हो गया है। माना जा रहा है कि उनकी प्रेस वार्ता में धर्म, समाज और समसामयिक राष्ट्रीय मुद्दों पर महत्वपूर्ण विचार सामने आ सकते हैं। हालांकि, प्रेस वार्ता में किन विषयों पर चर्चा होगी, इसकी आधिकारिक जानकारी अभी सामने नहीं आई है। प्रशासन भी कार्यक्रम को लेकर सतर्क है और सुरक्षा सहित अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जा रही हैं। शंकराचार्य के आगमन को लेकर उनके अनुयायियों और श्रद्धालुओं में भी उत्साह का माहौल है। सूचना के मुताबिक वह गौ रक्षार्थ धर्म युद्ध यात्रा लेकर आ रहे हैं। 81 दिवसीय यात्रा के साथ बदायूं पहुंचेंगे और उनका जोरदार स्वागत होगा। इस यात्रा में गांव गंगा कृपाकांक्षी पूज्य महाराज गोपाल मणि भी शामिल रहेंगे। इस कार्यक्रम का नेतृत्व और मार्गदर्शन एवं स्वागत में बदायूं के सपा सांसद आदित्य यादव और सपा नेता फकरे अहमद शोबी रहेंगे। समाजवादी के नेता कार्यक्रम का नेतृत्व कर रहे हैं इसलिए राजनीतिक हलचल और ज्यादा है वहीं लोगों के बीच चर्चाएं हैं कि शंकराचार्य अविमुक्तेश्वर आनंद महाराज बदायूं में पहुंचकर क्या राजनीतिक और धार्मिक विचार रखेंगे जो समाज के लिए लाभकारी होगा या फिर राजनीतिक पर पारा हाई करेंगे।

महाबोधि महाविहार को बौद्धों को सौंपने की मांग को लेकर बदायूं में धरना प्रदर्शन

बदायूं। दि बुद्धिस्ट सोसाइटी ऑफ इंडिया, शाखा बदायूं के तत्वावधान में शुक्रवार को एक दिवसीय धरना-प्रदर्शन का आयोजन किया गया। यह धरना डॉ. भीमराव अंबेडकर पार्क, जिला अस्पताल के निकट सुबह 10 बजे से सायं 4 बजे तक चला। प्रदर्शनकारियों ने महाबोधि महाविहार, बोधगया मंदिर को गैर-बौद्धों के नियंत्रण से मुक्त कर बौद्ध समाज को सौंपने की मांग उठाई। इस दौरान महामहिम राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं बिहार सरकार को संबोधित ज्ञापन जिलाधिकारी बदायूं के माध्यम से भेजा गया। वक्ताओं ने कहा कि बोधगया का महाबोधि महाविहार बौद्ध धर्म का प्रमुख तीर्थ स्थल है, इसलिए इसका प्रबंधन बौद्ध समाज के हाथों में होना चाहिए। धरने में ब्रह्मानंद बौद्ध (जिला अध्यक्ष), चिरंजी लाल (महामंत्री), राजीव कुमार (कोषाध्यक्ष), रामसरन लाल, इंजीनियर राधेश्याम (मंडल अध्यक्ष), राधेलाल बौद्ध, सविता अंबेडकर (राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य), प्रीति सिंह (महिला इकाई जिला अध्यक्ष), पुष्पा गौतम (उपाध्यक्ष), अरविंद कुमार, दिग्विजय सिंह, रामचंद्र सिंह, ओमकार सिंह, ओमप्रकाश सिंह बौद्ध, लोकमन सिंह, रामदास सिंह, मानसिंह गौतम, लाला राम गौतम, आरपी त्यागी एडवोकेट, रक्षपाल सिंह निमेष (जिला अध्यक्ष, बसपा) सहित बड़ी संख्या में धम्म बंधु-भगिनियों ने भाग लिया।

अकीदत और गमगीन माहौल में संपन्न हुआ यौमे आशूरा का ऐतिहासिक जुलूस

जागरण मोर्चा कार्यालय

बदायूं। 10 मुहर्रम, यौमे आशूरा के मुकद्दस मौके पर जनपद में मुहर्रम का ऐतिहासिक जुलूस पूरी अकीदत, एहतराम और गमगीन माहौल के बीच निकाला गया। हज़रत इमाम हुसैन और कर्बला के 72 शहीदों की याद में निकला यह पारंपरिक जुलूस अपने तयशुदा रिवायती मार्गों से होता हुआ शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ।

जुलूस का आगाज़ शहर के कादरी गेट से हुआ। इसके बाद यह जामा मस्जिद, चौधरी सराय और फरशोरी टोला सहित विभिन्न पारंपरिक मार्गों से गुजरते हुए कर्बला (काज़ी हौज़) पहुंचा। रास्ते भर अकीदतमंदों का हुजूम "या हुसैन" की सदाओं और मातम के साथ आगे बढ़ता रहा। कर्बला पहुंचने पर ताज़ियों को सुपुर्द-ए-खाक किया गया, जिसके साथ जुलूस का समापन हुआ। जुलूस के दौरान आयोजित मजलिसों को संबोधित करते हुए प्रख्यात उलेमा मौलाना सैफ अली ज़ैदी, अनवर आलम और गुलाम अब्बास ने मकसद-ए-कर्बला पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि कर्बला की जंग ज़ुल्म के खिलाफ हक और इंसाफ की लड़ाई थी। हज़रत इमाम हुसैन (अ.स.) ने इंसानियत और न्याय की रक्षा के लिए अपनी और अपने साथियों की कुर्बानी देकर पूरी दुनिया को सत्य और बलिदान का संदेश दिया। शिया तंजीमुल मोमिनीन कमेटी के जनरल सेक्रेटरी जाबिर ज़ैदी ने जुलूस को शांतिपूर्ण और सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए जिला पुलिस प्रशासन और नगर पालिका का आभार व्यक्त किया। उन्होंने सुरक्षा व्यवस्था, यातायात प्रबंधन और सफाई व्यवस्था की सराहना करते हुए प्रशासन को बधाई दी। इस अवसर पर अनवर आलम, जावेद अब्बास, जरार हैदर, अमीर हसन, मोहसिन अब्बास, हसन आरजू, कैफ़ी ज़ैदी, शम्मू, मून, इकराए हैदर ज़ैदी, अनफ सहित बड़ी संख्या में शिया समुदाय के लोगों और मातमदारों ने शिरकत की। सभी ने गम और अकीदत के साथ मातम कर इमाम-ए-ज़माना (अ.स.) की बारगाह में पुरसा पेश किया।

मुहर्रम की दस तारीख का इतिहास

वजीरगंज। मोहर्रम हिजरी कैलेंडर का पहला महीना है और इसी महीने से नया हिजरी साल शुरू होता है। मोहर्रम की दस तारीख को यौमे आशूरा कहा जाता है और मोहर्रम की दस तारीख से इस्लामी इतिहास की बहुत सी महत्वपूर्ण घटनाएं जुड़ी हैं। इसीलिए इस महीने का मुसलमान बहुत आदर करते हैं। इस महीने की दस तारीख अर्थात यौमे आशूरा को हज़रत आदम अलैहिस्सलाम की तौबा कुबूल हुई इसी दिन नूह अलैहिस्सलाम की कश्ती तूफ़ान से निकली थी इसी दिन हज़रत मूसा अलैहिस्सलाम को फिरऔन के जुल्म से निजात मिली थी। मुहर्रम की दस तारीख को ही हज़रत अय्यूब अलैहिस्सलाम को लंबी बीमारी से निजात मिली थी। दस मोहर्रम को ही हज़रत यूनुस अलैहिस्सलाम मछली के पेट से बाहर निकले थे और दस मुहर्रम को ही हज़रत इमाम हुसैन ने सच्चाई कि विजय के लिए अपनी शहादत दी थी। मोहर्रमकी दस तारीख को अधिकतर मुसलमान रोजा भी रखते हैं।

हज़रत इमाम हुसैन की याद में घर-घर में लंगर फातिहा ख्वानी कुरान ख्वानी

जागरण मोर्चा कार्यालय

वजीरगंज (बदायूँ)। माहे मुहर्रम के मुबारक मौके पर हज़रत इमाम हुसैन की याद में घर घर में लंगर फातिहा ख्वानी कुरान ख्वानी हुई। सुबह से ही मुस्लिम समुदाय के लोगों ने अपने अपने घरों पर कुरान की तिलावत और नात्ख्वानी की।

मस्जिदों में नमाज़ के बाद हज़रत इमाम हुसैन कि शान में तकरीरे हुई और नगर के प्रमुख प्रमुख मुहल्लों में दस दिन लगातार जलसे का आयोजन किया गया। हज़रत इमाम हुसैन की याद में लोगों ने एफएम हाईवे पर राहगीरों के लिए हलवा फल चाय शरबत समोसा आइसक्रीम लंगर के स्टाल लगा कर अपनी अकीदत का इज़हार किया। इधर क़स्बा सैदपुर में भी मुहर्रम के मौके पर लोगों ने अपने अपने घरों के सामने उनकी याद में सबीलें लगवाईं व ताजिये बनाये।

देर शाम तक लोग इस पाक माह की निस्बत से इबादत में मसरूफ़ रहे। कसबे में थरमाकॉल से इंग्लैण्ड की शाहजहां मस्जिद इग्लैण्ड, इस्लामिक सेंन्टर अमेरिका, मस्जिद अफगनिस्तान, रोजा इमाम हुसैन, रोज़ा गौसे पाक आदि का नक्शा तय्यार किया गया।

किसानों की जमीन पर भूमाफियाओं का कब्जा, सरकारी पेड़ काटे, बिजली का खंभा भी प्लॉट में शामिल

जागरण मोर्चा कार्यालय

बदायूं। तहसील सहसवान के मोहल्ला मुहीउद्दीनपुर में भूमाफियाओं के हौसले बुलंद नजर आ रहे हैं। ग्रामीणों ने कोतवाली में सामूहिक प्रार्थना पत्र देकर आरोप लगाया है कि उनकी पुश्तैनी जमीन पर दबंगों द्वारा अवैध कब्जा किया जा रहा है। शिकायत के अनुसार गाटा संख्या 239 स्थित खेत पर गांव के ही अकील, अजहद, असद और खुद को 'शकील डॉन' बताने वाले व्यक्ति ने कब्जा कर लिया है।

ग्रामीणों का आरोप है कि आरोपियों ने बाहरी लोगों को बुलाकर अवैध असलहों के दम पर खेत में जबरन नींव भराई शुरू कर दी। विरोध करने पर पीड़ितों को लाठी-डंडों से मारने और जान से मारने की धमकी दी गई। इससे पूरे इलाके में दहशत का माहौल बना हुआ है।

सबसे गंभीर आरोप यह है कि कब्जे के दौरान खेत की मेड़ पर लगे सरकारी पेड़ों को काट दिया गया और बिजली विभाग का लाइट का खंभा भी कथित प्लॉट के अंदर शामिल कर लिया गया। ग्रामीणों का कहना है कि जब सरकारी संपत्ति ही सुरक्षित नहीं है, तो आम नागरिक की जमीन की सुरक्षा पर सवाल खड़े होना स्वाभाविक है।

डरे-सहमे ग्रामीण सामूहिक रूप से थाने पहुंचे और प्रभारी निरीक्षक से मौके पर पहुंचकर अवैध निर्माण रुकवाने तथा आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। शिकायत के साथ खेत की खतौनी भी सौंपी गई है।

पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है। अब देखना होगा कि प्रशासन इस मामले में कितनी तेजी से कार्रवाई कर पीड़ितों को न्याय दिलाता है।

घर से नाराज होकर गया युवक गांव के बाहर पेड़ से लटका मिला शव

जागरण मोर्चा कार्यालय

बदायूं। जिले के थाना हजरतपुर क्षेत्र के गांव आजमपुर बिसौरिया के निवासी युवक का परिवार में विवाद हो गया था। इसके बाद युवक शव का गांव के बाहर बाग में पेड़ से लटकता मिला। युवक की मौत से परिजनों में कोहराम मचा है। गांव में गम का माहौल है।

थाना क्षेत्र के गांव आजमपुर बिसौरिया निवासी अवधेश सिंह का 26 वर्षीय पुत्र अभय प्रताप का घर में गुरुवार को किसी बात को लेकर विवाद हो गया था। इसके बाद अभय प्रताप घर से नाराज होकर चला गया था। इसके बाद देर शाम तक अभय के घर नहीं आने पर परिजनों को चिंता सताई तो उन्होंने उसकी तलाश शुरू की। काफी तलाश करने के बाद उसका कोई पता नहीं चला।

सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची, शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा

इसके बाद परिवार को सूचना मिली कि अभय का शव गांव के बाहर बाग में पेड़ पर लटका हुआ है। परिजनों ने उसको उतारा तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। हजरतगंज थाना पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच की और शव पोस्टमार्टम कराने के लिए भेजा। पुलिस अफसरों का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट मिलने के बाद ही युवक की मौत से पर्दा उठ सकेगा। परिजनों ने कोई तहरीर या किसी पर आरोप प्रत्यारोप नहीं लगाया है।

सत्य की विजय है करबला, मानवता का आदर्श हैं शहादत इमाम हुसैन, सत्य पर बलिदान की मिसाल है माहे मुहर्रम

जागरण मोर्चा कार्यालय

वजीरगंज (बदायूँ)। दुनिया के विभिन्न धर्मो के बहुत से त्योहार खुशियों का इजहार करते हैं लेकिन कुछ ऐसे भी त्योहार हैं जो हमे सच्चाई और मानवता के लिए दी गई शहादत की याद दिलाते हैं। ऐसा ही मुस्लिम समुदाय का एक त्यौहार है मुहर्रम, जो इस्लामी साल का पहला महीना भी है और पैगंबर हजरत मुहम्मद साहब के नवासे इमाम हुसैन और उनके साथियों की शहादत की याद दिलाता है।

इमाम हुसैन अलैहिस्सलाम की शहादत के बाद से मोहर्रम केवल एक महीने का नाम नहीं रह गया बल्कि यह एक दुखद घटना का नाम है, एक सिद्धांत का नाम है और सबसे बढ़कर सत्य व असत्य, अत्याचार तथा साहस की कसौटी का नाम है। आज दुनिया भर के

मुसलमान पैग़म्बरे इस्लाम के नवासे हज़रत इमाम हुसैन और उनके निष्ठावान साथियों की शहादत को याद करके उनके शोक में डूबे हुए हैं। चारों ओर इमाम बाड़े सज रहे हैं और शोक सभाओं के आयोजन की तैयारियां हो रही हैं। मुहर्रम की दस तारीख को हज़रत इमाम हुसैन और उनके निष्ठावान साथियों ने तीन दिनों की भूख और प्यास के बावजूद करबला की जलती रेत पर मानवता के इतिहास में ऐसा स्वर्णिम अध्याय जोड़ दिया जो हमेशा के लिए मानवता का आदर्श बन गया। करबला की घटना सत्य और असत्य के बीच टकराव का नाम है। करबला धर्म की रक्षा के लिए अपनी गोदों के पालों और कलेजे के टुकड़ों को न्योछावर करना सिखाती है। करबला की घटना यह सिखाती है कि रणक्षेत्र में मनोबल से लड़ा जाता है और संख्या का कोई महत्त्व नहीं होता। यही वजह है कि करबला के मैदान में सत्य पर रहने वाले 72 सदा के लिए अमर हो गये और असत्य पर रहने वाले यज़ीद के लाखों सैनिकों का आज कोई नाम लेवा नहीं।

बहुजन समाज की एकजुटता से ही सामाजिक न्याय की लड़ाई होगी मजबूत : प्रदीप सरोहा

बदायूं। ग्राम बांसबरौलिया में शुक्रवार को बहुजन स्वाभिमान संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के एससी-एसटी प्रकोष्ठ के सचिव एवं ब्रज जोन प्रभारी प्रदीप सरोहा मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। प्रदीप सरोहा ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि बहुजन समाज की एकजुटता ही सामाजिक न्याय की लड़ाई को मजबूत बना सकती है। उन्होंने कहा कि बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर के सिद्धांतों पर चलते हुए अपने अधिकारों के लिए संगठित होना जरूरी है। साथ ही उन्होंने एससी-एसटी प्रकोष्ठ संगठन को मजबूत करने पर जोर दिया। विशिष्ट अतिथि कृष्ण वीर सिंह चौधरी ने कहा कि अंबेडकर के विचारों को अपनाकर ही समाज अपने अधिकार हासिल कर सकता है। अध्यक्षता कर रहे ओंकार सिंह ने संगठन को मजबूत करने के लिए सभी कांग्रेसजनों से सहयोग का आह्वान किया। कार्यक्रम में रजनी सिंह बागी, सुनीता सिंह, उपासना सिंह समेत कई नेताओं ने अपने विचार रखे। संचालन एवं आयोजन हरी दर्शन सागर ने किया। इस मौके पर बड़ी संख्या में कार्यकर्ता एवं ग्रामीण उपस्थित रहे।

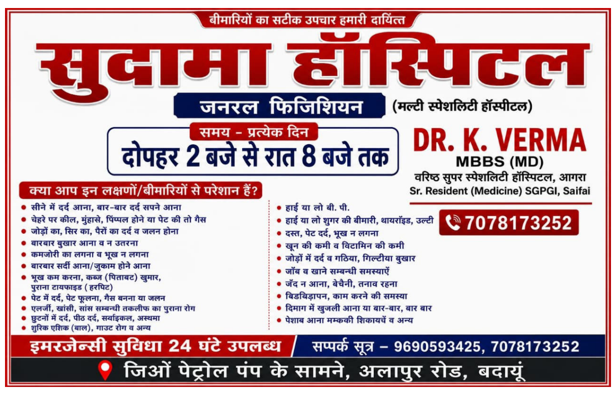

खुलासा दबतोरी चौकी प्रभारी को गोकशी के झूठे मामले में फंसाने का बनाया जा रहा प्लान

बिसौली पुलिस को फंसाने की साजिश...हिस्ट्रीशीटर का ऑडियो वायरल

जागरण मोर्चा कार्यालय

बिसौली। क्षेत्र में सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे एक कथित ऑडियो ने पुलिस प्रशासन और आमजन के बीच हड़कंप मचा दिया है। वायरल ऑडियो में कुछ लोग एक चौकी पर तैनात 'यादव दरोगा' को गोकशी के झूठे मामले में फंसाने की साजिश रचते सुनाई दे रहे हैं। ऑडियो में कथित तौर पर कहा जा रहा है कि "नबी की कोठरी के पीछे गौवंश का चमड़ा मंगवाकर रखवा दो", जिससे पूरे मामले को गंभीर साजिश के रूप में देखा जा रहा है।

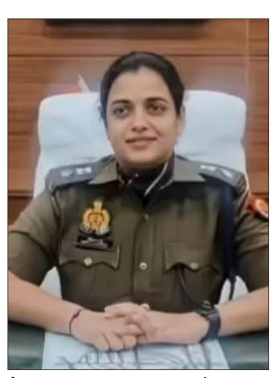

सूत्रों के मुताबिक, इस साजिश के पीछे एक हिस्ट्रीशीटर का नाम सामने आ रहा है, जो पहले भी हवाला जैसे मामलों में जेल जा चुका है। बताया जा रहा है कि आरोपी संग्रामपुर निवासी है और क्षेत्र में आपराधिक गतिविधियों के लिए कुख्यात रहा है। चर्चा यह भी है कि कुछ लोग वर्तमान कोतवाल के तबादले का इंतजार कर रहे हैं और नए कोतवाल के कार्यभार संभालते ही इस साजिश के जरिए पुलिस पर दबाव बनाने की योजना तैयार की गई है।

वायरल ऑडियो के बाद क्षेत्र में तरह-तरह की चर्चाएं हैं, लेकिन अब तक पुलिस की ओर से कोई ठोस कार्रवाई सामने नहीं आई है। इससे लोगों में सवाल उठ रहे हैं कि आखिर अधिकारी किसी बड़ी घटना का इंतजार क्यों कर रहे हैं। वहीं, कुछ लोग इस पूरे मामले में किसी रसूखदार के संरक्षण की भी आशंका जता रहे हैं।

इस संबंध में क्षेत्राधिकारी (सीओ) बिसौली ने बताया कि वह स्वयं मामले की जांच कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि ऑडियो की सत्यता की पुष्टि कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। पुलिस प्रशासन का कहना है कि जांच के बाद ही पूरे मामले का खुलासा किया जाएगा।

> इस तरह की मानसिकता वाले लोगों को खुरा पाती कहा जाता है। ऐसे लोगों पर कठोर कार्रवाई की जाएगी। ऑडियो की गहनता से जांच की जा रही है, इसमें जो लोग भी शामिल होंगे सबका पर्दाफाश किया जाएगा और मामला दर्ज कर आरोपियों को जेल भेजने का काम पुलिस करेगी।
>
> -अंकिता शर्मा, एसएसपी बदायूं

जिले में बड़ी चोरी और लूट के मामले में भी ऐसे ही साजिदकर्ता हो सकते हैं शामिल

विधानसभा चुनाव आने से पहले हर बार चोरी लूट के मामले बढ़ जाते हैं ऐसा क्यों इसके पीछे भी सरकार को बदनाम करने का एक सदन रचा जाता है हालांकि पुलिस सप्ताह कैसे मामलों की कोई जांच नहीं कर सकती है लेकिन बिसौली क्षेत्र में हुए एक वायरल ने सब को चौंका दिया है इसमें साफ सुनाई दे रहा है की सपा माइंडेड लोग भाजपा को बदनाम करने के लिए तरह-तरह से हथकंडे अपना रहे हैं पुलिस को बदनाम करना क्षेत्र में लूट चोरी बढ़ाना गोकशी की झूठी घटनाओं को बढ़ावा देना इस तरह की बातें इस ऑडियो में सुनाई दे रही है अब देखना यह होगा की स्ट इस मामले में क्या ठोस कार्रवाई अमल मिलती हैं।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने प्रधानों को प्रशासक बनाने के फैसले पर लगाई रोक, सरकार से मांगा जवाब

जागरण मोर्चा कार्यालय

बदायूं। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने उत्तर प्रदेश सरकार के उस फैसले पर अंतरिम रोक लगा दी है, जिसके तहत ग्राम प्रधानों का कार्यकाल समाप्त होने के बाद उन्हें ही संबंधित ग्राम पंचायतों का प्रशासक नियुक्त किया गया था। अदालत ने प्रथम दृष्टया इस व्यवस्था पर गंभीर आपत्ति जताते हुए इसे संविधान और पंचायती राज व्यवस्था की मूल भावना के विपरीत माना है। वही सरकार से जबाव मांगा है।

यह आदेश न्यायालय ने अरविंद राठौर द्वारा दाखिल याचिका पर सुनवाई करते हुए पारित किया। याचिकाकर्ता की ओर से दलील दी गई कि ग्राम प्रधान का कार्यकाल समाप्त होने के बाद उसी व्यक्ति को प्रशासक नियुक्त करना संविधान के 73वें संशोधन और पंचायती राज अधिनियम की मंशा के अनुरूप नहीं है। याचिका में इस शासनादेश को निरस्त किए जाने की मांग की गई थी। सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट ने सरकार के निर्णय पर सवाल उठाते हुए फिलहाल उसके क्रियान्वयन पर रोक लगा दी और राज्य सरकार से इस संबंध में जवाब दाखिल करने को कहा है। अगली सुनवाई 13 जुलाई को निर्धारित की गई है। हाईकोर्ट के इस आदेश के बाद प्रदेश की हजारों ग्राम पंचायतों के प्रशासनिक संचालन को लेकर नई स्थिति उत्पन्न हो गई है। अब देखना होगा कि सरकार अदालत में क्या पक्ष रखती है और अगली सुनवाई में न्यायालय क्या अंतिम दिशा-निर्देश जारी करता है। इस फैसले का असर उन सभी ग्राम पंचायतों पर पड़ सकता है, जहां प्रधानों का कार्यकाल समाप्त होने के बाद उन्हें प्रशासक के रूप में कार्य करने की अनुमति दी गई थी। पंचायत प्रतिनिधियों, जनप्रतिनिधियों और प्रशासनिक अधिकारियों की नजर अब 13 जुलाई को होने वाली अगली सुनवाई पर टिकी हुई है, क्योंकि इस मामले का निर्णय प्रदेश की पंचायत व्यवस्था पर व्यापक प्रभाव डाल सकता है।।

सम्पादकीय

आपातकाल के स्याह दिनों को याद करना जरूरी

25 जून 1975 की रात 11 बजकर 45 मिनट पर राष्ट्रपति फखरुद्दीन अली अहमद ने इमरजेंसी के अध्यादेश पर दस्तखत किए। इसी के साथ नागरिक अधिकार, स्वतंत्र विचरण, असहमति-विरोध के अधिकार, मुक्त लेखन आदि के दरवाजे बंद कर दिए गए। 26 जून की सुबह तानाशाही अमावस्या की काली अंधेरी रात की तरह छा चुकी थी। लगभग सभी प्रमुख नेता एवं लाखों कार्यकर्ता बिना कारण बताए जेल में डाल दिए गए। कई स्थानों पर पुलिस की ज्यादती देखने को मिली। उन दिनों लोकतंत्र की रक्षा करने लायक कोई संस्था नहीं बची। आपातकाल का विरोध करने वाले मीडिया का दमन किया गया। न्यायपालिका सत्ताधारी दल को नाखुश करने में संकोच करती दिखी। नौकरशाहों की चापलूसी के चलते प्रशासनिक संस्थाएं पंगु सी हो गईं। उन दिनों स्थिति यह थी कि इंदिरा गांधी के करीबियों को छोड़कर अन्य सभी संदेह के घेरे में थे। देश में आपातकाल लगाया गया तो उसके पीछे संजय गांधी की अहम भूमिका रही। संजय गांधी ने अपनी युवा नेताओं की टीम के साथ आपातकाल के दौरान काफी जुल्म किए थे। संजय गांधी ने अपने करीबियों के साथ मिलकर आपातकाल में नसबंदी, दिल्ली के सौंदर्यीकरण के लिए जबरन झुग्गियों को उजाड़े जाने जैसे कई फैसले लिए, जिसकी वजह से भारत के आपातकाल को देश का सबसे काला दिन कहा जाता है। उस दौर में इमरजेंसी का विरोध करने की सजा जेल होती थी और इस दौरान 21 महीने में 11 लाख लोगों को गिरफ्तार कर जेलों में भेजा गया। इस दौरान लोगों ने शासन का क्रूर चेहरा देखा था, जिसमें जनता नहीं शासन और उसके आका सर्वशक्तिमान बन बैठे थे। लोक पीछे छूट गया था और तंत्र सर्वोपरि हो गया था। कहा जाता है कि उस दौर में देश प्रधानमंत्री कार्यालय से नहीं बल्कि प्रधानमंत्री आवास से चलता था, जहां संजय गांधी रहते थे। विपक्ष की आवाज को दबाने के बाद इंदिरा गांधी ने संसद के दोनों सदनों में प्रश्नकाल पर भी रोक लगा दी। आपको बता दें कि संसद के दोनों सदन यानी लोकसभा और राज्यसभा में कार्यवाही के पहला घंटे में संसद सदस्य कोई भी प्रश्न पूछ सकते हैं। इसे प्रश्नकाल बोलते हैं। लेकिन इंदिरा गांधी को उस दौर में प्रश्न पूछना भी बर्दाश्त नहीं था। इंदिरा गांधी के इस फैसले पर तब के लोकसभा अध्यक्ष जीएस ढिल्लों आंखें बंद किए रहे। इसके बाद इंदिरा गांधी ने संविधान में अपने हिसाब से संशोधन करने शुरू किए। इंदिरा गांधी के आपातकाल के फैसले के खिलाफ कई लोगों ने कोर्ट में अपील की। तो 22 जुलाई 1975 को इंदिरा गांधी ने संविधान में संशोधन कर न्यायपालिका यानी कोर्ट से आपातकाल के फैसले पर सुनवाई का अधिकार ही छीन लिया। इसे 38वां संशोधन कहा जाता है। इसके बाद 39वां संविधान संशोधन कर कोर्ट से प्रधानमंत्री पद पर नियुक्त व्यक्ति के चुनाव की जांच करने का अधिकार ही छीन लिया गया। यानी इंदिरा गांधी के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट अब चुनाव में धांधली के मामले की सुनवाई कर ही नहीं सकता था। इमरजेंसी में अभिव्यक्ति की आजादी का गला घोंट दिया गया था। सरकार अपने खिलाफ कोई भी आवाज नहीं सुनना चाहती थी। अब हम आपको बताते हैं कि किस तरह इमरजेंसी के रोड-रोलर से प्रेस की आजादी को कुचला गया। 25 जून 1975 की आधी रात को इमरजेंसी लगाई गई और अखबारों के दफ्तरों में उसी रात को पावर सप्लाई जानबूझकर काट दी गई ताकि ज्यादातर अखबार अगले दिन आपातकाल का समाचार ना छाप सकें। अखबारों के दफ्तरों को दो दिन बाद पावर सप्लाई की गई। संजय गांधी ने इमरजेंसी के दो दिन बाद ही सूचना एवं प्रसारण मंत्री इंद्र कुमार गुजराल को हटाकर अपने करीबी विद्याचरण शुक्ल को मंत्री बना दिया और विद्याचरण शुक्ल के जरिए सरकार ने मीडिया पर मनमानी की। कड़ी सेंसरशिप की वजह से कई अखबारों का प्रकाशन बंद हो गया। पत्रकारों के लिए सरकार ने कोड ऑफ कंडक्ट बना दिया। अखबारों के बोर्ड में सरकारी अफसर बैठा दिए गए। जो हर खबर पर नजर रखते थे। देश की चार बड़ी न्यूज एजेंसियों पीटीआई, यूएनआई, हिंदुस्थान समाचार और समाचार भारती का विलय करके सरकार ने एक समाचार एजेंसी बना दी थी। ताकि खबर का हर स्रोत पूरी तरह से सरकारी नियंत्रण में रहे। रायटर सहित कई विदेशी न्यूज एजेंसियों के टेलीफोन और दूसरी सुविधाएं खत्म कर दी गईं। 51 विदेशी पत्रकारों की मान्यता छीन ली गई। 29 विदेशी पत्रकारों को भारत में एंट्री देने से मना कर दिया गया।

नागरिकता के दस्तावेजों पर इतना भ्रम ठीक नहीं...

■ उमेश चतुर्वेदी

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार और राजनीतिक समीक्षक हैं.)

पिछले कुछ वर्षों में पासपोर्ट हासिल करना आसान हो गया है। इसकी वजह तकनीकी क्रांति तो है ही, लेकिन सरकारी नीतियों ने भी आम आदमी के लिए पासपोर्ट बनवाने की प्रक्रिया को आसान किया है। पासपोर्ट हासिल करने के कठिन दौर से लेकर आसानी से प्राप्त होने के मौजूदा दौर में, आम नागरिक इसे अपनी नागरिकता का एक वैध दस्तावेज मानता रहा है। लेकिन पासपोर्ट सेवा दिवस के मौके पर भारतीय विदेश मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी के पासपोर्ट को लेकर दिए बयान ने विवाद खड़ा कर दिया है। इस अधिकारी के मुताबिक, भारतीय पासपोर्ट सिर्फ विदेश यात्रा के लिए एक दस्तावेज है, भारतीय नागरिकता का सबूत नहीं। जहां पासपोर्ट हासिल करने को चार धाम यात्रा जैसी उपलब्धि माना जाता रहा हो, जहां किसी व्यक्ति की पहचान के लिए मजबूत सरकारी दस्तावेज माना जाता रहा हो, वहां ऐसा बयान आएगा तो विवाद होगा ही। तो विवाद हो रहा है। विशेष रूप से सोशल मीडिया पर लोग पूछ रहे हैं कि अगर आधार कार्ड, मतदाता पहचान पत्र, पैन कार्ड और पासपोर्ट नागरिकता का वैध दस्तावेज नही है तो फिर कोई भारतीय नागरिक अपनी नागरिकता के लिए क्या सबूत पेश करें।

भारतीय पासपोर्ट अधिनियम के शब्दों से गुजरें तो विदेश मंत्रालय के अधिकारी का कहना गलत भी नहीं है, लेकिन हाल के दिनों में मतदाता सूचियों के विशेष और गहन परीक्षण के दौरान जब घोषित कर दिया गया कि किसी व्यक्ति के पास आधार कार्ड, पैन कार्ड या मतदाता पहचान पत्र होना उसकी नागरिकता के सबूत नहीं है और अब पासपोर्ट भी नहीं रहा, तो फिर भारतीय नागरिक क्या करें। जरूरत पड़ने पर वह कैसे साबित करे कि वह भारतीय नागरिक है। इस आधार पर तो देश के ज्यादातर लोग अपनी नागरिकता को तो साबित ही नहीं कर पाएंगे। यही वजह है कि लोगों का गुस्सा फूट पड़ा है। आज के दौर की तमाम लड़ाइयों का बुनियादी और मजबूत आधार चूंकि नैरेटिव बन गया है तो यह भी साबित करने की कोशिश होगी कि मोदी सरकार ने जानबूझकर ऐसा किया है। इसके लपेटे में मोदी समर्थक ताकतें भी आएंगी, भारतीय जनता पार्टी पर तो खैर सवाल उठेगा ही। इस नैरेटिव को खड़ा होने से पहले ही जरूरी है कि नागरिकता के वैध दस्तावेज को लेकर जारी भ्रम को जल्द से जल्द दूर किया जाए। अन्यथा भ्रम का यह कुंहासा जितना फैलेगा, वह आम नागरिक के मन में व्यवस्था के प्रति गुस्सा और क्षोभ भरेगा। इससे तनाव बढ़ाने वाली ताकतों को भी मौका मिलेगा।

पासपोर्ट को लेकर विदेश मंत्रालय के अधिकारी ने जो कहा है, वह गलत भी नहीं है। अपने देश में भारतीय पासपोर्ट अधिनियम 1967 के तहत जारी किया जाता है। जबकि भारत में नागरिकता की व्याख्या और प्रमाणिकता के लिए भारतीय नागरिकता कानून 1955 है। पासपोर्ट एक्ट की धारा 20 के मुताबिक, अगर केंद्र सरकार चाहे तो किसी ऐसे व्यक्ति को भी पासपोर्ट या यात्रा दस्तावेज जारी कर सकती है जो भारत का नागरिक नहीं है। बस शर्त यह होगी कि सरकार को ऐसा लगे कि उसके लिए पासपोर्ट जारी करना व्यापक जनहित में जरूरी है। इस कानून से साफ है कि पासपोर्ट और नागरिकता दो अलग अलग चीजें हैं। बेशक भारतीय पासपोर्ट सिर्फ भारतीयों को ही मिलता है, लेकिन यह पत्थर की लकीर जैसा नियम नहीं है। पासपोर्ट अधिनियम की धारा 20 भारत सरकार को छूट देती है कि व्यापक जनहित में वह भारतीय नागरिक ना होने के बावजूद किसी व्यक्ति को पासपोर्ट जारी कर सकती है।

विदेश मंत्रालय के अधिकारी के बयान पर भले ही विवाद खड़ा हुआ हो, लेकिन पासपोर्ट के जरिए नागरिकता प्रमाणित करने के तीन अभियुक्तों समेत चार लोगों के दावे को बांबे हाईकोर्ट 2013 में ही खारिज कर चुका है। उन्होंने अपनी नागरिकता के लिए पासपोर्ट पेश किया था। बांबे हाईकोर्ट ने दो सितंबर 2013 के अपने फैसले में साफ कर दिया था कि अगर आपका जन्म 1987 के बाद हुआ है तो पासपोर्ट को अपनी नागरिकता के प्रमाण पत्र के रूप में नहीं पेश कर सकते। वैसे आधार कार्ड का कानून भी मानता है कि आधार कार्ड सिर्फ निवास और पहचान का प्रमाण है, नागरिकता का नहीं। आधार कानून 2016 की धारा में साफ लिखा है कि आधार कार्ड से नागरिकता की बजाय सिर्फ निवास स्थान और पहचान प्रमाणित होता है। इसकी वजह यह है कि आधार कानून के तहत 182 दिनों तक भारत में लगातार रहने वाले व्यक्ति को सरकार चाहे तो आधार कार्ड जारी कर सकती है। इसी आधार पर सर्वोच्च न्यायालय भी इसे नागरिकता का प्रमाण मानने से इनकार कर चुका है। इसी तरह पैन कार्ड के लिए भी व्यवस्था दी गई है। पैन कार्ड का कानूनी आधार है कि व्यक्ति अर्जन कर रहा है और टैक्स दे रहा है।

आधुनिक विश्व व्यवस्था की एक खामी यह है कि यहां कानून की भाषा अलग होती है। दूसरे शब्दों में कह सकते हैं कि कानूनी भाषा जटिल होती है और उसके शब्द जाल को आम आदमी नहीं समझ पाता। इसी आधार पर उसकी अवधारणाएं विकसित होती हैं और फिर वह किसी विषय का व्यवस्था को लेकर अपनी राय बनाता है। प्रधानमंत्री मोदी को इन जटिलताओं की समझ है, शायद यही वजह है कि उनके कार्यकाल में देश के सैकड़ों गैरजरूरी कानूनों को या तो रद्द किया गया है या फिर कुछ नए संदर्भों वाले कानूनों में समाहित कर दिया गया है। आज के दौर में नागरिकता के दस्तावेज के रूप जब पासपोर्ट, आधार कार्ड, पैन कार्ड या मतदाता पहचान पत्र को आखिरी और अंतिम प्रमाण मानने से इनकार किया जाता है तो अपनी लोक और आम धारणा के चलते आम आदमी इसके विरोध में उतर आता है। यही वजह है कि जब मतदाता सूचियों के विशेष गहन परीक्षण यानी एसआईआर के दौरान इन दस्तावेजों को आखिरी दस्तावेज मानने से इनकार किया गया तो इसका विरोध शुरू हुआ था। कुछ इसी अंदाज में पासपोर्ट पर विदेश मंत्रालय के अधिकारी के बयान पर भी विवाद शुरू हो गया है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह ने पूछ लिया है कि पासपोर्ट बनाने से पहले पुलिस जब व्यक्ति का सत्यापन करती है तो आखिर वह किसका सत्यापन करती है और क्यों करती है?उनका यहां तक कहना है कि इससे लोगों के मन में यह भी संदेह उत्पन्न हो सकता है कि गैर भारतीयों को भी पासपोर्ट दिए जा रहे हैं?

इन पंक्तियों के लिखे जाने तक भारत सरकार की ओर से नागरिकता के प्रमाण को लेकर कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। लेकिन सवाल यह है कि आखिर जब पासपोर्ट मान्य नहीं, मतदाता पहचान पत्र और आधार कार्ड पर भरोसा नहीं और पैन कार्ड मान्य नहीं तो फिर आम नागरिक अपनी नागरिकता को कैसे साबित करें। निश्चित तौर पर इसका हक भी सरकारी व्यवस्था में है। 20 दिसंबर, 2019 को राष्ट्रीय नागरिकता रजिस्टर यानी एनआरसी से जुड़े एक सवाल के जवाब में भारत सरकार के प्रवक्ता ने कहा था, 'जन्म की तारीख और जन्म-स्थान से जुड़े कोई भी दस्तावेज जमा करके नागरिकता साबित की जा सकती है। हालांकि, ऐसे स्वीकार्य दस्तावेजों पर अभी कोई फैसला नहीं लिया गया है।' इसमें रिलीज में कहा गया था कि जन्म की तारीख और जन्म स्थान से जुड़े कोई भी दस्तावेज जमा करके नागरिकता साबित की जा सकती है। हालांकि, इन दस्तावेजों के बारे में आखिरी रूप से अभी कोई फैसला नहीं लिया गया है। इसमें वोटर कार्ड, पासपोर्ट, आधार, लाइसेंस, इंश्योरेंस के कागजात, जन्म प्रमाण पत्र, स्कूल छोड़ने का प्रमाण पत्र, जमीन या घर से जुड़े दस्तावेज या सरकारी अधिकारियों द्वारा जारी किए गए ऐसे ही अन्य दस्तावेज शामिल हो सकते हैं। इस लिस्ट में और भी दस्तावेज शामिल किए जा सकते हैं ताकि किसी भी भारतीय नागरिक को बेवजह परेशानी न हो।

बेशक कानून की भाषा अलग होती है और लोक का शब्द संसार अलग, लेकिन दोनों के बीच संतुलन होना ही चाहिए। लोक की समझ अपने तंत्र के लिए बेहतर बनी रहे, इसके लिए जरूरी है कि लोक और कानून की भाषा के बीच के अंतर को पाट लिया जाए। अन्यथा गलतफहमियां होती रहेंगी और आखिरकार इससे नुकसान लोकतंत्र का होगा।

भारतीय महर्षि सुश्रुत को वैश्विक सम्मान

■ महेन्द्र तिवारी

भारतीय ज्ञान परम्परा और चिकित्सा इतिहास के लिए 19 जून 2026 का दिन एक विशेष उपलब्धि लेकर आया। स्कॉटलैंड के एडिनबर्ग स्थित रॉयल कॉलेज ऑफ सर्जन्स में महर्षि सुश्रुत की कांस्य प्रतिमा का अनावरण किया गया। यह केवल एक प्रतिमा स्थापना का कार्यक्रम नहीं था, बल्कि विश्व चिकित्सा इतिहास में प्राचीन भारत के योगदान की औपचारिक और अंतरराष्ट्रीय स्वीकृति का प्रतीक भी था। लगभग 90 किलोग्राम कांस्य से निर्मित इस प्रतिमा की स्थापना भारतीय मूल के प्रसिद्ध शल्य चिकित्सक प्रोफेसर चंद्र चेरुवु और उनके परिवार के प्रयासों से संभव हुई।

महर्षि सुश्रुत का नाम चिकित्सा विज्ञान के इतिहास में अत्यंत सम्मान के साथ लिया जाता है। उन्हें व्यापक रूप से शल्य चिकित्सा का जनक माना जाता है। माना जाता है कि उनका समय लगभग 600 ईसा पूर्व था। उस युग में जब संसार के अनेक क्षेत्रों में चिकित्सा ज्ञान प्रारम्भिक अवस्था में था, तब भारत में चिकित्सा और शल्य विज्ञान का सुव्यवस्थित विकास हो चुका था। महर्षि सुश्रुत ने अपने अनुभव, अनुसंधान और अवलोकन के आधार पर चिकित्सा ज्ञान को व्यवस्थित रूप में संकलित किया। इसमें रोगों, उपचार पद्धतियों, शरीर रचना, शल्य तकनीकों और चिकित्सकीय नैतिकता का विस्तृत विवरण मिलता है।

सुश्रुतसंहिता की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इसमें केवल सिद्धांत नहीं हैं, बल्कि व्यावहारिक चिकित्सा का भी विस्तृत वर्णन है। ग्रंथ में लगभग 300 प्रकार की शल्य प्रक्रियाओं तथा 100 से अधिक शल्य उपकरणों का उल्लेख मिलता है। विभिन्न स्रोतों में इन उपकरणों की संख्या 121 तक भी बताई गई है। इन उपकरणों को उनके उपयोग के अनुसार वर्गीकृत किया गया था। काटने, छेद करने, पकड़ने, निकालने और टांके लगाने के लिए अलग-अलग उपकरणों का वर्णन यह दर्शाता है कि उस समय चिकित्सा विज्ञान अत्यंत विकसित और व्यवस्थित था।

महर्षि सुश्रुत की सबसे चर्चित उपलब्धियों में नासापुनर्निर्माण की शल्य प्रक्रिया का वर्णन शामिल है। प्राचीन काल में अपराधियों को दंडस्वरूप नाक काट देने की प्रथा कुछ स्थानों पर प्रचलित थी। ऐसी स्थिति में चेहरे की संरचना को पुनः सामान्य बनाना अत्यंत कठिन माना जाता था। सुश्रुत ने त्वचा प्रत्यारोपण और पुनर्निर्माण की ऐसी विधि विकसित की, जिसे आधुनिक पुनर्निर्माण शल्य चिकित्सा और प्लास्टिक सर्जरी की आधारशिला माना जाता है।

उनका योगदान केवल शल्य चिकित्सा तक सीमित नहीं था। उन्होंने शरीर रचना विज्ञान के अध्ययन में प्रत्यक्ष निरीक्षण और शव परीक्षण पर बल दिया। यह दृष्टिकोण आधुनिक वैज्ञानिक पद्धति की मूल भावना से मेल खाता है। उन्होंने चिकित्सकों को वास्तविक रोगियों पर कार्य करने से पहले विभिन्न वस्तुओं तथा मृत पशुओं पर अभ्यास करने की सलाह दी थी।

भारत के लिए यह घटना विशेष गर्व का विषय है। यह सम्मान न केवल महर्षि सुश्रुत को समर्पित है, बल्कि उस समृद्ध भारतीय ज्ञान परम्परा को भी समर्पित है जिसने मानवता के कल्याण के लिए अमूल्य योगदान दिया। आज जब चिकित्सा विज्ञान नई ऊँचाइयों को छू रहा है, तब महर्षि सुश्रुत की विरासत यह स्मरण कराती है कि मानव पीड़ा को कम करने और जीवन की रक्षा करने का उद्देश्य सदैव चिकित्सा का मूल आधार रहा है। एडिनबर्ग में स्थापित उनकी प्रतिमा आने वाली पीढ़ियों को यह संदेश देती रहेगी कि ज्ञान की कोई सीमा नहीं होती और मानव सभ्यता की प्रगति अनेक संस्कृतियों तथा परम्पराओं के संयुक्त योगदान का परिणाम है।

(लेखक स्तंभकार हैं।)

नई भाजपा के रोल मॉडल हैं योगी, हेमंत और शुभेंदु!

■ प्रो.संजय द्विवेदी

उत्तर प्रदेश एक ऐसे मुख्यमंत्री से रूबरू है, जिसे राजनीति के मैदान में बहुत गंभीरता से नहीं लिया जा रहा था। उनके बारे में यह ख्यात था कि वे एक खास वर्ग की राजनीति करते हैं और भारतीय जनता पार्टी भी उनकी राजनीतिक शैली से पूरी तरह सहमत नहीं है। लेकिन उत्तर प्रदेश में योगी आदित्यनाथ ने जिस तरह अपनी पकड़ बनाई है और देश में एक अलग माडल खड़ा दिया है, वह सर्वत्र चर्चा का विषय है। इससे यह भी साबित हो रहा है कि 'अपनी राजनीति' के प्रति भाजपा का आत्मदैन्य कम हो रहा है। वहीं असम में हेमंत विश्वशर्मा उम्मीदों का चेहराबनकर उभरे हैं, असम में तीसरी बार सरकार बनाकर भाजपा ने पूर्वोत्तर में इतिहास रच दिया है। इसी तरह गृहमंत्री अमित शाह की रणनीति से पश्चिम बंगाल की विजय ऐतिहासिक कही जा रही है और वहां बने मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी के ताबड़तोड़ फैसलों ने जनविश्वास की हिलोरें पैदा की हैं। जड़ता को तोड़कर एक नई उम्मीद बनी है। केंद्रीय राजनीति में नरेंद्र मोदी और अमित शाह के आगमन ने भारतीय राजनीति के परिदृश्य को बदलकर रख दिया है।

वैचारिक हीनग्रंथि से बाहर आई भाजपा

भाजपा का आज तक का ट्रैक हिंदुत्व का वैचारिक और राजनीतिक इस्तेमाल कर सत्ता में आने का रहा है। देश की राजनीति में चल रहे विमर्श में भाजपा बड़ी चतुराई से इस कार्ड का इस्तेमाल तो करती थी, किंतु उसके नेतृत्व में इसे लेकर एक हिचक बनी रहती थी। वो हिचक अटल जी से लेकर आडवानी तक हर दौर में दिखी है। भाजपा का हर नेता सत्ता पाने के बाद यह साबित करने में लगा रहता है वह अन्य दलों के नेताओं के कम 'सेकुलर' नहीं है। उत्तर प्रदेश की 'आदित्यनाथ परिघटना' दरअसल भाजपा की वैचारिक हीनग्रंथि से मुक्ति को स्थापित करती नजर आती है। नरेंद्र मोदी के राज्यारोहण के बाद योगी आदित्यनाथ का उदय भारतीय राजनीति में एक अलग किस्म की राजनीति की स्वीकृति का प्रतीक है। एक धर्मप्राण देश में धार्मिक प्रतीकों, भगवा रंग, संन्यासियों के प्रति जैसी विरक्ति मुख्यधारा की राजनीति में दिखती थी, वह अन्यत्र दुर्लभ है। भाजपा जैसे दल भी इस सेकुलर विकार से कम ग्रस्त न थे। धर्म और धर्माचार्यों का इस्तेमाल, धार्मिक आस्था का दोहन और सत्ता पाते ही सभी धार्मिक प्रतीकों से मुक्ति लेकर सारी राजनीति सिर्फ तुष्टीकरण में लग जाती थी। प्रधानमंत्रियों समेत जाने कितने सत्ताधीशों के ताज जामा मस्जिद में झुके होंगे, लेकिन हिंदुत्व के प्रति उनकी हिचक निरंतर थी।

यह भी कम आश्चर्यजनक नहीं की एक समय में दीनदयाल जी उदार थे, तो अटलजी और बलराज मधोक अपनी वक्रता के चलते उग्र नेता माने जाते थे। अटलजी का दौर आया तो लालकृष्ण आडवाणी उग्र कहे जाने लगे, फिर एक समय ऐसा भी आया जब आडवानी उदार हो गए और नरेंद्र मोदी उग्र माने जाने लगे। आज की व्याख्याएं सुनें- नरेंद्र मोदी उदार हो गए हैं और योगी आदित्यनाथ और गृहमंत्री अमित शाह उग्र माने जाने लगे हैं। अब तो असम के मुख्यमंत्री हेमंत विश्वशर्मा और पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी भी आदित्यनाथ की परंपरा के मुख्यमंत्री कहे जाने लगे हैं।

सेकुलर संक्रमण से मुक्ति से मिली नई पहचान

यह मीडिया, बौद्धिकों की अपनी रोज बनाई जाती व्याख्याएं हैं। लेकिन सच यह है कि अटल, मधोक, आडवानी, मोदी, अमित शाह या आदित्यनाथ, हेमंत विश्वशर्मा और शुभेंदु अधिकारी कोई अलग-अलग लोग नहीं है। एक विचार के प्रति समर्पित राष्ट्रनायकों की सूची है यह। इसमें कोई कम जा ज्यादा उदार या कठोर नहीं है। किंतु भारतीय राजनीति का विमर्श ऐसा है जिसमें वास्तविकता से अधिक ड्रामे पर भरोसा है। भारतीय राजनेता की मजबूरी है कि वह टोपी पहने, रोजा भले न रखे किंतु इफ्तार की दावतें दे। आप ध्यान दें सरकारी स्तर पर यह प्रहसन लंबे समय से जारी रहा है। भाजपा भी इसी राजनीतिक क्षेत्र में काम करती है। उसमें भी इस तरह के रोग हैं। वह भी राष्ट्रनीति के साथ थोड़े तुष्टिकरण को गलत नहीं मानती। जबकि उसका अपना नारा रहा है सबको न्याय, तुष्टिकरण किसी का नहीं। उसका एक नारा यह भी रहा है- 'राम, रोटी और इंसाफ।'

लंबे समय के बाद भाजपा में अपनी वैचारिक लाइन को लेकर गर्व का बोध दिख रहा है। अरसे बाद वे भारतीय राजनीति के सेकुलर संक्रमण से मुक्त होकर अपनी वैचारिक भूमि पर गरिमा के साथ खड़े दिख रहे हैं। समझौतों और आत्मसमर्पण की मुद्राओं के बजाय उनमें अपनी वैचारिक भूमि के प्रति हीनताग्रंथि के भाव कम हुए हैं। अब वे अन्य दलों की नकल के बजाय एक वैचारिक लाइन लेते हुए दिख रहे हैं। दिखावटी सेकुलरिज्म के बजाय वास्तविक राष्ट्रीयता के उनमें दर्शन हो रहे हैं। मोदी जब एक सौ चालीस करोड़ हिंदुस्तानियों की बात करते हैं तो बात अल्पसंख्यक और बहुसंख्यक से ऊपर चली जाती है। यहां देश सम्मानित होता है, एक नई राजनीति का प्रारंभ दिखता है। एक भगवाधारी संन्यासी जब मुख्यमंत्री की कुर्सी पर बैठता है तो वह एक नया संदेश देता है। वह संदेश त्याग का है, परिवारवाद के विरोध का है, तुष्टिकरण के विरोध का है, सबको न्याय का है।

भारतीयता का विमर्श अब केंद्रीय विमर्श

आजादी के बाद के सत्तर सालों में देश की राजनीति का विमर्श भारतीयता और उसकी जड़ों की तरफ लौटने के बजाय घोर पश्चिमी और वामपंथी रह गया था। जबकि बेहतर होता कि आजादी के बाद हम अपनी ज्ञान परंपरा की और लौटते और अपनी जड़ों को मजबूत बनाते। किंतु सत्ता,शिक्षा, समाज और राजनीति में हमने पश्चिमी तो, कहीं वामपंथी विचारों के आधार पर चीजें खड़ी कीं। इसके कारण हमारा अपने समाज से ही रिश्ता कटता चला गया। सत्ता और जनता की दूरी और बढ़ गयी। सत्ता दाता बन बैठी और जनता याचक। सेवक मालिक बन गए। ऐसे में लोकतंत्र एक छद्म लोकतंत्र बन गया। यह लोकतंत्र की विफलता ही है कि हम सत्तर साल के बाद सड़कें बना रहे हैं। यह लोकतंत्र की विफलता ही है कि हमारे अपने नौजवानों ने भारतीय राज्य के खिलाफ बंदूकें उठा रखी थीं। गृहमंत्री अमित शाह के दृढ़संकल्प की बदौलत आज माओवादी आतंक का अंत भी हमने देखा। पिछले सत्तर सालों में लोकतंत्र की विफलता की कहानियां सर्वत्र बिखरी पड़ीं हैं। राजनीतिक तंत्र के प्रति उठा भरोसा भी साधारण नहीं था। आज ऐसा लगता है कि राजनीति से कुछ हो सकता है। मोदी,शाह, आदित्यनाथ भरोसे के प्रतीक बन गए। इसका मतलब यह भी है कि ये कुछ कह रहे हैं तो करेंगें भी।

नरेंद्र मोदी, अमित शाह,आदित्यनाथ देश की इन्हीं उम्मीदों के चेहरे हैं। तीनों अंग्रेजी नहीं बोलते। तीनों जन-मन-गण के प्रतिनिधि हैं। यह भारतीय राजनीति का बदलता हुआ चेहरा है। क्या सच में भारत खुद को पहचान रहा है ? वह जातियों, पंथों, क्षेत्रों की पहचान से अलग एक बड़ी पहचान से जुड़ रहा है- वह पहचान है भारतीय होना, राष्ट्रीय होना। एक समय में राजनीति हमें नाउम्मीद करती हुयी नजर आती थी। बदले समय में वह उम्मीद जगा रही है। कुछ चेहरे ऐसे हैं जो भरोसा जगाते हैं। एक आकांक्षावान भारत बनता हुआ दिखता है। यह आकांक्षाएं राजनीति दलों के एजेंडे से जुड़ पाएं तो देश जल्दी और बेहतर बनेगा। राजनीतिक विमर्श और जनविमर्श को साथ लाने की कवायद हमें करनी ही होगी। जल्दी बहुत जल्दी। यह जितना और जितना जल्दी होगा भारत अपने भाग्य पर इठलाता दिखेगा।

(लेखक राजनीतिक विश्लेषक और वरिष्ठ पत्रकार हैं।)

घरेलू मोर्चे पर झटके खा रहे राष्ट्रपति ट्रंप पर पड़े असर के राजनीतिक व कूटनीतिक मायने

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प को हाल के दिनों में घरेलू मोर्चे पर दो बड़े झटके लगे हैं, जिनका असर उनकी राजनीतिक ताकत, चुनावी रणनीति और राष्ट्रपति पद की सीमाओं पर पड़ सकता है। लिहाजा विश्व राजनीति और कूटनीति पर भी इन घटनाओं का असर लाजिमी है। पहले हम बात करते हैं, उन दो बड़े झटके का-जहां पहला झटकाः मतदान संबंधी आदेश पर अदालत की रोक का है, वहीं दूसरा झटका राष्ट्रपति की शक्तियों पर बढ़ता न्यायिक अंकुश है। उल्लेखनीय है कि एक संघीय न्यायाधीश ने ट्रंप प्रशासन के उस आदेश को असंवैधानिक बताते हुए रोक दिया, जिसमें मतदाता पंजीकरण के लिए नागरिकता का दस्तावेजी प्रमाण अनिवार्य करने की कोशिश की गई थी। अदालत ने कहा कि चुनावी नियम तय करना राष्ट्रपति का नहीं बल्कि राज्यों और कांग्रेस का अधिकार है। वहीं दूसरी ओर ट्रंप की कई नीतियां–जैसे व्यापक टैरिफ, दूसरी प्रशासनिक एजेंसियों पर नियंत्रण और कुछ आव्रजन कदम–अदालतों में चुनौती का सामना कर रही हैं। गौरतलब है कि इसी वर्ष अमेरिकी सर्वोच्च न्यायालय ने उनके व्यापक टैरिफ अधिकारों को खारिज करते हुए कहा कि कराधान और शुल्क निर्धारण का मूल अधिकार कांग्रेस के पास है। इसे ट्रंप के आर्थिक एजेंडे पर बड़ा आघात माना गया। यह स्थिति दुनिया के अघोषित थानेदार के लिए उचित नहीं है। इसके निम्नलिखित राजनीतिक परिणाम हो सकते हैंः- पहला, "मजबूत राष्ट्रपति" की छवि को चुनौतीः ट्रंप ने स्वयं को एक ऐसे नेता के रूप में प्रस्तुत किया है जो तेजी से निर्णय लेकर व्यवस्था बदल सकते हैं। अदालतों द्वारा बार-बार हस्तक्षेप होने से उनके समर्थकों के बीच यह धारणा बन सकती है कि संस्थागत ढांचा उनकी नीतियों को रोक रहा है। दूसरा, रिपब्लिकन आधार का और ध्रुवीकरणः ट्रंप इन फैसलों को "न्यायिक सक्रियता" या "डीप स्टेट" की बाधा बताकर अपने समर्थकों को और अधिक संगठित करने की कोशिश कर सकते हैं। इससे रिपब्लिकन मतदाता आधार में लामबंदी बढ़ सकती है। तीसरा, डेमोक्रेटिक पार्टी को राजनीतिक अवसरः डेमोक्रेट्स इन घटनाओं को संवैधानिक संस्थाओं की जीत और सत्ता के केंद्रीकरण पर अंकुश के रूप में पेश कर रहे हैं। इससे वे 2026 के मध्यावधि चुनावों में लोकतांत्रिक संस्थाओं की रक्षा का मुद्दा उठा सकते हैं। चौथा, कांग्रेस बनाम राष्ट्रपति की बहस तेजः टैरिफ और चुनावी नियमों पर आए फैसलों ने यह संदेश दिया है कि अमेरिकी व्यवस्था में राष्ट्रपति की शक्तियां असीमित नहीं हैं। इससे कार्यपालिका और कांग्रेस के बीच अधिकारों की खींचतान और बढ़ सकती है। पांचवां, 2026 मध्यावधि चुनावों पर प्रभावः यदि ट्रंप अपनी प्रमुख नीतियों को लागू कराने में कठिनाई महसूस करते हैं, तो विपक्ष इसे प्रशासनिक विफलता बताएगा। वहीं ट्रंप समर्थक इसे "व्यवस्था बनाम जनता" की लड़ाई के रूप में प्रचारित कर सकते हैं।

राम मंदिर: क्या मजबूरी थी पुलिस की, बिना बयान-प्रेसनोट जारी किए आरोपियों को भेजा जेल

जागरण मोर्चा कार्यालय

लखनऊ। राम मंदिर चढ़ावा मामले में प्राथमिकी दर्ज होने के बाद आठ आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया। जांच दल की रिपोर्ट के आधार पर कार्रवाई हुई। पुलिस ने विस्तृत जानकारी सार्वजनिक नहीं की क्योंकि विवेचना जारी है। मामले पर विभिन्न राजनीतिक दलों और नेताओं की प्रतिक्रियाएं भी सामने आई हैं।

अयोध्या राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में श्री राम जन्मभूमि तीर्थ ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय और ट्रस्टी डॉक्टर अनिल मिश्रा ने इस्तीफा दे दिया है। चंपत के पास पूरे मंदिर की जिम्मेदारी थी। राय के बाद ट्रस्टी अनिल और गोपाल राव की मंदिर व्यवस्था में बड़ी भूमिका थी। गुरुवार देर शाम ट्रस्ट के सदस्य कृष्ण मोहन की शिकायत पर पहली FIR दर्ज कराई गई थी।

इसमें चंपत राय, डॉ. अनिल मिश्रा समेत अन्य बड़े पदाधिकारियों के नाम नहीं हैं। इसके बाद देर रात रामशंकर यादव उर्फ टिन्नू समेत 8 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। आज सभी 8 आरोपियों का मेडिकल कराने के बाद इन्हें कोर्ट में पेश किया गया। वहीं, पुलिस ने आठों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है, लेकिन कार्रवाई के बाद पुलिस की ओर से विस्तृत प्रेस नोट या आधिकारिक बयान जारी नहीं किए जाने को लेकर सवाल उठने लगे हैं।

आमतौर पर किसी बड़ी गिरफ्तारी के बाद पुलिस विस्तृत प्रेस विज्ञप्ति जारी कर पूरे मामले, आरोपियों की भूमिका और बरामदगी की जानकारी साझा करती है। हालांकि इस मामले में गिरफ्तारी के बावजूद न तो कोई विस्तृत प्रेस नोट जारी किया गया और न ही वरिष्ठ अधिकारियों ने मीडिया को विस्तार से जानकारी दी। पुलिस का कहना है कि जांच अभी जारी है, इसलिए विवेचना पूरी होने के बाद आवश्यक तथ्यों को सार्वजनिक किया जाएगा।

चोरी का मामला पहली बार 7 जून को सामने आया। यूपी सरकार ने 13 जून को SIT बनाई। SIT ने 23 जून को एडिशनल चीफ सेक्रेटरी (गृह) संजय प्रसाद को प्रारंभिक रिपोर्ट सौंपी। इसके 2 दिन बाद कार्रवाई हुई और मंदिर से जुड़े 8 लोगों को गिरफ्तार किया।

केजरीवाल बोले- राम का नाम इस्तेमाल कर सत्ता में आई भाजपा

केजरीवाल ने कहा- 30 साल तक भगवान राम के नाम का इस्तेमाल कर, उनका मंदिर बनवाने के नाम पर चंदा चोर पार्टी सत्ता में आई। जब से ये सत्ता में आए, तब से इन्होंने राम मंदिर को अपने पैसे की हवस का शिकार बना दिया। एक कुसुम पाठक और हरीश पाठक हैं, जिन्होंने 18 मार्च 2021 को अपनी सवा हेक्टेयर जमीन चंदा चोरों से संबंधित दो लोगों को दो करोड़ में बेची। इसके 10 मिनट के अंदर ट्रस्ट ने चंदा चोरों से इस दो करोड़ की जमीन को 18 करोड़ में खरीदा। कई बार शिकायत होने के बाद मामले में कोई कार्रवाई नहीं की गई।

अरुण राजभर बोले- योगी के एक्शन को विपक्ष नजीर के रूप में देखे

सुभासपा के राष्ट्रीय महासचिव अरुण राजभर ने कहा, यूपी सरकार जीरो टॉलरेंस की नीति पर काम करती है। जनभावनाओं के साथ कोई भी खिलवाड़ करने का प्रयास करेगा, तो उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। अयोध्या से जिस तरीके से बातें निकलकर के आईं। इसके बाद सीएम योगी ने कहा- हम SIT का गठन करेंगे और दूध का दूध, पानी का पानी करने का काम करेंगे। विपक्ष के लोग इसे नजीर के रूप में देखें।

सार संक्षेप

राजकीय आईटीआई में 1065 पदों पर आउटसोर्सिंग से होगी भर्ती, शुरू होंगे अत्याधुनिक कोर्स; मिली हरी झंडी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में राजकीय आईटीआई में 1065 पदों पर आउटसोर्सिंग से भर्ती होगी। साथ ही 149 राजकीय आईटीआई में अत्याधुनिक कोर्स शुरू होंगे। व्यावसायिक शिक्षा विभाग ने इसके लिए हरी झंडी दे दी।

10 रुपये की आइसक्रीम के लिए लगाया शॉर्टकट, बालकनी से नीचे गिरा युवक, सीसीटीवी वीडियो वायरल

लखनऊ। सड़क हादसों और दुर्घटनाओं के कई वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आते रहते हैं, लेकिन कुछ घटनाएं ऐसी होती हैं जिन्हें देखकर लोग हैरान होने के साथ-साथ हंस भी पड़ते हैं। ऐसा ही एक वीडियो इन दिनों इंटरनेट पर तेजी से वायरल हो रहा है। यह मामला उत्तर प्रदेश के सोनभद्र जिले का बताया जा रहा है, जहां 25 जून 2026 को हुई एक घटना CCTV कैमरे में कैद हो गई। वीडियो में दिखाई देता है कि एक व्यक्ति अपने घर की बालकनी में खड़ा था। इसी दौरान उसकी नजर सड़क से गुजर रहे एक आइसक्रीम विक्रेता पर पड़ी। उसने वेंडर को रुकने का इशारा किया और ऊपर ही आइसक्रीम देने के लिए कहा। आइसक्रीम लेने की कोशिश में वह बालकनी से काफी आगे तक झुक गया, लेकिन अचानक उसका संतुलन बिगड़ गया और वह सीधे नीचे जा गिरा। घटना का सबसे दिलचस्प पहलू यह रहा कि नीचे खड़ा आइसक्रीम वेंडर पूरी घटना अपनी आंखों के सामने देखता रह गया। कुछ पल के लिए वह समझ ही नहीं पाया कि पहले गिरे हुए व्यक्ति की मदद करे या फिर अपनी 10 रुपये की आइसक्रीम के पैसे मांगे। महज 10 रुपये की आइसक्रीम लेने का यह शॉर्टकट युवक पर भारी पड़ गया। पूरी घटना CCTV कैमरे में रिकॉर्ड हो गई, जिसके बाद वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया। वीडियो वायरल होने के बाद सोशल मीडिया यूजर्स ने इस पर जमकर प्रतिक्रियाएं दीं। एक यूजर ने मजाकिया अंदाज में लिखा, "भाई, अब आइसक्रीम दूं या चला जाऊं?" वहीं दूसरे यूजर ने लिखा, "खड़ा-खड़ा देख रहा है, मेरा तो 20 रुपये का नुकसान हो गया, कहीं पुलिस मुझे ही न पकड़ ले।" एक अन्य यूजर ने टिप्पणी की, "अब भाई को सबक मिल गया होगा, अगली बार ऐसा नहीं करेगा।" वीडियो के कमेंट सेक्शन में बड़ी संख्या में लोग हंसने वाले इमोजी और मजेदार प्रतिक्रियाएं साझा कर रहे हैं। हालांकि किसी भी दुर्घटना को हल्के में नहीं लिया जा सकता, लेकिन इस वीडियो में आइसक्रीम वेंडर की उलझन और युवक के गिरने का पूरा घटनाक्रम लोगों का ध्यान खींच रहा है। यही वजह है कि यह CCTV वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से शेयर किया जा रहा है।

लखनऊ में अंतर्राष्ट्रीय बौद्ध शोध संस्थान में 'द लेसन' नाट्य का हुआ मंचन

लखनऊ। नगर के प्रतिष्ठित सामाजिक एवं सांस्कृतिक संस्था श्रद्धा मानव सेवा कल्याण समिति लखनऊ द्वारा भारत सरकार यो संस्कृति मंत्रालय, नई दिल्ली के 47वें मीटिंग के अन्तर्गत स्वीकृत वित्तीय सहयोग से आयोजित समारोह के तृतीय च अंतिम दिवस में नगर के विख्यात नाट्य संस्था आकांक्षा थियेटर आर्टस, लखनऊ द्वारा सुप्रसिद्ध मूल नाट्य रचना का यूजीन इओनेस्को की नाट्य रचना का हिच्ची नाट्य अनुवादन सुश्री श्रद्धा बोस द्वारा किया गया द लेसन का नाट्य मंचन निर्देशन नगर के प्रतिष्ठित नाट्य निर्देशक तुषार बाजपेयी के कुशल निर्देशन में अंतर्राष्ट्रीय बौद्ध शोध संस्थान, गोमती नगर लखनऊ में सांयकाल 07 :05 बजे मंचित किया गया नाटक के मंचन से पूर्व उदघाटन एवं दीप प्रज्जवलन डॉ अनिल रस्तोगी के अतिरिक्त डॉ संजय मेहरोत्रा एवं डॉ चंदना मेहरोत्रा द्वारा किया गया।

लखनऊ के लोकबंधु अस्पताल परिसर स्थित वन स्टॉप सेंटर में लगी आग, टला बड़ा हादसा

जागरण मोर्चा कार्यालय

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ से एक राहत भरी खबर है, जहाँ लोकबंधु राजनारायण संयुक्त चिकित्सालय परिसर में स्थित वन स्टॉप सेंटर में शुक्रवार तड़के अचानक आग लग गई। गनीमत यह रही कि इस घटना में कोई भी हताहत नहीं हुआ है और एक बड़ा हादसा होने से टल गया।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, यह घटना कृष्णा नगर थाना क्षेत्र की है, जहाँ स्थित इस केंद्र में सुबह करीब साढ़े पांच बजे आग लगने की सूचना प्राप्त हुई थी। आग लगने की खबर मिलते ही स्थानीय पुलिस और अग्निशमन (दमकल) विभाग की टीमें तुरंत मौके पर पहुंच गईं। दमकल कर्मियों की मुस्तैदी के चलते कुछ ही देर में आग पर पूरी तरह काबू पा लिया गया। प्रारंभिक जांच में अधिकारियों का मानना है कि आग लगने का मुख्य कारण शॉर्ट सर्किट हो सकता है।

अधिकारियों ने घटना के संबंध में बताया कि आग की इस लपट से लकड़ी के एक आंतरिक खंभे और उसके ठीक ऊपर की छत का कुछ हिस्सा आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हुआ है। इसके अलावा अस्पताल परिसर में किसी भी बड़े नुकसान की कोई सूचना नहीं है और घटना में किसी भी प्रकार की जनहानि नहीं हुई है। पुलिस प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि अब स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है और अस्पताल परिसर में सभी सामान्य गतिविधियां दोबारा बहाल कर दी गई हैं। फिलहाल मामले में आगे की आवश्यक वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

अलीगंज हादसे के बाद से राज्य में बरती जा रही सतर्कता

गौरतलब है कि यह घटना लखनऊ के अलीगंज क्षेत्र में कुछ दिन पहले एक इमारत में लगी भीषण आग के बाद सामने आई है। अलीगंज के उस दर्दनाक हादसे में 15 लोगों की मौत हो गई थी। उस घटना के बाद से ही पूरे राज्यभर में अग्नि सुरक्षा उपायों (फायर सेफ्टी मेजर्स) की कड़ाई से समीक्षा शुरू की गई है, और भवन निर्माण तथा अग्नि सुरक्षा मानकों के कथित उल्लंघन की सघन जांच की जा रही है।

केजीएमयू की कैंटीन में 'कॉकरोच पार्टी', फ्रीजर के अंदर घूम रहे कॉकरोच

जागरण मोर्चा कार्यालय

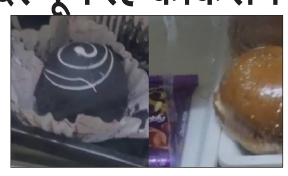

लखनऊ। राजधानी के एक प्रमुख सरकारी अस्पताल की कैंटीन में फ्रीजर के अंदर कॉकरोच मिलने का वीडियो वायरल होने के बाद खाद्य सुरक्षा और सफाई व्यवस्था पर सवाल उठे हैं। प्रशासन ने मामले का संज्ञान लेकर संचालक से जवाब मांगा है। जांच के बाद कार्रवाई की बात कही गई है।

केजीएमयू के शताब्दी फेज-2 की कैंटीन में कॉकरोच पॉटी चल रही है। कैंटीन में लगे फ्रीजर के अंदर कॉकरोच घूम रहे हैं। मरीजों और तीमारदारों की सेहत से खिलवाड़ हो रहा है। फ्रीजर में रखी खाने-पीने के सामानों पर कॉकरोच टहल रहे हैं। शुक्रवार को फ्रीजर में मौजूद कॉकरोच का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद कैंटीन की सफाई व्यवस्था पर सवाल खड़े हो गए हैं। शताब्दी फेज-1 और फेज-2 को जोड़ने वाले रैंप के पास कैंटीन है। इसमें रोजाना बड़ी संख्या में मरीज, तीमारदार और कर्मचारी खाने की सामग्री खरीदते हैं।

कई बार मरीजों के लिए भी यहीं से खाद्य सामग्री ले जाई जाती है। ऐसे में फ्रीजर में रखे सामान पर कॉकरोच की मौजूदगी से संक्रमण फैलने की आशंका बढ़ गई है। कैंटीन के कांच वाले फ्रीजर में केक, पेटीज, पेस्ट्री, सैंडविच समेत कई खाने का सामान रखा हुआ है। शुक्रवार को फ्रीजर के भीतर कॉकरोच घूमते नजर आए। तीमारदारों ने जब इस पर आपत्ति जताते हुए कैंटीन संचालक से शिकायत की।

आरोप है कि उन्होंने इसे गंभीरता से नहीं लिया। संचालकों ने यह कहकर बात टाल दी कि कॉकरोच से कुछ नहीं होता है। केजीएमयू प्रवक्ता डॉ. केके सिंह का कहना है कैंटीन के फ्रीजर में रखे सामान में कॉकरोच घूमने का वीडियो मिला है। संबंधित कैंटीन संचालक से जवाब तलब किया गया है। जांच कराकर कार्रवाई की जाएगी।

संक्रमण फैलने का खतरा मरीजों की देखभाल के लिए अस्पताल परिसर में साफ-सफाई और खाद्य सुरक्षा के मानकों का पालन बेहद जरूरी माना जाता है। कॉकरोच गंदगी और संक्रमण फैलाने वाले जीवों में शामिल हैं, जो भोजन को दूषित कर सकते हैं।

शांति एवं सौहार्द के साथ संपन्न हुआ मोहर्रम पर्व, जगह-जगह लगी शरबत की छबीलें

जागरण मोर्चा कार्यालय

मोहर्रम पर्व पर मुस्लिम समुदाय के लोगों ने गम और अकीदत के साथ ताजिया जुलूस निकाले। -जागरण मोर्चा

खटीमा। नगर एवं ग्रामीण क्षेत्रों में हजरत इमाम हुसैन की शहादत की याद में मनाया जाने वाला मोहर्रम पर्व शुक्रवार को शांतिपूर्ण और आपसी भाईचारे के वातावरण में संपन्न हुआ। पर्व के दौरान प्रशासन एवं पुलिस की कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच मुस्लिम समुदाय के लोगों ने गम और अकीदत के साथ ताजिया जुलूस निकाले। नगर के साथ ही मझोला, पचपेड़ा, कंचनपुरी, नौसर, गुलड़िया, हुल्करी, ढकिया, जमौर सहित विभिन्न ग्राम सभाओं से ताजिए निर्धारित मार्गों से होते हुए भैंहसा कर्बला पहुंचे। इस दौरान अकीदतमंदों ने "या हुसैन", "हुसैन का दामन नहीं छोड़ेंगे" और "नारा-ए-तकबीर, अल्लाहु अकबर" के नारों के साथ हजरत इमाम हुसैन को श्रद्धांजलि अर्पित की। कर्बला में पारंपरिक धार्मिक रीति-रिवाजों के अनुसार ताजियों को सुपुर्द-ए-खाक किया गया। मोहर्रम के अवसर पर नगर के विभिन्न स्थानों पर मीठे शरबत की छबीलें लगाकर श्रद्धालुओं एवं राहगीरों को शरबत, चना, खीर, बिरयानी, आइसक्रीम आदि का भी वितरण किया गया। मेले में हलवा-पराठा, चाट, पकौड़ी, खिलौनों सहित अन्य दुकानों पर भी लोगों की अच्छी-खासी भीड़ रही। इस अवसर पर मौलाना सद्दाम मदारी, मौलाना इलियास रजा, रियाज अहमद, यामीन, शकील अंसारी, ग्राम प्रधान ताहिर अंसारी, ग्राम प्रधान पति मुकेश सक्सेना सहित बड़ी संख्या में गणमान्य लोग मौजूद रहे। मोहर्रम जुलूस को सकुशल संपन्न कराने के लिए पुलिस प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद रहा। सत्रह मील चौकी प्रभारी राकेश राय, एडिशनल एसआई नाथ सिंह सहित भारी पुलिस बल पूरे समय तैनात रहा और सुरक्षा व्यवस्था पर लगातार नजर बनाए रखी।

खटीमा में गम-ए-हुसैन की गूंज

खटीमा। क्षेत्र में मुहर्रम के अवसर पर इमाम हुसैन की शहादत की याद में 'गम-ए-हुसैन' का आयोजन श्रद्धा और अकीदत के साथ किया गया। क्षेत्र के एक शिया परिवार द्वारा पिछले 13 वर्षों से लगातार आयोजित की जा रही इस परंपरा के तहत मजलिस-ए-अज़ा और मातम का आयोजन हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में अकीदतमंदों ने भाग लिया। कार्यक्रम में कर्बला के मैदान में इमाम हुसैन और उनके साथियों द्वारा दी गई महान कुर्बानी को याद करते हुए उनके संदेश—सत्य, न्याय और इंसानियत के लिए संघर्ष—पर प्रकाश डाला गया। आल इंडिया शिया पर्सनल लॉ बोर्ड (उत्तराखंड) के सदस्य सय्यद दानिश जान तिरमेज़ी ने कहा कि इमाम हुसैन की कुर्बानी किसी एक धर्म या समुदाय के लिए नहीं, बल्कि पूरी इंसानियत के लिए प्रेरणा है। उन्होंने कहा कि गोटिया में वर्षों से आयोजित यह कार्यक्रम आपसी भाईचारे, सामाजिक सौहार्द और इंसानियत का संदेश देने का माध्यम बना हुआ है।

दो दिवसीय भ्रमण के दौरान आम जनता व पार्टी कार्यकर्ताओं से मिले सीएम

जागरण मोर्चा कार्यालय

जन समस्याएं सुनते सीएम धामी। -जागरण मोर्चा

खटीमा। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी अपने दो दिवसीय भ्रमण के दौरान गुरुवार को खटीमा पहुंचे। इस दौरान लोहियाहेड हेलीपैड पर सीएम धामी का आम जनता एवं पार्टी के पदाधिकारीयों ने उनका फूल माला एवं पुष्प गुच्छ भेंटकर भव्य स्वागत किया। पार्टी कार्यकर्ताओं एवं जनप्रतिनिधियों से मुलाकात के दौरान सीएम धामी को तमाम समस्याओं से अवगत कराया गया। मुख्यमंत्री धामी ने यहां मौजूद अधिकारियों को आम लोगों की समस्याओं को तत्काल समाधान के लिए निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि सरकार आम जनता की समस्याओं को हल कराने में किसी तरह की कोताही नहीं बरतेगी। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष अजय मौर्य, मेयर दीपक बाली, नगर पालिका अध्यक्ष रमेश चंद्र जोशी, पूर्व विधायक डॉ प्रेम सिंह राणा , प्रेम सिंह टूरना, दर्जा राज्य मंत्री रामपाल सिंह, रंजीत सिंह नामधारी, किशन सिंह बिष्ट किन्ना, मोहनी पोखरिया, प्रदेश उपाध्यक्ष भाजयुमो सतीश भट्ट, रमेश जोशी, राजपाल सिंह, रंदीप पोखरिया, अमित पांडे, गौरव सोनकर, श्रीपाल राणा, रोहित छाबड़ा, रमेश सिंह राणा, भवानी भंडारी, नवीन पांडे, जिलाधिकारी नितिन भदोरिया, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अजय गणपति, बीसी जयकिशन, अपर जिलाधिकारी कौस्तुभ मिश्रा, उपजिलाधिकारी तुषार सैनी आदि मौजूद रहे। मुख्यमंत्री शुक्रवार सुबह 7:30 बजे लोहिया हेड स्थित हेलीपैड से पंतनगर के लिए रवाना हुए।

15 मौतों पर टीम ने LDA को सौंपी रिपोर्ट, अवैध मिली पूरी बिल्डिंग; आग से बचाव के नहीं थे उपाय

जागरण मोर्चा कार्यालय

लखनऊ। अलीगंज अग्निकांड की जांच रिपोर्ट में भवन को पूरी तरह अवैध बताया गया है। रिपोर्ट के अनुसार मानकों के विपरीत निर्माण, अग्नि सुरक्षा उपायों का अभाव, संकरा प्रवेश मार्ग और आवासीय भवन का व्यावसायिक उपयोग हादसे की प्रमुख वजह बने। जांच में निगरानी और प्रवर्तन स्तर पर भी लापरवाही सामने आई।

अलीगंज अग्निकांड में 15 लोगों की जान के जाने के बाद एलडीए की ओर से घटना की जांच को लेकर बनाई गई पांच सदस्यीय जांच समिति ने जांच पूरी कर रिपोर्ट एलडीए वीसी को सौंप दी है। इसमें हर तल पर मानक से अधिक निर्माण, सेट बैक का न छोड़ा जाना, आने जाने का रास्ता संकरा होने के साथ आगे से बचाव के उपाय न होने और भू उपयोग के विपरीत बिल्डिंग का उपयोग किए जाने को आग लगने के कारणों की प्रमुख वजह माना गया है।

आग लगने की घटना सोमवार दोपहर की है। इस दिन अलीगंज सेक्टर डी स्थित एक एनिमेशन सेंटर की बिल्डिंग में आग लगने से 15 लोगों की जान गई थी। इसके बाद जब एलडीए ने प्राथमिक जांच की तो पता चला कि बिल्डिंग पूरी तरह अवैध है।

एलडीए की ओर आवासीय मानचित्र पास किया गया था जबकि मौके पर उपयोग कामर्शियल किया जा रहा था। आग से बचाव को लेकर सेट बैक भी नहीं छोड़ा गया था। आने जाने का रास्ता एक था और वह भी संकरा था।

आक्रोश परीक्षा प्रणाली में पारदर्शिता सुनिश्चित कराने तथा शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग उठाई

नीट परीक्षा में अनियमितताओं के विरोध में कांग्रेस का प्रदर्शन, शिक्षा मंत्री का पुतला फूंका

जागरण मोर्चा कार्यालय

नीट परीक्षा में अनियमितताओं के विरोध में शिक्षा मंत्री का पुतला फूंकते कांग्रेसी।

खटीमा। नीट परीक्षा में कथित पेपर लीक और परीक्षा प्रणाली में अनियमितताओं के विरोध में शुक्रवार को खटीमा मुख्य चौक पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने जोरदार प्रदर्शन किया। खटीमा विधायक भुवन चंद्र कापड़ी एवं नानकमत्ता के विधायक गोपाल सिंह राणा के नेतृत्व में आयोजित प्रदर्शन के दौरान केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का पुतला दहन कर केंद्र सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। साथ ही परीक्षा प्रणाली में पारदर्शिता सुनिश्चित कराने तथा शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग उठाई गई।

प्रदर्शन को संबोधित करते हुए विधायक भुवन चंद्र कापड़ी ने आरोप लगाया कि प्रतियोगी परीक्षाओं में लगातार सामने आ रही अनियमितताओं से युवाओं का भविष्य प्रभावित हो रहा है। उन्होंने कहा कि पेपर लीक जैसी घटनाओं से लाखों अभ्यर्थियों का विश्वास परीक्षा प्रणाली से उठने लगा है। उन्होंने मांग की कि पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए तथा परीक्षा व्यवस्था को पारदर्शी और निष्पक्ष बनाया जाए। विधायक कापड़ी ने आरोप लगाया कि विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में बार-बार सामने आ रही अनियमितताओं के कारण युवाओं में असंतोष बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस युवाओं के हितों और उनके भविष्य की रक्षा के लिए संघर्ष जारी रखेगी।

प्रदर्शन में नानकमत्ता विधायक राणा ने कहा भाजपा सरकार प्रदेश व केंद्र में स्थिरता का माहौल बना रही है हिंदू मुस्लिम की राजनीति करने वाली सरकार देश देश को दिशाहीन करने लगी है।

इस दौरान प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य उमेश सिंह राठौर (बॉबी), कांग्रेस जिलाध्यक्ष हिमांशु गावा, जसविंदर बाजवा, पूर्व जिलाध्यक्ष युवा कांग्रेस नरेंद्र आर्य, ब्लॉक अध्यक्ष विनोद चंद, दीपक बिष्ट, पंकज मेहता, अरविंद कुमार, जसविंदर सिंह पप्पू सतपाल राणा, मान सिंह, कृष्णा नेगी, बीना राणा, राज किशोर सक्सेना, देवेंद्र कन्याल, नंदकिशोर राणा, गौर सिंह, जवाहर राणा, गौरव सिंह राणा, अशोक सिंह राणा, ताहिर, शादाब, दीपक चंद, जरीफ, तारिक, छोटेलाल यादव, मनोज कोहली, फईम सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता एवं स्थानीय नागरिक मौजूद रहे।

प्राइवेटकर्मियों पर आवेदकों से वसूली का दबाव बना रहीं डीएल एजेंसियां

जागरण मोर्चा कार्यालय

लखनऊ। ड्राइविंग लाइसेंस बनाने वाली एजेंसियां कर्मचारियों पर आवेदकों से वसूली का दबाव बना रही हैं। जिसकी शिकायतें सीएम कार्यालय पहुंची हैं। मामले की जांच की उम्मीद जताई जा रही है। इसमें डीएल एजेंसियों द्वारा कर्मचारियों से वसूली व उन्हें नौकरी से निकालने के मामलों की भी जांच शामिल होगी।

फोकाम, सिल्वर टच व रोजमार्टा, इन तीन एजेंसियों को परिवहन विभाग की ओर से प्रदेशभर में ड्राइविंग लाइसेंस बनाने, प्रिंट करने व आवेदकों को डिलीवर करने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। अव्वल तो कंपनी के प्रतिनिधियों ने नियमों की अनदेखी करते हुए 320 कर्मचारियों की भर्ती कर ली, जबकि 225 कर्मियों की नियुक्ति की जानी थी। कर्मचारियों से तीन से चार लाख रुपये की वसूली की गई। इसके बाद एजेंसी प्रतिनिधियों ने कर्मचारियों से सैलरी की धनराशि मांगी। जिन कर्मचारियों ने ऐसा करने से इनकार कर दिया, उन्हें नौकरी से निकाला जाने लगा। 45 कर्मियों को अब तक नौकरी से निकाल दिया गया है। इसी क्रम में अब निजी डीएल एजेंसियां प्राइवेटकर्मियों पर डीएल आवेदकों से वसूली का दबाव बना रही हैं। सीतापुर, लखीमपुर, कानपुर, मथुरा, मेरठ, बलिया, अयोध्या सहित 18 जिलों के कर्मचारियों ने इसकी शिकायत मुख्यमंत्री कार्यालय से की है। कर्मचारियों का कहना है कि उनसे डीएल बनवाने वाले आवेदकों से वसूली का दबाव बनाया जा रहा है, जिसके बाद मंथली इनकम मांगी जाएगी।

पालतू कुत्ते पर धारदार हथियार से किया हमला

जागरण मोर्चा कार्यालय

पूरनपुर। पालतू कुत्ते पर धारदार हथियार से हमला कर घायल कर दिया। उसका कसूर इतना था कि वह रो रहा था। घायल कुत्ते को मेडिकल के लिए पशु चिकित्सालय भेजा गया है। तहरीर कोतवाली पुलिस को देकर कार्रवाई की मांग की है। नगर के मोहल्ला कायस्थान निवासी राज शर्मा परिवार ने कुत्ते को पालतू बना रखा है। शुक्रवार को वह किसी कारणवश कुत्ता लगातार रो रहा था। आरोप है कि कुत्ते के रोने से नाराज होकर कुछ लोगों ने पहले उसे भगाने का प्रयास किया। लेकिन जब वह नहीं हटा तो उस पर धारदार हथियार से हमला कर दिया। हमले में कुत्ते के शरीर पर गंभीर चोटें आईं और वह लहूलुहान होकर वहीं गिर पड़ा। उसकी चीख-पुकार सुनकर आसपास के लोग पहुंच गए। जिसके बाद आरोपी मौके से चले गए। जानकारी मिलने पर परिवार के लोग घायल कुत्ते को लेकर पूरनपुर कोतवाली पहुंचे,और मामले की तहरीर पुलिस को दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर पूरे घटनाक्रम की जानकारी ली। इसके बाद घायल कुत्ते को मेडिकल परीक्षण के लिए राजकीय पशु चिकित्सालय भिजवाया। पशु चिकित्सकों ने उसका उपचार शुरू कर दिया है। तहरीर देकर कार्यवाही की मांग की है। पुलिस ने बताया कि पीड़ित पक्ष की शिकायत के आधार पर मामले की जांच की जा रही है। घटनास्थल के आसपास मौजूद लोगों से भी पूछताछ की जा रही है। यदि जांच में आरोप सही पाए जाते हैं तो संबंधित लोगों के खिलाफ पशु क्रूरता और अन्य लागू कानूनी प्रावधानों के तहत कार्रवाई की जाएगी। पुलिस जांच पडताल कर रही है।

परचून की दुकान पर बीयर बेचने की सूचना पर पहुंची आबकारी टीम पर किया हमला

आबकारी इंस्पेक्टर की वर्दी फाड़ कर बीयर छीनकर हुए फरार, मुकदमा दर्ज

जागरण मोर्चा कार्यालय

आबकारी विभाग से होती नोकझोंक व भाग रहे लोग। -जागरण मोर्चा

पूरनपुर। परचून की दुकान पर अवैध बीयर बेचने की सूचना पर पहुंची आबकारी टीम पर महिलाओं ने हमला किया। इंस्पेक्टर की वर्दी फाड़ कर बीयर छीनकर फरार हो गईं। मामले में माधोटांडा पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है। माधोटांडा थाना क्षेत्र के सिमरा ताल्लुके महाराजपुर गांव में परचून की दुकान पर अवैध रूप से बीयर की बिक्री की जा रही है। आबकारी इंस्पेक्टर डॉ. दीपक राय के नेतृत्व में वृहस्पतिवार शाम को कच्ची शराब के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के दौरान टीम को सूचना मिली,जिस पर आबकारी विभाग की टीम सिमरा गांव पहुंची। गांव के मोतीचंद पुत्र बैजनाथ अपनी परचून की दुकान पर अवैध रूप से बीयर बेच रहा है। टीम को मौके से बीयर की 10 केन बरामद हुईं। लाइसेंस मांगे जाने पर दुकानदार कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सका, जिसके बाद टीम ने बीयर को कब्जे में ले लिया। इसी दौरान दुकानदार के परिवार की दो महिलाएं मौके पर पहुंच गईं। उन्होंने बीयर की केनों से भरी बोरी छीनने का प्रयास करते हुए आबकारी टीम से हाथापाई कर दी। महिलाओं ने आबकारी इंस्पेक्टर की वर्दी फाड़ दी। मोतीचंद ने भी डंडा लेकर टीम पर हमला करने का प्रयास किया। काफी देर तक खींचतान के बाद महिलाएं बरामद बीयर की बोरी लेकर मौके से फरार हो गईं। सूचना पर माधोटांडा पुलिस मौके पर पहुंची, लेकिन तब तक दुकानदार और उसके परिवार के लोग दुकान बंद कर फरार हो चुके थे। आबकारी इंस्पेक्टर ने सरकारी कार्य में बाधा, मारपीट और अवैध शराब बिक्री समेत विभिन्न धाराओं में कार्रवाई के लिए पुलिस को तहरीर दी है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। आबकारी इंस्पेक्टर डॉ.दीपक राय ने बताया कि दुकान से अवैध रूप से बीयर की केन बरामद हुई थीं। कार्रवाई के दौरान टीम के साथ हाथापाई कर सरकारी कार्य में बाधा पहुंचाई गई।

सार संक्षेप

रोटरी क्लब ने कचहरी तिराहे पर किया शांति स्तंभ का लोकार्पण

शांति स्तंभ का लोकार्पण करते रोटरी क्लब के लोग। -जागरण मोर्चा

पीलीभीत। विश्व शांति का संदेश देने के उद्देश्य से रोटरी क्लब पीलीभीत ने स्थानीय कचहरी तिराहे पर शांति के प्रतीक कबूतर की छवि वाले शांति स्तंभ का लोकार्पण कराया। मंडल गवर्नर राजेन विद्यार्थी एवं नगर मजिस्ट्रेट विजय वर्धन तोमर ने वैदिक पूजा-अर्चना और नारियल फोड़कर इसका शुभारंभ किया। क्लब अध्यक्ष डॉ. अनिल सक्सेना ने बताया कि यह शांति स्तंभ रोटेरियन डी.सी. शुक्ला के सहयोग से स्थापित किया गया है। कार्यक्रम में वक्ताओं ने रोटरी क्लब के इस प्रयास की सराहना की। संयोजक डॉ. एस.पी.एस. संधू ने अतिथियों का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर जिला समाज कल्याण अधिकारी चंद्र मोहन बिश्नोई सहित रोटरी क्लब के अनेक पदाधिकारी और सदस्य मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री के प्रस्तावित दौरे की तैयारियों का डीएम-एसपी ने लिया जायजा

मुख्यमंत्री योगी के दौरे से पूर्व तैयारी का निरीक्षण करके डीएम व एसपी।

पीलीभीत। मुख्यमंत्री के प्रस्तावित दौरे को लेकर जिलाधिकारी ज्ञानेंद्र सिंह और पुलिस अधीक्षक सुकीर्ति माधव ने बरखेड़ा विधानसभा क्षेत्र के ग्राम पतरासा कुंवरपुर पहुंचकर तैयारियों का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने मंच, पेयजल, बैरिकेडिंग, वाटरप्रूफ पंडाल, विद्युत, यातायात, साफ-सफाई, मैदान के समतलीकरण, पार्किंग और हेलीपैड सहित अन्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को सभी कार्य निर्धारित समय सीमा में गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण कराने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान विधायक स्वामी प्रवक्तानंद, विधायक विवेक वर्मा, भाजपा जिलाध्यक्ष गोकुल प्रसाद मौर्य, अपर जिलाधिकारी (वि./रा.) प्रसून द्विवेदी, नगर मजिस्ट्रेट विजयवर्धन तोमर सहित जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी मौजूद रहे।

दुकान से खींच कर दुकानदार को पीटा, मुकदमा

पूरनपुर। दुकानदार को खींच कर मारा पीटा। दांतों से कई जगह काट कर जख्म कर दिए। पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया है। घुंघचाई थाना क्षेत्र के गांव जमुनिया जगतपुर निवासी राजकुमार ने बताया कि उसकी डूंडा गांव में दुकान है। 25 जून की शाम करीव चार बजे वह अपने दुकान पर बैठकर अपना मोबाइल देख रहा था। इसी दौरान गांव निवासी रघुवीर उसके पास पहुंचा और मोबाइल देखने से रोकने लगा। जब उसने इसका विरोध किया तो उसने गाली गलौज शुरू कर दी। मना करने पर उसको दुकान से खींच लिया और जमीन पर पटक दिया। इसके बाद लात घूंसों से मारा पीटा। इसके बाद उसने अपने दांतों से दुकानदार के शरीर पर कई जगह पर काटकर उसको घायल कर दिया। उसके मुंह पर घूंसा मार दिया। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। तहरीर के आधार पर पुलिस ने रघुवीर के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। थाना प्रभारी राजीव कुमार ने बताया मामले में मुकदमा पंजीकृत कर लिया गया है।

पूरनपुर क्षेत्र के गांवों में निकाले गए ताजिए, उमड़ी भीड़

जागरण मोर्चा कार्यालय

एक गांव में सजाए गए ताजिए। -जागरण मोर्चा

पूरनपुर। मोहर्रम के अवसर पर शुक्रवार को क्षेत्र के गांव गोपालपुर, गुलड़िया भूपसिंह और सिकरहना सहित कई जगहों पर परंपरागत श्रद्धा और अकीदत के साथ ताजिए निकाले गए। ताजियों के जुलूस में बड़ी संख्या में अकीदतमंद शामिल हुए, जबकि आसपास के गांवों से भी लोग ताजिए देखने पहुंचे। पूरे क्षेत्र में धार्मिक आस्था और सौहार्द का माहौल देखने को मिला। सुबह से ही गांवों में ताजियों को अंतिम रूप देने का कार्य चलता रहा। दोपहर बाद निर्धारित समय पर ताजिए इमामबाड़ों से निकाले गए। जुलूस अपने पारंपरिक मार्गों से होता हुआ कर्बला तक पहुंचा, जहां धार्मिक रीति-रिवाजों के अनुसार ताजियों को सुपुर्द-ए-खाक किया गया। जुलूस के दौरान या हुसैन की सदाएं गूंजती रहीं और अकीदतमंदों ने मातम कर अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की। ताजियों की आकर्षक सजावट लोगों के आकर्षण का केंद्र रही। रंग-बिरंगी रोशनी, कारीगरी और पारंपरिक डिजाइन वाले ताजिए देखने के लिए महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों सहित बड़ी संख्या में लोग मार्गों पर मौजूद रहे। कई स्थानों पर लोगों ने जुलूस का स्वागत करते हुए पेयजल और शरबत की व्यवस्था भी की। शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस और प्रशासन पूरी तरह सतर्क रहा। जुलूस मार्गों पर पर्याप्त संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया। अधिकारियों ने भी समय-समय पर भ्रमण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। पूरे कार्यक्रम के दौरान कहीं से भी किसी अप्रिय घटना की सूचना नहीं मिली और ताजियों का जुलूस शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हुआ।

सर्जरी, मेडिसिन समेत कई विभागों को मिले 17 सीनियर रेजीडेंट

जागरण मोर्चा कार्यालय

पीलीभीत। मेडिकल कॉलेज सहित जिला अस्पताल के सर्जरी, मेडिसिन समेत कई विभागों को 17 सीनियर रेजीडेंट मिले हैं। इससे जहां स्वास्थ्य सेवाओं और सुविधाओं में सुधार होगा। वहीं, मरीजों को उपचार में भी राहत मिलेगी।

ओपीडी व आईपीडी के लिए मेडिकल कॉलेज को नए 17 एसआर (सीनियर रेजीडेंट) चिकित्सक मिले हैं। यह चिकित्सक दो वर्ष के अनुबंध पर मेडिकल कॉलेज व जिला अस्पताल में अपनी सेवाएं देंगे। जिला अस्पताल में अब परामर्श से लेकर भर्ती तक के लिए मरीजों को दिक्कत नहीं होगी।

मेडिकल कॉलेज में पूर्व से सृजित 46 सीनियर रेजीडेंट चिकित्सक के पद थे, लेकिन इन पर अब तक सिर्फ 24 चिकित्सकों की ही तैनाती थी। आधे पद खाली रहने के कारण 24 चिकित्सकों पर भार रहता था। मरीजों को भी कई बार समय पर इलाज नहीं मिल पाता था। इसको लेकर पूर्व में चिकित्सक के अभाव में मरीजों द्वारा इलाज नहीं मिलने की शिकायतें भी की जा चुकी थीं।

हाल ही में मेडिकल कॉलेज के लिए शासन की ओर से 17 पदों पर दो साल के अनुबंध पर चिकित्सकों की भर्ती की गई। इसमें मेडिकल कॉलेज में सर्जरी विभाग में तीन, मेडिसिन में दो, आँखों में दो, स्त्री रोग में दो, बाल रोग में दो, एनस्थीसिया में एक, फिजियोलॉजी में दो, फॉर्माकोलॉजी में दो, कम्यूनिटी मेडिसिन में एक पद पर चिकित्सकों की नियुक्ति हुई है।

गन्ने की सिंचाई कर रहे युवक की करंट से मौत

जागरण मोर्चा कार्यालय

मौके पर पुलिस जांच करती हुई। -जागरण मोर्चा

पूरनपुर। गन्ने के खेत में सिंचाई कर रहे एक युवक की बिजली का करंट लगने से मौके पर ही मौत हो गई। घटना से परिजनों में कोहराम मच गया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।

थाना सेहरामऊ उत्तरी क्षेत्र के गांव महुआगुंदे निवासी विकास शुक्ला का त्रेतानाथ मंदिर के पास खेत है। खेत में गन्ने की फसल खड़ी है। शुक्रवार को वह गन्ने के खेत में सिंचाई कर रहा था। इसी दौरान अचानक वह बिजली करंट के चपेट में आ गया। करंट लगते ही वह गंभीर रूप से झुलसकर जमीन पर गिर पड़ा। आसपास मौजूद अन्य किसानों और ग्रामीणों ने घटना देख शोर मचाया और उसे बचाने का प्रयास किया,लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। घटना की सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर एकत्र हो गए। परिजन भी रोते-बिलखते खेत पर पहुंचे,जहां शव देखकर उनका बुरा हाल हो गया। सूचना पर थाना सेहरामऊ उत्तरी पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण किया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा की कार्रवाई पूरी करते हुए पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और आसपास के लोगों से पूछताछ की जा रही है।

इसी बीच सूचना पाकर क्षेत्रीय विधायक भी मौके पर पहुंचे। उन्होंने मृतक के परिजनों से मुलाकात कर गहरी संवेदना व्यक्त की और हर संभव सहायता का आश्वासन दिया।

थानाध्यक्ष संजय कुमार ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। घटना से परिवार में कोहराम मचा हुआ है। जिनका रो रो कर बुराहाल है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि बिजली व्यवस्था की जांच कर भविष्य में इस तरह की घटनाओं को रोकने के लिए ठोस कदम उठाए जाएं।

घुंघचाई-बंडा हाईवे पर लगा पयाऊ देर शाम तक चला

पूरनपुर। घुंघचाई-बंडा हाईवे पर जनकापुर के पास शुक्रवार को भीषण गर्मी और उमस के बीच राहगीरों को राहत पहुंचाने के उद्देश्य से ठंडे मीठे पानी और शरबत का प्याऊ लगाया गया। प्याऊ में बड़ी संख्या में राहगीरों, वाहन चालकों, मजदूरों और स्थानीय लोगों ने पहुंचकर शरबत का सेवन किया तथा आयोजकों के इस जनसेवा कार्य की सराहना की। आयोजकों ने बताया कि गर्मी के मौसम में राहगीरों को शुद्ध एवं ठंडा पेयजल उपलब्ध कराना पुण्य का कार्य है। इसी उद्देश्य से प्याऊ का आयोजन किया गया, ताकि सफर के दौरान लोगों को प्यास से राहत मिल सके। सुबह से शुरू हुए इस सेवा कार्य में लोगों को ठंडा मीठा पानी और शरबत वितरित किया गया। कस्बे के मुख्य अड्डे पर दिनभर लोगों की आवाजाही बनी रहती है। ऐसे में प्याऊ लगने से यात्रियों और राहगीरों को काफी सुविधा मिली। कई लोगों ने रुककर शरबत पिया और आयोजकों का आभार व्यक्त किया। गर्मी से परेशान लोगों को ठंडा शरबत मिलने पर उनके चेहरों पर राहत दिखाई दी। राहगीरों को शरबत वितरित किया और गर्मी के मौसम में लोगों को राहत पहुंचाने का प्रयास किया। प्याऊ देर शाम तक चलता रहा, जहां सैकड़ों लोगों ने ठंडे मीठे पानी और शरबत का लाभ उठाया।

'या हुसैन' की सदाओं के बीच गमगीन माहौल में मनाया गया मुहर्रम, अमन-चैन के साथ निकले ताजिया जुलूस

जागरण मोर्चा कार्यालय

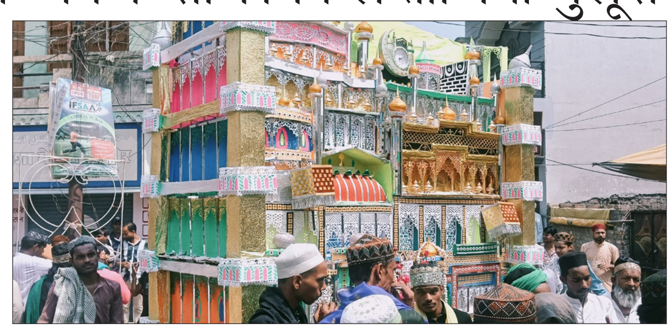

मुहर्रम पर तैयार ताजिये। -जागरण मोर्चा

पीलीभीत। जनपद में दसवीं मुहर्रम (यौमे आशूरा) पर हजरत इमाम हुसैन और कर्बला के 72 शहीदों की याद में श्रद्धा और गम के साथ मुहर्रम मनाया गया। 'या हुसैन' की सदाओं के बीच विभिन्न क्षेत्रों से ताजिया और अलम के जुलूस निकाले गए। अजादारों ने मातम कर इमाम हुसैन को खिराज-ए-अकीदत पेश किया, जबकि उलेमा ने अपने संबोधनों में कर्बला की कुर्बानी को इंसानियत, सब्र और इंसाफ का पैगाम बताया। जुलूस मार्गों पर विभिन्न सामाजिक संगठनों और लोगों ने शर्बत की सबीलें एवं लंगर लगाए, जहां सभी धर्मों के लोगों को ठंडा पानी और शर्बत वितरित किया गया। निर्धारित मार्गों से निकले ताजियों को परंपरागत रूप से कर्बला में सुपुर्द-ए-खाक किया गया। मोहर्रम को लेकर जिला प्रशासन पूरी तरह सतर्क रहा। पुलिस अधीक्षक सुकीर्ति माधव और जिलाधिकारी ज्ञानेन्द्र सिंह ने संवेदनशील क्षेत्रों तथा ड्यूटी प्वाइंटों का निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। अधिकारियों ने पुलिस बल को पूरी मुस्तैदी के साथ ड्यूटी करने और अफवाहों पर तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए। जनपद में 10 फीट से अधिक ऊंचे ताजियों पर रोक रही तथा शांतिपूर्ण माहौल में सभी कार्यक्रम संपन्न हुए। पूरनपुर। जुलूसों के साथ सबीलें और लंगर लगाए गए। जुमे की नमाज के दौरान कुछ इमामों ने अपने संबोधन में ढोल-ताशों के साथ होने वाली ताजियादारी पर आपत्ति जताई। वहीं कुछ युवाओं ने आला हजरत के फतवों के हवाले से पोस्टर लगाकर लोगों को जागरूक करने का प्रयास किया। उलेमा ने तकरीरें भी कीं। शेरपुर कलां। धनारा घाट मेन रोड पर पूर्व प्रधान नाजिया खानम के शिविर में उनके पुत्र और बच्चों की टीम ने भीषण गर्मी के बीच राहगीरों को शर्बत पिलाया। जनपद के कई स्थानों पर सबीलें, लंगर और धार्मिक तकरीरों का आयोजन हुआ तथा मुहर्रम का पर्व आपसी भाईचारे और अमन-चैन के माहौल में संपन्न हुआ।

केले के पेड़ के विवाद में पिता पुत्र को पीटा, केस दर्ज

पूरनपुर। केले के पेड़ को लेकर हुए विवाद में पिता पुत्र को पीटकर घायल कर दिया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया है। घुंघचाई थाना क्षेत्र के गांव दिलावरपुर निवासी जवाहर लाल ने बताया कि पड़ोस के रहने वाले फूलचंद ने उसकी दीवार व पड़ोसी की दीवार के किनारे केले के पेड़ लगा दिए। 24 जून को सुबह जब उसने विरोध किया तो फूलचंद,धर्मवीर,अवनीश और ओमकार लाठी डंडे लेकर उसके दरवाजे पर आकर गाली गलौज करने लगे, विरोध करने पर सभी लोगों ने मिलकर जवाहरलाल को मारा पीटा। बचाने आए पुत्र संतोष को भी लाठी डंडों से मारा पीटा। घायल थाने पहुंचे और पुलिस को तहरीर दी। पुलिस ने घायलो को मेडिकल के लिए पूरनपुर सीएचसी भेजा। तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया है।

लापरवाही | फार्मासिस्ट- लैब टेक्नीशियन के बिना चल रहा अस्पताल

दियोरिया सीएचसी में इलाज नहीं, सिर्फ खानापूर्ति

जागरण मोर्चा कार्यालय

दियूरिया सीएचसी में बंद पडा एक्सरे कक्ष। -जागरण मोर्चा

दियोरिया। सरकार ग्रामीण क्षेत्रों में बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के लाख दावे करे, लेकिन दियोरिया सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) की हकीकत इन दावों पर सवाल खड़े कर रही है। करोड़ों रुपये की लागत से तैयार भव्य अस्पताल भवन आज बुनियादी स्वास्थ्य सुविधाओं के अभाव में महज शोपीस बनकर रह गया है। यहां इलाज के नाम पर केवल खानापूर्ति हो रही है और मरीजों को सुविधाओं के बजाय परेशानियां मिल रही हैं। सबसे गंभीर स्थिति यह है कि अस्पताल में फार्मासिस्ट और लैब टेक्नीशियन के पद खाली पड़े हैं।

डॉक्टर मरीजों की जांच तो लिख देते हैं, लेकिन लैब टेक्नीशियन न होने के कारण जांच नहीं हो पाती। मजबूरन मरीजों को निजी पैथोलॉजी लैब में जाकर अपनी जेब ढीली करनी पड़ती है। आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के लिए यह अतिरिक्त खर्च किसी बड़ी मुसीबत से कम नहीं है। इतना ही नहीं, अस्पताल की एक्स-रे सेवा भी अक्सर ठप रहती है। एक्स-रे कर्मचारी की ड्यूटी विभिन्न स्वास्थ्य शिविरों में लगाए जाने के कारण अस्पताल आने वाले मरीजों को समय पर एक्स-रे की सुविधा नहीं मिल पाती। हड्डी संबंधी चोट या दुर्घटना के मामलों में मरीजों को निजी केंद्रों का सहारा लेना पड़ता है। प्रतिदिन 100 से 150 मरीज इलाज की उम्मीद लेकर इस अस्पताल में पहुंचते हैं, लेकिन आवश्यक कर्मचारियों की कमी के चलते उन्हें निराश लौटना पड़ता है। फार्मासिस्ट न होने से दवाओं के वितरण की व्यवस्था भी प्रभावित हो रही है, जिससे मरीजों की मुश्किलें और बढ़ गई हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि जब अस्पताल में जरूरी स्टाफ ही उपलब्ध नहीं है तो करोड़ों रुपये की इमारत का क्या लाभ? लोगों ने स्वास्थ्य विभाग के उच्च अधिकारियों से मांग की है कि अस्पताल में तत्काल फार्मासिस्ट, लैब टेक्नीशियन तथा अन्य आवश्यक कर्मचारियों की नियुक्ति कर एक्स-रे और जांच सेवाएं नियमित रूप से शुरू कराई जाएं, ताकि क्षेत्र की जनता को सरकारी अस्पताल में ही बेहतर और सुलभ उपचार मिल सके।अब बड़ा सवाल यह है कि जब सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में ही बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध नहीं होंगी, तो ग्रामीण जनता आखिर इलाज के लिए किस पर भरोसा करे?

गोमती उद्गम तीर्थ पर ग्रीष्मकालीन महोत्सव का समापन, छात्र-छात्राएं सम्मानित

ग्रीष्मकालीन महोत्सव में सम्मानित होते छात्र- छात्राएं। -जागरण मोर्चा

जागरण मोर्चा कार्यालय

माधोटांडा। गोमती उद्गम तीर्थ पर 22 जून से चल रहे मां गोमती ग्रीष्मकालीन महोत्सव-2026 का शुक्रवार को समारोहपूर्वक समापन हो गया। मुख्य विकास अधिकारी सतीश प्रसाद मिश्रा ने विभिन्न प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को पुरस्कृत किया। इस अवसर पर 82 गोमती मित्रों की घोषणा करते हुए उन्हें परिचय पत्र और टी-शर्ट प्रदान की गई। रासलीला मंडली की मनमोहक प्रस्तुतियों, कवियों के काव्यपाठ और संध्याकालीन गोमती महाआरती ने कार्यक्रम को भव्य बनाया। समापन समारोह में प्रशासनिक अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों, गोमती ट्रस्ट के पदाधिकारियों और बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया।

12 फीट की सीमा बनी वजह, बहेड़ी में नहीं निकले नगर के मुख्य ताजिए

जागरण मोर्चा कार्यालय

बहेड़ी। मोहर्रम पर ताजियों की ऊंचाई अधिकतम 12 फीट रखने के शासन के आदेश का असर शुक्रवार को बहेड़ी नगर में साफ दिखाई दिया। नगर के वर्षों पुराने और प्रमुख ताजिए इस बार जुलूस में शामिल नहीं हुए। ताजिए अपने-अपने इमामबाड़ों में ही रखे रहे, जबकि नैनीताल रोड पर हर वर्ष लगने वाला पारंपरिक मेला भी आयोजित नहीं हुआ। पूरे नगर में दिनभर इस निर्णय की चर्चा होती रही।

नगर के प्रमुख ताजियों में बाज़ार वाला ताजिया, मोहल्ला टांडा स्थित इमामबाड़ा वाला ताजिया तथा मोहल्ला टांडा के अब्दुल्ला चौधरी का ताजिया इस बार बाहर नहीं निकाला गया। अचानक जारी हुए शासन के आदेश के चलते ताजियों की ऊंचाई निर्धारित सीमा तक कम करना संभव नहीं हो सका, जिसके चलते सभी प्रमुख ताजिया कमेटियों ने आपसी सहमति से ताजिए नहीं निकालने का निर्णय लिया। अब्दुल्ला चौधरी के ताजिए पर मौजूद सदर खालिद चौधरी ने बताया कि शासन का आदेश अचानक प्राप्त हुआ। इतने कम समय में ताजिए की ऊंचाई 12 फीट तक कम करना संभव नहीं था। इसलिए नगर के सभी प्रमुख ताजिए

उप जिलाधिकारी तहसीलदार तथा इंस्पेक्टर। -जागरण मोर्चा

अपनी मर्जी से नहीं निकाले गए और इमामबाड़ों में ही रखे गए। उधर, किसी भी प्रकार की अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए प्रशासन पूरी तरह सतर्क रहा।

अब्दुल्ला चौधरी के ताजिए पर एडीएम इशिता किशोर, कोतवाल दिनेश कुमार, तहसीलदार भानू प्रताप सिंह सहित भारी पुलिस बल तैनात रहा। नगर के संवेदनशील क्षेत्रों में भी पुलिस और प्रशासन की लगातार निगरानी रही। हालांकि पूरे दिन माहौल शांतिपूर्ण बना रहा और कहीं से किसी प्रकार की अप्रिय घटना की सूचना नहीं मिली।

सार संक्षेप

कर्बला शरीफ में आबिद रज़ा का कैम्प, आशुरे पर रोज़ा रखकर किया लंगर वितरण

बदायूं। मुहर्रम की 10वीं तारीख (आशुरा) के मौके पर पूर्व मंत्री आबिद रज़ा की ओर से कबूलपुरा स्थित कर्बला शरीफ में हर वर्ष की तरह इस साल भी सेवा कैम्प लगाया गया। कैम्प में पहुंचकर आबिद रज़ा ने कर्बला शरीफ में ज़ियारत करने आए जायरीन से मुलाकात की और खुद रोज़ा रखकर लंगर वितरण किया। बताया गया कि पिछले 22 वर्षों से वह लगातार आशुरा के दिन कर्बला में कैम्प लगाकर सेवा कार्य करते आ रहे हैं। इस दौरान उन्होंने हजरत इमाम हुसैन की कुर्बानियों को याद करते हुए कहा कि मैदान–ए–कर्बला में जुल्म के खिलाफ हक और सच्चाई के लिए इमाम हुसैन और उनके 72 साथियों की शहादत हमेशा अमर रहेगी। आबिद रज़ा ने खासतौर पर मुस्लिम युवाओं से अपील की कि हजरत इमाम हुसैन ने कठिन परिस्थितियों में भी नमाज़ को नहीं छोड़ा, जो नमाज़ की अहमियत को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि युवाओं को हर हाल में नमाज़, रोज़ा और अल्लाह के बताए रास्ते पर चलना चाहिए। सच और हक के लिए खड़े होना और झूठ, धोखा व बेईमानी से दूर रहना ही असली रास्ता है। उन्होंने देश में आपसी भाईचारे पर जोर देते हुए कहा कि हिंदू–मुस्लिम एकता और आपसी मोहब्बत से ही देश की तरक्की संभव है। इस मौके पर उनके पुत्र दयान रज़ा व अदान रज़ा समेत सभासद अबरार, नवेद, मुशाहिद, हारून, अफसर अली, अनीस सिद्दीकी, यूनुस अल्वी, बब्लू, कौसर अली, फईम, मिन्टू, पप्पन भाई सहित सैकड़ों लोग मौजूद रहे।

आशुरे पर सेवा और भाईचारे का संदेश, 22 साल से जारी है परंपरा

बदायूं। मुहर्रम के अवसर पर कबूलपुरा स्थित कर्बला शरीफ में पूर्व मंत्री आबिद रज़ा द्वारा लगाए गए सेवा कैम्प में बड़ी संख्या में जायरीन पहुंचे। उन्होंने रोज़ा रखकर खुद लंगर वितरित किया और लोगों से मुलाकात कर उनका हालचाल जाना। आबिद रज़ा ने अपने संबोधन में कहा कि हजरत इमाम हुसैन की शहादत इंसानियत, सच्चाई और न्याय के लिए सबसे बड़ी मिसाल है। उन्होंने कहा कि आज समाज में जो समस्याएं हैं, उनकी बड़ी वजह इंसान का अपने ईमान से दूर होना है। अगर इंसान अल्लाह से डरते हुए उसके बताए रास्ते पर चले तो समाज में सुधार संभव है। उन्होंने मुस्लिम समाज से नमाज़ और रोज़े की पाबंदी करने की अपील की और कहा कि सच्चाई और ईमानदारी अपनाकर ही समाज में सम्मान पाया जा सकता है। साथ ही उन्होंने देश में एकता और भाईचारे का संदेश देते हुए कहा कि सभी धर्मों के लोग मिल–जुलकर रहें, तभी देश प्रगति करेगा। इस अवसर पर दयान रज़ा, अदान रज़ा सहित कई गणमान्य लोग और सैकड़ों श्रद्धालु मौजूद रहे।

बाइक-टेंपो की टक्कर के बाद दो पक्षों में पथराव, 9 हिरासत में

बदायूं। थाना इस्लामनगर क्षेत्र के कस्बा इस्लामनगर स्थित मोहल्ला कुरैशियां में शुक्रवार को मोटरसाइकिल और टेंपो की टक्कर के बाद दो पक्षों में जमकर विवाद हो गया। देखते ही देखते मामला बढ़कर पथराव तक पहुंच गया, जिसमें पांच लोग घायल हो गए। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए नौ लोगों को हिरासत में लिया है। जानकारी के अनुसार, एक टेंपो चालक मछली लेकर मोहल्ला कुरैशियां आया था, जहां उसका टेंपो यावर पुत्र कल्लू की बाइक से टकरा गया। दोनों पक्षों में पहले बाइक मरम्मत को लेकर सहमति बनी, लेकिन तुरंत मरम्मत कराने को लेकर विवाद शुरू हो गया। इसी बीच दूसरे पक्ष के याकूब द्वारा टेंपो चालक का समर्थन करने पर मामला और बढ़ गया। विवाद के दौरान दोनों पक्षों के बीच पथराव हुआ, जिसमें आरिफ, आमिर, इमरान, बबलू और फारुख घायल हो गए। घायलों को सीएचसी रुदायन भेजा गया, जहां से तीन की हालत गंभीर होने पर जिला अस्पताल रेफर किया गया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों पक्षों के नौ लोगों को हिरासत में लेकर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी।

सवा सौ साल पुराना तख्त बना आस्था की पहचान मोहर्रम में हजारों अकीदतमंद चढ़ाते हैं मन्नत

कोहड़ापीर पर स्थापित 13 फीट ऊंचा तख्त, बिना कील के लकड़ी से निर्मित, 10 कुंटल से अधिक है वजन

जागरण मोर्चा कार्यालय

बरेली। पिछले सवा सौ वर्षों से भी अधिक समय से मोहर्रम के दौरान आस्था का केंद्र बना हुआ कोहड़ापीर क्षेत्र का ऐतिहासिक तख्त आज भी अपनी परंपरा और विशेषताओं के कारण अलग पहचान रखता है। बरेली के कोहड़ापीर इलाके में अलका होटल के सामने स्थापित यह तख्त हर वर्ष मोहर्रम के मौके पर हजारों अकीदतमंदों को अपनी ओर आकर्षित करता है, जो यहां मन्नतें चढ़ाकर अपनी श्रद्धा व्यक्त करते हैं।

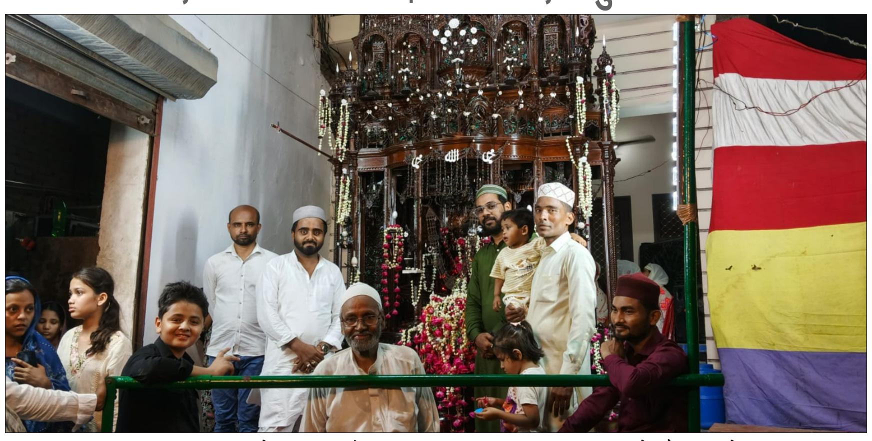

करीब 13 फीट ऊंचा यह तख्त अपनी भव्यता के साथ-साथ अनोखी बनावट के लिए भी जाना जाता है। इस वर्ष प्रशासन द्वारा तख्तों की ऊंचाई की सीमा तय किए जाने के कारण कई तख्तों को अपनी जगह पर ही रोक दिया गया, लेकिन यह ऐतिहासिक तख्त नियमों के बावजूद अपनी परंपरा के अनुसार शामिल रहा। इसका मुख्य कारण यह है कि यह तख्त कभी उठाया नहीं जाता, बल्कि वर्षों से अपनी उसी जगह पर स्थापित रहता है। इस तख्त का वजन लगभग 10 कुंटल से अधिक बताया जाता है। पूरी तरह लकड़ी से बने इस तख्त की खासियत यह है कि इसमें एक भी कील का इस्तेमाल नहीं किया गया है। कारीगरी का उत्कृष्ट उदाहरण माने जाने वाले इस तख्त में साढ़े सात तोला शुद्ध शीशम से तराशा गया बिना पॉलिश का रानी हार भी शामिल है, जो इसे और भी विशिष्ट बनाता है।

मान्यता है कि इस तख्त पर सच्चे मन से मांगी गई मन्नतें पूरी होती हैं। इसी विश्वास के चलते हर साल मोहर्रम के दौरान दूर-दराज से लोग यहां पहुंचते हैं। पहले इस तख्त की जिम्मेदारी मुत्तवली हाजी रफीक अहमद के पास थी। वर्तमान में साईम नवी और सुहेल अंसारी इसकी देखरेख कर रहे हैं और परंपराओं को आगे बढ़ा रहे हैं। यह ऐतिहासिक तख्त न केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक है, बल्कि बरेली की सांस्कृतिक और ऐतिहासिक विरासत का भी महत्वपूर्ण हिस्सा माना जाता है।

ग़मगीन माहौल में अखाड़ों के करतबों के साथ कर्बला में दफन हुए ताजिए

जागरण मोर्चा कार्यालय

बदायूं। कस्बे में मोहर्रम माह के दसवें दिन यौम-ए-आशूरा पर गमगीन माहौल में ताजिए निकाले गए। शिया समुदाय के लोगों ने मातम मनाते हुए और असरा मनाकर इमाम हुसैन को याद किया। जुलूस में शामिल अखाड़ों में अजादार गदगा, लाठी और अन्य पारंपरिक हथियारों से हैरतअंगेज करतब दिखाते हुए चल रहे थे। इस दौरान मुस्लिम समाज के लोगों ने अकीदत के साथ ताजिओं पर परमल, खील, बताशे और तबररूख चढ़ाए। देर शाम सभी ताजिए बहजोई रोड स्थित कर्बला पहुंचे, जहाँ नम आंखों से उन्हें सुपुर्द-ए-खाक किया गया। इस पूरे कार्यक्रम के दौरान सुरक्षा के कड़े इंतजाम रहे और भारी पुलिस फोर्स मुस्तैद नजर आई।

ट्रैफिक पुलिस ने वाहनों पर लगाए रिफ्लेक्टर

जागरण मोर्चा कार्यालय

बदायूं। शुक्रवार को नगर के कछला रोड बरेली आगरा राजमार्ग पर कृषि उत्पादन मंडी समिति के गेट पर यातायात पुलिस ने सड़क सुरक्षा को लेकर विशेष चेकिंग अभियान चलाया। यातायात उपनिरीक्षक मुरारीलाल साहू के नेतृत्व में चले अभियान में ओवरलोडिंग, बिना हेलमेट, बिना सीट बेल्ट और सड़क किनारे अवैध पार्किंग करने वाले छह वाहनों के चालान काटे गए। अभियान के दौरान पुलिस ने 15 ट्रैक्टर ट्रालियों समेत अन्य वाहनों पर रिफ्लेक्टर भी लगवाए। अचानक हुई वाहन चेकिंग से वाहन चालकों में हड़कंप मच गया। वही कई चालकों को चेतावनी देकर छोड़ते हुए नियम पालन के सख्त निर्देश दिए गए। यातायात उपनिरीक्षक मुरारीलाल साहू ने लोगों को जागरूक करते हुए कहा हेलमेट और सीट बेल्ट आपकी जान बचाते हैं। लापरवाही से सड़क हादसों में जान माल का नुकसान होता है। नियमों का पालन कर अधिकांश दुर्घटनाएं रोकी जा सकती हैं। उन्होंने वाहन चालकों से ओवरलोडिंग न करने ड्राइविंग के दौरान मोबाइल का प्रयोग न करने और गति सीमा में वाहन चलाने की अपील की।

प्रकाश पर्व पर लड़ीवार कार्यक्रम में दिल्ली की जलमीन कौर नें संगत को किया निहाल

आज पहुँच रहे सर्व दिल अजीज, पंथ प्रसिद्ध मनप्रीत सिंह कानपुरी

जागरण मोर्चा कार्यालय

बरेली। सिक्खों के छठे गुरु श्री गुरु हरिगोबिंद साहिब जी का पावन प्रकाश पर्व 30 जून को मनाया जाएगा। इसी के उपलक्ष्य में लड़ीवार धार्मिक कार्यक्रमों में गुरुपर्व तक प्रतिदिन अलग-अलग कीर्तनी जत्थे और प्रचारक सहभागिता करेंगे। शुक्रवार को गुरु साहिब के नाम से सुशोभित गुरुद्वारा श्री गुरु हरिगोबिंद साहिब सिंह सभा में कीर्तन दरबार सजाया जिसमें दिल्ली से आई जलमीन कौर नें कीर्तन से संगत को निहाल किया व वाहिगुरु के जाप से वातावरण पूरी तरह गुरु-मय हो गया।गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी ने बताया कि आज शनिवार पंथ प्रसिद्ध सर्व दिल

अजीज भाई मनप्रीत सिंह कानपुरी विशेष रूप से पहुँच रहें हैं समाप्ति के उपरांत गुरु का अटूट लंगर संगत में वितरित किया गया। प्रकाश पर्व को लेकर संगत में विशेष उत्साह देखा जा रहा है और आगामी दिनों में श्रद्धालुओं की संख्या और बढ़ने की संभावना है।

दहेज प्रताड़ना और मारपीट का आरोप, किला थाने में मुकदमा दर्ज

जागरण मोर्चा कार्यालय

बरेली। किला थाना क्षेत्र में एक विवाहिता ने पति, सास और ससुर पर दहेज के लिए प्रताड़ित करने, मारपीट, गाली-गलौज और जान से मारने की धमकी देने के गंभीर आरोप लगाए हैं। पीड़िता की तहरीर पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। स्वालेनगर निवासी चंचल ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसकी शादी 25 नवंबर 2020 को विशाल के साथ हुई थी। आरोप है कि शादी में करीब 15 लाख रुपये खर्च किए गए थे, जिसमें नकद, मोटरसाइकिल, जेवर और घरेलू सामान शामिल थे, इसके बावजूद ससुराल पक्ष संतुष्ट नहीं हुआ। विवाहिता का कहना है कि पति, सास और ससुर लगातार 10 लाख रुपये नकद और कार की मांग करते रहे। मांग पूरी न होने पर उसे मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ित किया गया। पीड़िता के अनुसार उसका एक चार वर्षीय पुत्र है और वह वर्तमान में आठ माह की गर्भवती है। आरोप है कि जून 2025 में दहेज की मांग का विरोध करने पर उसके साथ मारपीट की गई और जान से मारने की धमकी दी गई। महिला ने यह भी आरोप लगाया कि उसके पति के महक नाम की महिला से अवैध संबंध हैं और 1 सितंबर 2025 को वह उसी के साथ घर छोड़कर चला गया। विवाहिता का कहना है कि ससुराल पक्ष ने दहेज की मांग पूरी होने तक उसे रखने से इनकार कर दिया और दोबारा आने पर जान से मारने की धमकी दी। पुलिस का कहना है कि तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है और सभी आरोपों की जांच की जा रही है।

देवरनियां पुलिस की बड़ी कार्रवाई, शातिर युवक अवैध तमंचे सहित गिरफ्तार

- ग्राम गुनाहड्डू मार्ग पर देर रात चेकिंग के दौरान पकड़ा गया अभियुक्त

जागरण मोर्चा कार्यालय

बरेली। थाना देवरनियां पुलिस ने चेकिंग अभियान के दौरान एक शातिर अभियुक्त को अवैध असलहे के साथ गिरफ्तार कर लिया। आरोपी के कब्जे से एक तमंचा 315 बोर और एक जिंदा कारतूस बरामद हुआ है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार 25 जून की देर रात थाना प्रभारी के नेतृत्व में पुलिस टीम क्षेत्र में गश्त और चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान ग्राम गुनाहड्डु से देवरनियां की ओर जाने वाली सड़क पर संदिग्ध युवक को रोककर तलाशी ली गई। तलाशी में

उसके पास से अवैध तमंचा और कारतूस बरामद हुआ। पूछताछ में उसने अपना नाम उवैश पुत्र जलील अहमद, निवासी ग्राम रोहिली थाना देवरनियां बताया। अभियुक्त ने पुलिस को बताया कि वह पांचवीं तक पढ़ा है और गुरुग्राम में कबाड़ का काम करता था। उसने स्वीकार किया कि वह पहले भी चोरी और अन्य मामलों में जेल जा चुका है तथा अपनी सुरक्षा के नाम पर तमंचा रखता था। पुलिस के अनुसार आरोपी किसी आपराधिक घटना को अंजाम देने की फिराक में था। बरामदगी के आधार पर थाना देवरनियां में मुकदमा संख्या 256/26 धारा 3/25 आर्म्स एक्ट पंजीकृत किया गया है। पुलिस आरोपी के आपराधिक इतिहास की गहन जांच कर रही है।

युवती की जहर देकर हत्या, 40 लाख रुपये भी हड़पे, रिपोर्ट दर्ज

जागरण मोर्चा कार्यालय

टांडा। थाना टांडा क्षेत्र के ग्राम परशुपरा निवासी साजिद उर्फ सेफ ने गुरुग्राम में मेडिकल स्टोर चलाने के बहाने अमरोहा जिले की एक युवती के साथ 5 वर्ष तक शादी का झांसा देकर शारीरिक शोषण किया। बाद में युवती को पता चला कि साजिद पहले से शादीशुदा है, फिर भी उसे गुमराह करता रहा। आखिरकार 22 जून 2026 को आरोपी साजिद व उसकी पहली पत्नी सबीना ने युवती को खाने में जहर दे दिया, जिससे उसकी मौत हो गई।

युवती के पिता जरीफ अहमद पुत्र रहमतुल्ला खां, निवासी ग्राम देहरा घनश्याम थाना रजवपुर जिला अमरोहा ने कोतवाली टांडा में दिये आवेदन में बताया कि उनकी पुत्री का रिश्ता करीब 5 वर्ष पहले साजिद उर्फ सेफ पुत्र जाकिर अली के साथ तय हुआ था। दोनों गुरुग्राम में मेडिकल स्टोर चलाते थे और एक साथ रहते थे। साजिद लगातार शादी का वादा करता रहा और युवती का शारीरिक शोषण भी करता रहा।

कुछ माह पहले जब नोसिना को पता चला कि साजिद की पहले से शादी सबीना के साथ हो चुकी है, तो उसने शादी का दबाव बनाया। 19 जून 2026 को साजिद युवती को गुरुग्राम से अपने गांव परशुपरा ले आया। 22 जून 2026 को आरोपी साजिद, उसकी पहली पत्नी सबीना और परिवारवालों ने मिलकर नोसिना को खाने में जहर दे दिया। युवती की हालत बिगड़ने पर पड़ोसियों ने पिता को सूचना दी।फोन पर भाई से अपनी बहन से बात की। बहन ने फोन पर बताया कि मेरे होने वाले पति साजिद उर्फ सेफ और उसकी पत्नी सबीना ने मुझे जहर दे दिया है। मेरी हालत बहुत खराब है, मैं नहीं बच पाऊंगी। पिता व भाई के कहने पर साजिद काफी देर बाद युवती को मुरादाबाद के एक अस्पताल ले गया, जहां युवती की मौत हो गई।

कार्रवाई एक आरोपी को पैसे लेकर छोड़ने का आरोप, कार्रवाई की मांग

वायरल वीडियो से खुला जुए का खेल, चार पर रिपोर्ट

जागरण मोर्चा कार्यालय

बदायूं। शहर में जुआ खेलने का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। वीडियो में कुछ लोग खुलेआम जुआ खेलते नजर आ रहे हैं, जिसके आधार पर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए चार लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली है। यह मामला सामने आने के बाद कानून-व्यवस्था और पुलिस की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठने लगे हैं।

पुलिस के अनुसार, वायरल वीडियो की जांच के बाद आरोपियों की पहचान की गई और संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया। अधिकारियों का कहना है कि जुए जैसी अवैध गतिविधियों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी और किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा। हालांकि, इस पूरे मामले में एक नया मोड़ तब

आया जब यह आरोप सामने आया कि मौके से पकड़े गए एक अन्य आरोपी को पुलिस ने कथित रूप से पैसे लेकर छोड़ दिया। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि यह आरोप सही है तो यह बेहद गंभीर मामला है और इससे पुलिस की निष्पक्षता पर सवाल खड़े होते हैं। लोगों ने मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की है, ताकि सच्चाई सामने आ सके और दोषियों के खिलाफ उचित कार्रवाई हो सके। सोशल मीडिया पर भी इस मुद्दे को लेकर बहस तेज हो गई है और लोग पारदर्शिता की मांग कर रहे हैं।

वहीं, पुलिस अधिकारियों ने इन आरोपों को गंभीरता से लेते हुए कहा है कि पूरे मामले की जांच कराई जाएगी। यदि किसी पुलिसकर्मी की संलिप्तता पाई जाती है तो उसके खिलाफ कड़ी विभागीय कार्रवाई की जाएगी। अधिकारियों ने यह भी स्पष्ट किया कि कानून से ऊपर कोई नहीं है और भ्रष्टाचार के आरोपों को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

फिलहाल, पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है और वायरल वीडियो के आधार पर अन्य संदिग्धों की भी तलाश की जा रही है। इस घटना ने एक बार फिर यह सवाल खड़ा कर दिया है कि अवैध गतिविधियों पर रोक लगाने के साथ-साथ पुलिस की जवाबदेही सुनिश्चित करना भी उतना ही जरूरी है।

घरेलू कलह से परेशान युवक ने आम के बाग में फांसी लगाकर दी जान

जागरण मोर्चा कार्यालय

पूरनपुर। माधौटांडा थाना क्षेत्र में घरेलू कलह से आहत एक युवक ने आम के बाग में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कार्रवाई शुरू की।

थाना माधौटांडा क्षेत्र के ग्राम जमुनिया खास निवासी राजेंद्र शर्मा पुत्र विकास शर्मा का शव ग्राम खासपुर स्थित एक आम के बाग में पेड़ से फंदे पर लटका मिला। बताया जा रहा है कि युवक लंबे समय से घरेलू विवाद के चलते मानसिक तनाव में था, जिसके चलते उसने यह आत्मघाती कदम उठाया। घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरने की कार्रवाई की। हालांकि परिजनों ने पोस्टमार्टम कराने से इंकार कर दिया। इसके बाद पुलिस ने

पोस्टमार्टम कराने से परिजनों का इंकार

नियमानुसार पंचनामा भरकर शव परिजनों को सौंप दिया। माधौटांडा थाना पुलिस का कहना है कि प्रथम दृष्टया मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है। पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए आवश्यक विधिक कार्रवाई कर रही है।

मेजबान मैक्सिको ने लगाई जीत की हैट्रिक, चेक गणराज्य को 3-0 से पराजित कर ग्रुप में किया टॉप

पांच बार की वर्ल्ड चैंपियन ब्राजील, मोरक्को और दक्षिण अफ्रीका ने कटाया नॉकआउट का टिकट

मियामी गार्डन्स/अटलांटा

फीफा वर्ल्ड कप 2026 के ग्रुप चरण में गुरुवार को कई बड़े और ऐतिहासिक परिणाम देखने को मिले। मैक्सिको, ब्राजील और स्विट्जरलैंड ने जहां शानदार जीत दर्ज की, वहीं हैती और दक्षिण अफ्रीका ने भी यादगार प्रदर्शन कर सुर्खियां बटोरीं।

मेजबान मैक्सिको ने चेक गणराज्य को 3-0 से हराकर पहली बार विश्व कप के ग्रुप चरण में तीनों मैच जीतने का रिकॉर्ड बनाया। मातेओ चावेज, जूलियन क्विनोनेस और अल्वारो फिडाल्गो ने गोल किए। 17 वर्षीय गिल्बर्टो मोरा मैक्सिको के सबसे युवा विश्व कप खिलाड़ी बने, जबकि 40 वर्षीय गोलकीपर गिलेरमो ओचोआ ने अपना छठा विश्व कप खेलकर बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम किया।

संघर्ष के बावजूद हैती की चमक

हैती की टीम 52 साल बाद विश्व कप में लौटी और मोरक्को से 4-2 से हार गई, लेकिन दो शानदार गोल कर दिल जीत लिए। शुरुआती बढ़त के बावजूद मोरक्को ने वापसी करते हुए मैच अपने नाम किया और नॉकआउट में जगह बना ली।

स्विट्जरलैंड-कनाडा मुकाबला

स्विट्जरलैंड ने कनाडा को 2-1 से हराकर ग्रुप में शीर्ष स्थान हासिल किया। रूबेन वर्गास और जोहान मंजांबी ने गोल किए। कनाडा ने हार के बावजूद पहली बार नॉकआउट में जगह बनाई।

बोस्निया की भी उम्मीदें कायम

बोस्निया और हर्जेगोविना ने कतर को 3-1 से हराकर नॉकआउट की दौड़ में खुद को बनाए रखा। 18 वर्षीय केरिम अलायबेगोविच ने गोल कर इतिहास रच दिया। इन नतीजों के बाद टूर्नामेंट में रोमांच बढ़ गया है और कई टीमें नॉकआउट की दौड़ में मजबूती से बनी हुई हैं।

दक्षिण अफ्रीका ने रचा इतिहास: दक्षिण अफ्रीका ने दक्षिण कोरिया को 1-0 से हराकर पहली बार विश्व कप के नॉकआउट चरण में प्रवेश किया। थापेलो मासेको ने निर्णायक गोल किया।

ब्राजील की आसान जीत, 981 दिन बाद नेमार की भावुक वापसी

ब्राजील ने स्कॉटलैंड को 3-0 से हराकर नॉकआउट चरण में प्रवेश किया। विनीसियस जूनियर ने दो गोल किए, जबकि नेमार चोट से उबरकर मैदान पर लौटे और दर्शकों से जोरदार स्वागत पाया। ब्राजील के स्टार फुटबॉलर नेमार ने 981 दिनों के लंबे इंतजार के बाद राष्ट्रीय टीम में वापसी की। फीफा वर्ल्ड कप 2026 में स्कॉटलैंड के खिलाफ मुकाबले में दूसरे हाफ में मैदान पर उतरे नेमार मैच समाप्त होने के बाद भावुक हो गए और उनकी आंखों से आंसू छलक पड़े। ब्राजील ने स्कॉटलैंड को 3-0 से हराकर ग्रुप सी में शीर्ष स्थान हासिल करते हुए नॉकआउट चरण में जगह बनाई। 34 वर्षीय नेमार ने आखिरी बार अक्टूबर 2023 में उरुग्वे के खिलाफ मैच खेला था, जिसमें उनके घुटने का एसीएल और मेनिस्कस चोटिल हो गया था। इसके बाद वह लंबे समय तक मैदान से बाहर रहे। कोच कार्लो एंसेलोटी ने उन्हें 76वें मिनट में मैदान पर उतारा। स्टेडियम में मौजूद दर्शकों ने खड़े होकर उनका स्वागत किया।

रोनाल्डो के गोलों से ज्यादा जॉर्जिना की चर्चा

नई दिल्ली, पुर्तगाल ने उज्बेकिस्तान को 5-0 से हराया, जिसमें क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने दो शानदार गोल दागे। लेकिन मैच के बाद सोशल मीडिया पर उनकी मंगेतर जॉर्जिना रोड्रिगेज की भी खूब चर्चा हुई। जॉर्जिना ने इंस्टाग्राम स्टोरी में एक तस्वीर शेयर की, जिसमें टीवी पर रोनाल्डो गोल सेलिब्रेट करते नजर आ रहे थे और वह उनकी नंबर-7 जर्सी पहनकर मुस्कुराती दिखीं। उन्होंने तस्वीर के साथ सिर्फ मैच डे और चार दिल वाले इमोजी लगाए। फैंस ने इसे रोनाल्डो के लिए उनके प्यार और समर्थन का खास अंदाज बताया। पुर्तगाल की जीत के बाद रोनाल्डो के गोल और जॉर्जिना की यह स्टोरी सोशल मीडिया पर सबसे ज्यादा वायरल रही।

कनाडाई खिलाड़ी की टांग तोड़ने पर कतर के मदीबो पर पांच मैच का बैन

नई दिल्ली

फीफा विश्व कप 2026 में कनाडा के मिडफील्डर इस्माइल कोने को गंभीर चोट पहुंचाने वाले कतर के खिलाड़ी असीम मदीबो पर फीफा ने पांच मैचों का प्रतिबंध लगा दिया है।

वैंकूवर में खेले गए मुकाबले के 53वें मिनट में मदीबो ने पीछे से खतरनाक टैकल किया था, जिससे कोने की बाईं टांग की टिबिया और फिबुला हड्डियां टूट गई थीं। रेफरी ने तत्काल रेड कार्ड दिखाकर मदीबो को मैदान से बाहर भेज दिया था। 24 वर्षीय कोने को तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां उनकी सर्जरी हुई। चोट के कारण उनका विश्व कप अभियान भी समाप्त हो गया। कनाडा ने यह मुकाबला 6-0 से जीता था, लेकिन चर्चा मदीबो के टैकल की रही।

घटना की समीक्षा के बाद फीफा की अनुशासन समिति ने मदीबो को गंभीर फाउल प्ले का दोषी मानते हुए पांच मैचों के लिए निलंबित कर दिया। घटना के कुछ दिन बाद मदीबो अस्पताल पहुंचकर कोने से मिले। दोनों खिलाडि़यों की मुलाकात की तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हुईं और खेल भावना की सराहना की गई।

नई शुरुआत बॉयफ्रेंड और रियलिटी शो स्टार मोंटेल मैकेंजी ने समुद्र किनारे घुटनों के बल बैठकर किया प्रपोज

दुनिया की सबसे ग्लैमरस फुटबॉलर अलीशा लेहमन ने की सगाई

नई दिल्ली

दुनिया की सबसे चर्चित महिला फुटबॉलरों में शुमार अलीशा लेहमन ने अपनी जिंदगी की नई पारी शुरू करने का ऐलान कर दिया है। स्विट्जरलैंड की स्टार फुटबॉलर ने सोशल मीडिया पर सगाई की तस्वीरें साझा करते हुए बताया कि उन्होंने अपने बॉयफ्रेंड और रियलिटी शो स्टार मोंटेल मैकेंजी का शादी का प्रस्ताव स्वीकार कर लिया है।

समुद्र किनारे सूर्यास्त के दौरान हुए रोमांटिक प्रपोजल की तस्वीरें सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही हैं। 27 वर्षीय अलीशा द्वारा साझा की गई तस्वीरों में मोंटेल मैकेंजी घुटनों के बल बैठकर उन्हें अंगूठी पहनाते नजर आ रहे हैं। इस खास पल में भावुक दिखीं अलीशा ने पोस्ट के साथ लिखा, हमेशा और हमेशा के लिए। काले रंग की स्टाइलिश ड्रेस में नजर आ रहीं अलीशा ने अंगूठी स्वीकार करने के बाद मोंटेल को गले लगाया और दोनों ने कैमरे के सामने अपनी खुशी जाहिर की।

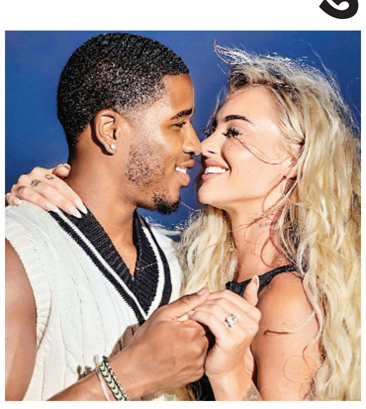

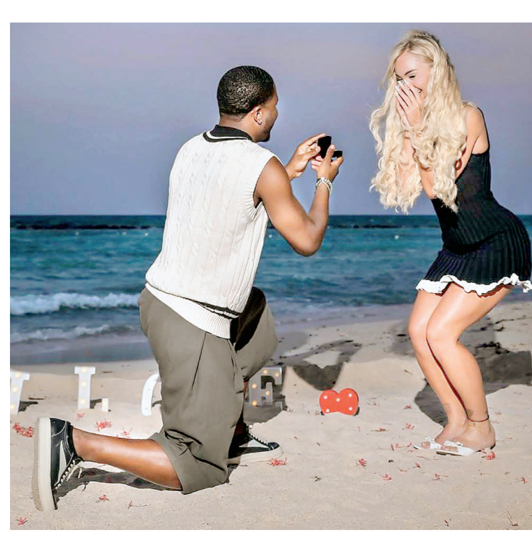

बॉलर लीग के दौरान हुई थी दोनों की मुलाकात

अलीशा और मोंटेल ने इसी साल अपने रिश्ते को सार्वजनिक किया था। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक दोनों की मुलाकात बॉलर लीग के दौरान हुई थी, जहां अलीशा टीम मैनेजर थीं और मोंटेल खिलाड़ी के रूप में हिस्सा ले रहे थे। मुलाकात के बाद दोनों के बीच नजदीकियां बढ़ीं और कुछ ही महीनों में रिश्ते ने नया मुकाम हासिल कर लिया। कुछ समय पहले दोनों को एक ज्वेलरी स्टोर में साथ देखा गया था, जिसके बाद सगाई की अटकलें तेज हो गई थीं। हालांकि उस समय दोनों ने इस पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी थी। अब आधिकारिक घोषणा के साथ इन चर्चाओं पर विराम लग गया है।

मप्र की नितिका आकरे ने पोल वॉल्ट में जीता कांस्य

4.10 मीटर की छलांग के साथ एशियाई खेलों के लिए किया क्वालीफाई, खेल मंत्री ने दी बधाई

भोपाल

मध्यप्रदेश खेल एवं युवा कल्याण विभाग के अंतर्गत संचालित एथलेटिक्स अकादमी की प्रतिभाशाली खिलाड़ी नितिका आकरे ने ओडिशा की राजधानी भुवनेश्वर में 24 से 28 जून 2026 तक आयोजित 65वीं राष्ट्रीय अंतरराज्यीय सीनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए कांस्य पदक हासिल किया। महिला पोल वॉल्ट स्पर्धा में नितिका ने 4.10 मीटर की ऊंचाई पार कर यह उपलब्धि दर्ज की। इसी प्रदर्शन के आधार पर उन्होंने एशियाई खेल 2026 के लिए क्वालीफिकेशन मानक भी हासिल कर लिया। इस स्पर्धा में कुल तीन खिलाड़ियों ने एशियाई खेलों के लिए क्वालीफाई किया, जिनमें नितिका भी शामिल है। खेल मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने नितिका को बधाई देते हुए कहा प्रदेश की बेटियां बड़े मंच पर निरंतर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रही हैं।

सेंचुरियन रॉयल्स बनी अंडर 12 सेंचुरियन लीग चैंपियन

भोपाल

सेंचुरियन अंडर-12 लीग के फाइनल में सेंचुरियन रॉयल्स ने शानदार प्रदर्शन करते हुए सेंचुरियन वारियर्स को 6 विकेट से हराकर खिताब अपने नाम किया। वारियर्स ने 10 ओवर में 50 रन बनाए, जिसमें सारांश ने 20 रन बनाए। जवाब में रॉयल्स ने 51 रन का लक्ष्य दैनिक गौहर की नाबाद 25 रनों की पारी के दम पर हासिल कर लिया। रॉयल्स की ओर से आरव चंद्रवंशी ने 2 विकेट लेकर अहम भूमिका निभाई।

फाइनल के प्रमुख खिलाड़ी
दैनिक गौहर: नाबाद 25 रन
आरव चंद्रवंशी: 2 विकेट

एसबीआई भोपाल सर्कल के खिलाड़ियों का यूनाइटेड किंगडम में शानदार प्रदर्शन

भोपाल

भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) भोपाल सर्कल के खिलाड़ियों जतिन सहाय सक्सेना और विजय मंगरानी ने यूनाइटेड किंगडम में आयोजित इंडिया वेटरन्स क्रिकेट टूर में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर देश और बैंक का नाम रोशन किया। जतिन सक्सेना ने टूर्नामेंट में 151 रन बनाए, जिसमें उनका सर्वोच्च स्कोर 86 रन रहा। उन्होंने 99 रनों की साझेदारी सहित शीर्ष साझेदारियों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। विजय मंगरानी ने कसी हुई गेंदबाजी करते हुए 8 विकेट हासिल किए और टूर्नामेंट में सर्वश्रेष्ठ इकॉनमी रेट के साथ प्रदर्शन किया। दोनों खिलाडियों के प्रदर्शन की बैंक प्रबंधन, सहकर्मियों और खेल प्रेमियों ने सराहना करते हुए उन्हें भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी हैं।

तेजी से लक्ष्य हासिल करना चाहती थी भारतीय महिला टीम

मैनचेस्टर

महिला टी20 विश्व कप 2026 के सेमीफाइनल में पहुंचने की अपनी उम्मीदों को भारतीय टीम ने जिंदा रखा है। ग्रुप ए के मुकाबले में भारतीय टीम ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए बांग्लादेश को पांच विकेट से हराया। कप्तान हरमनप्रीत कौर ने टीम के प्रदर्शन पर खुशी जताई है, लेकिन उन्होंने माना है कि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अहम मुकाबले से पहले फील्डिंग अभी भी एक बड़ी चिंता का विषय है।

ओल्ड टैफर्ड के मैदान पर बांग्लादेश ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में आठ विकेट खोकर स्कोरबोर्ड पर 136 रन लगाए। हालांकि, भारतीय टीम ने शेफाली वर्मा की अर्धशतकीय पारी के बूते 137 रनों के लक्ष्य को 16.5 ओवर में पांच विकेट खोकर हासिल कर लिया। शेफाली ने 34 गेंदों में 53 रनों की दमदार पारी खेली। वहीं, गेंदबाजी में राधा यादव ने तीन विकेट चटकाए। मैच के बाद हरमनप्रीत कौर ने कहा कि टीम का लक्ष्य मैच को जल्दी खत्म करना था ताकि नेट रन रेट में भी सुधार हो सके। उन्होंने कहा कि भारत ने जीत तो हासिल कर ली, लेकिन अगर टीम थोड़ा और जल्दी लक्ष्य हासिल कर लेती तो और बेहतर होता। फिर भी दो-तीन ओवर पहले मैच खत्म करना टीम के लिए सकारात्मक बात रही। जीत के बावजूद भारतीय कप्तान अपनी टीम की फील्डिंग से पूरी तरह संतुष्ट नहीं दिखीं। उन्होंने कहा कि टीम लगातार फील्डिंग पर मेहनत कर रही है, लेकिन इस मैच में भी कई आसान कैच छूट गए। इन गलतियों की वजह से बांग्लादेश की बल्लेबाजों को बड़ी साझेदारी बनाने का मौका मिला और टीम उम्मीद से ज्यादा रन बनाने में सफल रही। हरमनप्रीत ने कहा कि फील्डिंग ऐसी चीज है, जिसमें टीम को जल्द सुधार करना होगा। उन्होंने उम्मीद जताई कि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाले अगले मुकाबले में भारतीय खिलाड़ी अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करेंगी और ऐसी गलतियां नहीं दोहराएंगी।

बेहतर प्रदर्शन के आधार पर रॉयल निमाड़ फाइनल में

इंदौर। मध्य प्रदेश प्रीमियर लीग (एमपीएल) 2026 के पहले सेमीफाइनल में रॉयल निमाड़ ईगल्स और रीवा जैगुआर्स के बीच मुकाबला लगातार बारिश के कारण पूरा नहीं हो सका। मैच को नो रिजल्ट घोषित किया गया। रीवा जैगुआर्स ने 7.2 ओवर में 4 विकेट पर 41 रन बनाए थे, तभी बारिश ने खेल रोक दिया। लीग पर रॉयल निमाड़ चरण में बेहतर प्रदर्शन के आधार ईगल्स को फाइनल में प्रवेश दिया गया। ईगल्स की ओर से गेंदबाजी में कुमार कार्तिकेय ने 2 ओवर में 5 रन देकर 2 विकेट लिए, जबकि परुष मंडल और धर्मेश पटेल ने 1-1 विकेट हासिल किया। लीग चरण में रॉयल निमाड़ ईगल्स ने 9 मैचों में 7 जीत के साथ 15 अंक अर्जित कर दूसरा स्थान प्राप्त किया था।

जागरण मोर्चा राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक स्वामी, किरन दीक्षित के लिए प्रकाशक, मुद्रक, मनोज कुमार दीक्षित द्वारा लक्ष्य प्रिन्टर्स 158/4 भानमती चौराह मॉडल हाउस हुसैनगंज लखनऊ, (उ०प्र०) से मुद्रित एवं मीडिया हाउस 20ए शिवाजी मार्ग हुसैनगंज लखनऊ, (उ0प्र) से प्रकाशित। सम्पादक योगेश कुमार वर्मा मो0-7579849555, 9627739857 E-mail: www.jagranmorchadaily@gmail.com RNI No.-UPHIN/2022/82743 समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ मान्य होगा।